दैनिक समाचार पत्र

RNI-NO -UPHIN/2014/60212

गर्गाचार्य टाइम्स

सच के साथ हमेशा

Email:- gargacharytimes@gmail.com
www.gargacharytimes.in

वर्ष :12 अंक :64 शुक्रवार ,03 अक्टूबर 2025 RNI-NO -UPHIN/25/A2859 पृष्ठ :08 मूल्य :2 रुपये

दुबई से जयपुर आने वाली स्पाइस जेट की फ्लाइट 4 घंटे हुई लेट, परेशान हुए यात्री

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लेट होने का सिलसिला फिर से शुरु हो गया है। दरअसल गुरुवार को एयर इंडिया एक्सप्रेस और स्पाइसजेट की जयपुर-दुबई उड़ानें अपने वक्त में नहीं उड़ सकीं, वहीं दूसरी तरफ दुबई से जयपुर आने वाली स्पाइसजेट की फ्लाइट भी अपने समय से 04 घंटे देरी से चली। इस विलंब के चलते अनेक यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा है। जानकारी अनुसार एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट आईएक्स-195 जिसे सुबह 5ः55 बजे दुबई के लिए उड़ान भरनी थी, वह विमान की कमी के चलते अपने समय पर उड़ान नहीं भर पाई। इसके बाद यात्रियों की परेशानी को देखते हुए दूसरे विमान की व्यवस्था की गई, और फ्लाइट सुबह करीब 9ः02 बजे दुबई के लिए प्रस्थान की। इसी प्रकार दुबई से जयपुर आने वाली स्पाइसजेट की फ्लाइट एसजी-58 जिसे सुबह 3ः40 बजे दुबई से जयपुर के लिए उड़ान भरनी थी, लेकिन तकनीकी खराबी के चलते यह 04 घंटे विलंब से चली। इस कारण स्पाइसजेट की फ्लाइट एसजी-57, जिसे सुबह 9ः30 बजे जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दुबई के लिए उड़ान भरनी थी, वह भी लेट हो गई। इन विमानों के विलंब के कारण जयपुर-दुबई और दुबई-जयपुर के यात्रियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा है।

अधिकांश दो हजार के नोट आरबीआई के पास पहुंचे, अब 5,884 करोड़ ही बचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक के पास मई 2023 में 3.56 लाख करोड़ दो हजार के नोट थे। जो अब 30 सितंबर, 2025 तक केवल 5884 करोड़ ही बचे हैं। हालांकि, इन नोटों को सक्रिय सर्कुलेशन से वापस ले लिया गया है, फिर भी 2000 के बैंकनोट कानूनी निविदा का अपना दर्जा बनाए हुए हैं। इसका मतलब यह है कि जहां इन्हें रोजमर्रा के लेन-देन से हटाया जा रहा है, वहीं ये कर्ज चुकाने और अन्य वित्तीय दायित्वों को निपटाने के लिए अभी भी मान्य हैं। आरबीआई ने जनता के लिए इन नोटों को जमा कराने या बदलने के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए हैं। देश भर की सभी बैंक शाखाओं में 2000 के नोट जमा करने या बदलने की सुविधा 07 अक्टूबर, 2023 तक उपलब्ध थी। 19 मई, 2023 से ही रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालय इन नोटों के बदलने की सुविधा दे रहे हैं। 9 अक्टूबर, 2023 से ये कार्यालय व्यक्तियों और संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा कराने के लिए भी 2000 के नोट स्वीकार कर रहे हैं। जनता देश के किसी भी डाकघर से भारतीय डाक के जरिए 2000 के नोट आरबीआई के किसी भी निर्गम कार्यालय को अपने बैंक खाते में जमा कराने के लिए भेज सकती है। बता दें कि 2000 के नोट को नवंबर 2016 में ?500 और 1000 के नोटों के मोनेटाइजेशन के बाद करेंसी की तुरंत जरूरतों को पूरा करने के लिए पेश किया गया था। आरबीआई के अनुसार, एक बार यह लक्ष्य पूरा हो जाने और अन्य मूल्यवर्ग के पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो जाने के बाद, 2000 के नोटों की छपाई वर्ष 2018-19 में ही बंद कर दिया गया था। इनमें से अधिकांश नोट मार्च 2017 से पहले जारी किए गए थे और अब उनकी अनुमानित 4-5 वर्ष की आयु सीमा पूरी हो रही है। साथ ही, यह नोट लेन-देन के लिए आमतौर पर इस्तेमाल नहीं किया जाता है।

मुनव्वर फारूकी की हत्या करने दिल्ली आए दो शूटरों को पुलिस ने दबोचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी कई रियलिटी शो में काम कर चुके हैं। वो बिग बॉस में कंटेस्टेंट और विजेता भी रह चुके हैं। सोशल मीडिया पर भी मुनव्वर फारूकी की अच्छी फैन फॉलोइंग है। इंस्टाग्राम पर उनके 14 मिलियन से ज्यादा फॉलोवर हैं। मुनव्वर की हत्या की जिम्मेदारी रोहित गोदारा और गोल्डी बराड़ गैंग के दो सदस्यों को दी गई है। जिन्हे दिल्ली पुलिस ने एक मुठभेड़ में पकड़ लिया है। आरोपियों से पूछतांछ में खुलासा हुआ है कि ये हत्या की फिराक में थे। दरअसल, गुरुवार को दिल्ली पुलिस की एक टीम गश्त पर थी। इस दौरान जैतपुर-कालिंदीकुंज रोड पर पुलिस की मुठभेड़ शुरू हो गई। एनकाउंटर के बाद पुलिस ने गोल्डी बराड़ गैंग के दो सदस्यों साहिल और राहुल को गिरफ्तार कर लिया है। साहिल हरियाणा के भिवानी का, जबकि राहुल पानीपत का रहने वाला है। दोनों शूटरों के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि राहुल हरियाणा के यमुना नगर में 2024 में हुए के ट्रिपल मर्डर केस में वांटेड है। पुलिस ने बताया कि आज हुए एनकाउंटर में राहुल को एक गोली लगी है। साल 2024 में ही दिल्ली पुलिस को इनपुट मिला था कि मुनव्वर फारूकी को जान का खतरा है। इसकी जानकारी मिलने के बाद मुनव्वर को दिल्ली से मुंबई भेज दिया गया था। मुनव्वर फारूकी को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से भी खतरा है। पुलिस ने दोनों बदमाशों को गिरफ्तार करने के बाद खुलासा करते हुए बताया कि दोनों विदेश में बैठे गैंगस्टर रोहित गोदारा के इशारे पर चल रहे थे। पुलिस ने बताया कि रोहित गोदारा गोल्डी बराड़ और विरेंदर चरण के साथ काम करता है और इन तीनों ने ही मुनव्वर फारूकी को मारने का प्लान बनाया था। मुनव्वर को मारने के लिए गोल्डी ने साहिल और राहुल को जिम्मेदारी दी थी, लेकिन दिल्ली पुलिस ने उनकी इस खतरनाक योजना को पूरा नहीं होने दिया।

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को मल्लिकार्जुन खड़गे से बात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने उनके शीघ्र और पूर्ण रूप से स्वस्थ होने की कामना की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि 'मैंने खड़गे जी से बात की। उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मैं उनकी निरंतर खुशहाली और दीर्घायु की प्रार्थना करता हूं। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खडगे (83 साल) को मंगलवार को बेंगलुरु एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनके बेटे और कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खडगे ने बुधवार एक्स पर इसकी जानकारी दी थी।

व्यक्तिगत सद्गुणों और सेवा भावना को समाज में फैलाने का कार्य कर रहा संघ

-भागवत बोले-सौ सालों से संघ के स्वयंसेवक इस व्यवस्था को चलाते आ रहे

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि लंबे समय तक चले विदेशी आक्रमणों के कारण हमारी देशी प्रणालियां नष्ट हो गई थीं, जिन्हें अब समाज और शिक्षा प्रणाली के अंदर दोबारा स्थापित करने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि भारत को फिर से आत्मस्वरूप में खड़ा करने का समय आ गया है।

उन्होंने कहा कि हमें ऐसे व्यक्तियों को तैयार करना होगा जो इस कार्य को कर सकें। इसके लिए सिर्फ मानसिक सहमति नहीं, बल्कि मन, वाणी और कर्म में भी बदलाव लाने की जरुरत है। यह बदलाव किसी भी सिस्टम के बिना संभव नहीं है और संघ की शाखा यही एक मजबूत व्यवस्था है जो ये कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि शाखा केवल शारीरिक अभ्यास की जगह नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण और समाज में सकारात्मक आदतों के निर्माण की प्रयोगशाला है।

भागवत ने कहा कि सौ सालों से संघ के स्वयंसेवक इस व्यवस्था को चलाते आ रहे हैं और आगे भी चलाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि समाज की उन्नति के लिए सिर्फ व्यवस्थाएं जिम्मेदार नहीं होतीं, बल्कि परिवर्तन की असली शक्ति समाज की इच्छाशक्ति में होती है। इसलिए व्यक्तिगत सद्गुणों, सामूहिकता और सेवा भावना को समाज में फैलाने का कार्य संघ कर रहा है।

भागवत ने कहा कि समाज का संगठित, शील संपन्न बल इस देश की एकता, अखंडता, विकास और सुरक्षा की गारंटी है। हिंदू समाज ही इस देश के लिए उत्तरदायी समाज है और यह सर्व-समावेशी समाज है। उन्होंने भारत की वसुधैव कुटुंबकम की परंपरा को याद दिलाते हुए कहा कि यह उदार और समावेशी विचारधारा ही भारत की ताकत है और इस विचार को दुनिया तक पहुंचाना हमारा कर्तव्य है। संघ, संगठित कार्यशक्ति के द्वारा भारत को वैभव संपन्न और धर्म के मार्ग पर चलने वाला देश बनाने के संकल्प के साथ कार्य कर रहा है।

विजयादशमी के पावन अवसर पर उन्होंने सीमोल्लंघन की परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि आज की देश-काल-परिस्थिति को देखते हुए हमें अपने पूर्वजों के बताए कर्तव्य को निभाते हुए एक सशक्त भारत के निर्माण के लिए आगे बढ़ना होगा। संघ के शताब्दी वर्ष को लेकर भागवत ने कहा कि इसका उद्देश्य व्यक्ति निर्माण को देशव्यापी बनाना और पंच परिवर्तन कार्यक्रम को समाज में लागू करना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भागवत ने पहलगाम हमले का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने धर्म पूछकर उन्हें मारा। भारत सरकार ने इस हमले का कड़ा जवाब देने के लिए मई माह में योजना बनाई और कार्रवाई की। इस पूरे घटनाक्रम में देश के नेतृत्व की दृढ़ता, हमारी सेना के पराक्रम और युद्ध कौशल के साथ-साथ समाज की एकता का अद्भुत दर्शन हुआ। उन्होंने इस दृढ़ता और एकता को देश की सबसे बड़ी ताकत बताया।

मोहन भागवत ने कहा कि पर्यावरण पर चिंता जताते हुए कहा कि जो भौतिकवादी और उपभोक्तावादी विकास मॉडल विश्वभर में अपनाए जा रहे हैं, उनके दुष्परिणाम प्रकृति पर साफ दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि अनियमित और अप्रत्याशित वर्षा, भूस्खलन और ग्लेशियरों के सूखने जैसी घटनाएं इसकी साक्षी हैं। हमें इस दिशा में सोच-समझ कर कदम उठाने होंगे। भागवत ने प्रयागराज में हाल ही में संपन्न महाकुंभ का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह महाकुंभ न केवल श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति के कारण ऐतिहासिक बना। उन्होंने कहा कि महाकुंभ ने समस्त भारत में श्रद्धा और एकता की प्रचंड लहर पैदा की और इसे एक वैश्विक

उदाहरण बना दिया।

संघ प्रमुख ने कहा कि श्रीलंका, बांग्लादेश और हाल ही में नेपाल में जनाक्रोश के हिंसक विस्फोट के कारण हुआ सत्ता परिवर्तन हमारे लिए चिंता का विषय है। भारत में ऐसी अशांति फैलाने की चाह रखने वाली ताकतें हमारे देश के अंदर और बाहर दोनों जगह सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी क्रांति से परिवर्तन नहीं आने वाला। इसने अपने उद्देश्य को हासिल नहीं किया। उन्होंने कहा कि विश्व परस्पर निर्भरता पर जीता है, परंतु स्वयं आत्मनिर्भर होकर विश्व जीवन की एकता को ध्यान में रखकर हम इस परस्पर निर्भरता को अपनी मजबूरी न बनने देते हुए अपनी स्वेच्छा से जिएं, ऐसा हमको बनना पड़ेगा। भागवत ने कहा कि प्रजातांत्रिक मार्गों से ही परिवर्तन आता है।

अबू आजमी बोले- मराठी की क्या जरुरत, भड़क गए राज ठाकरे

मुंबई (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं विधायक अबू आजमी ने मराठी भाषा विवाद के बीच बड़ा बयान दिया है। भिवंडी में मराठी में बोलने की आवश्यकता पर अबू आजमी ने सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, मराठी और हिंदी में क्या अंतर है? अब अबू आजमी की इस टिप्पणी से सियासी विवाद खड़ा हो गया। यह विवाद उस वक्त शुरू हुआ, जब अबू आजमी ने मुंबई से सटे ठाणे जिले के भिवंडी शहर का दौरा किया। वे यहां कल्याण रोड के चौड़ीकरण को रोकने की मांग कर रहे थे, जिसके चलते उन्होंने दौरा किया। इस इलाके में मुस्लिम समुदाय की अच्छी-खासी आबादी है। इस दौरान जब अबू आजमी मीडिया को संबोधित कर रहे थे

तब मराठी पत्रकारों ने उनसे आग्रह किया कि मराठी में जवाब दें। इस पर सपा नेता ने कहा, मराठी और हिंदी में क्या अंतर है? मैं मराठी बोल सकता हूं, लेकिन भिवंडी में मराठी भाषा की क्या जरूरत है? इसी के साथ, उन्होंने कहा कि दिल्ली या उत्तर प्रदेश जैसे स्थानों पर 'मराठी बयान' समझ में नहीं आएंगे। इस टिप्पणी पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) की ठाणे जिला इकाई के अध्यक्ष परेश चौधरी ने कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा, 'अबू आजमी, आप महाराष्ट्र की राजनीति में हैं। जब आप महाराष्ट्र की राजनीति में हैं, तो उत्तर प्रदेश के लोगों की चिंता क्यों करते हैं? भिवंडी महाराष्ट्र में है। यहां केवल मराठी ही चलेगी। अगर आपको मराठी बोलने में शर्मिंदगी महसूस होती है, तो हम आपको मनसे की शैली में जवाब देंगे।

शिल्पा और राज कुंद्रा को हाईकोर्ट ने कहा- नहीं देंगे विदेश यात्रा पर जाने की इजाजत

मुंबई (एजेंसी)। फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा को बॉम्बे हाईकोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। कोर्ट साफ कह दिया कि आपको विदेश यात्रा पर जाने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। बता दें कि आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने शिल्पा और उनके पति राज को लुकआउट नोटिस जारी किया था जिसके खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। बता दें कि अगस्त 2025 में मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा पर 60.4 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का केस दर्ज किया था। इसके बाद सितंबर में उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया, ताकि वे देश छोड़कर भाग न सकें।

कपल ने कोर्ट से 2 से 5 अक्टूबर तक परिवार संग फुकेट (थाईलैंड) में छुट्टियां मनाने की अनुमति मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने उनकी यह मांग ठुकरा दी। अब इस मामले की अगली सुनवाई 8 अक्टूबर को होगी। शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की तरफ से वकील निरंजन मुंदरगी और केरल मेहता ने कोर्ट में दलील दी कि वर्ष 2021 में दर्ज एक पुराने केस के बावजूद, दोनों को अतीत में कई बार विदेश यात्रा की अनुमति दी गई थी और वे हर बार जांच में सहयोग करते रहे हैं। उनका कहना था कि चूंकि दंपति ने अब तक जांच एजेंसियों के साथ सहयोग किया है, इसलिए उन्हें इस बार भी छुट्टियों के लिए विदेश जाने की अनुमति मिलनी

चाहिए। मुख्य सरकारी वकील मनकुंवर देशमुख ने कोर्ट को बताया कि शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा के खिलाफ गंभीर आर्थिक अपराध से जुड़े दो मामले लंबित हैं। ऐसे में उन्हें विदेश यात्रा की इजाजत देना जांच के लिए जोखिमपूर्ण हो सकता है। इस पर मुख्य न्यायमूर्ति चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की खंडपीठ ने कहा कि फिलहाल दंपति को किसी भी तरह की छूट नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने ईओडब्ल्यू को 8 अक्टूबर तक अपना जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। याचिका में शिल्पा और राज ने भविष्य की कई इंटरनेशनल ट्रिप्स का भी उल्लेख किया। 21 से 24 अक्टूबर - लॉस एंजिल्स (प्रोफेशनल काम के लिए)। 26 से 29 अक्टूबर - कोलंबो और मालदीव (अपने होटल 'बैस्टियन' के विस्तार कार्य के लिए)। 20 दिसंबर 2025 से 6 जनवरी 2026 - दुबई और लंदन (राज कुंद्रा के माता-पिता से मुलाकात के लिए)

अब समय आ गया है कि सहकारिता में फैले भ्रष्टाचार के रावणों का अंत किया जाए

-सीएम ने कहा- कांग्रेस ने सहकारिता क्षेत्र को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया था

जयपुर (एजेंसी)। सीएम भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस ने सहकारिता क्षेत्र को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया था और अब समय आ गया है कि इसमें फैले भ्रष्टाचार के रावणों का अंत किया जाए। दशहरा पर्व पर राजधानी के कांस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित सहकार सदस्यता अभियान समारोह को संबोधित करते हुए सीएम ने यह टिप्पणी की।

इस मौके पर सीएम भजनलाल ने दो भूमि-विहीन पैक्स को भूमि आवंटन किया और सदस्यता आवेदन पत्र के लिंक का विमोचन किया। साथ ही उन्होंने प्रमाण पत्र और चेक भी लाभार्थियों को भेंट किए। भजनलाल ने कहा कि यदि ज्यादा से ज्यादा लोग सहकारिता से जुड़ेंगे तो यह क्षेत्र मजबूत होगा। कांग्रेस ने न तो सदस्यता चलाई और न ही आमजन को जोड़ा। वे सिर्फ अपने लोगों की सूची बनाते थे। हमने सदस्यता सभी के लिए खोली है और 15 दिन का सदस्यता अभियान चला रहे हैं ताकि हर ग्राम पंचायत में

सहकार समिति बन सके।

गरीबों और महिलाओं की तकलीफों का उल्लेख करते हुए सीएम ने कहा कि सरकार हर दुख-दर्द में आमजन के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि गरीबी बहुत बुरी होती है। मां-बहनें जब दूध कम पड़ता है तो बच्चे की संतुष्टि के लिए उसमें पानी मिलाकर भी परिवार चलाती हैं। इन तकलीफों को सरकार समझती है और समाधान के लिए काम कर रही है।

समारोह में सहकारिता मंत्री गौतम दक ने सीएम की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि सीएम भजनलाल रात दो बजे से पहले नहीं सोते और प्रदेश के विकास में दिन-रात जुटे रहते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल में सहकारिता आंदोलन ने रफ्तार पकड़ी है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह भी राजस्थान की सहकारिता प्रणाली की सराहना कर चुके हैं और इसे देश के शीर्ष पांच राज्यों में माना है।

उन्होंने कहा कि अब ज्यादातर पैक्स में कंप्यूटर लग चुके हैं, जिससे गबन और घोटालों पर रोक लगी है।

उन्होंने अधिकारियों और पदाधिकारियों से अपील की कि सहकार आंदोलन को केवल सत्ता का साधन न बनाएं, बल्कि सबको जोड़कर रोजगार सृजन की दिशा में काम करें।

गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि डेयरी सेक्टर में 50 हजार नए सदस्य जोड़ने का लक्ष्य है, लेकिन राज्य सरकार एक लाख नए सदस्य जोड़ेगी। इसमें महिलाओं को विशेष रूप से जोड़ा जाएगा ताकि उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके और रोजगार के अवसर बढ़ सकें। दशहरा के दिन सहकारिता को नए संकल्प के साथ आगे बढ़ाने का संदेश देते हुए यह कार्यक्रम सहकारिता आंदोलन को मजबूत बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

सीएम सिद्धारमैया ने अटकलों को खारिज करते हुए कहा- पूरे 5 साल तक रहूंगा मुख्यमंत्री

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को खारिज करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने साफ कह दिया, कि उनका इरादा पूरे पाँच साल तक सीएम का कार्यभार निभाने का है। उन्होंने कहा, कि वे अपने पद पर बने रहेंगे और नवंबर में ढाई साल पूरे होने के बाद भी सत्ता में किसी तरह का बदलाव नहीं होगा। सिद्धारमैया ने मीडिया से बातचीत में कहा, कि लोग कहते रहते हैं कि नवंबर में मेरा आधा कार्यकाल पूरा हो जाएगा। मैं केवल यह कहना चाहता हूँ कि आलाकमान का जो भी फैसला होगा, उसका पालन किया जाएगा। लेकिन मेरा विश्वास है कि अगले साल भी मैं मैसूर दशहरा पर चामुंडेश्वरी मंदिर में पुष्प अर्पित करूंगा। गौरतलब है कि दशहरा का शुभारंभ पारंपरिक रूप से मैसूरु की चामुंडी पहाड़ियों पर स्थित देवी चामुंडेश्वरी की मूर्ति पर पुष्प अर्पित करके किया जाता है। सिद्धारमैया वर्षों से इस परंपरा का हिस्सा रहे हैं। अपने राजनीतिक सफर पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार उनकी राजनीति को लेकर भविष्यवाणियां की गईं, लेकिन वे सब गलत साबित हुईं। उन्होंने कहा, लोग कहते थे कि मैं दूसरी बार मुख्यमंत्री नहीं बनूंगा, लेकिन मैं बना। यहां तक कि मेरी कार पर कौआ बैठने को भी अपशकुन बताया गया था। फिर कहा गया कि मैं बजट पेश नहीं करूंगा, लेकिन मैंने बजट भी पेश किया। सिद्धारमैया के बयान से यह साफ हो गया कि फिलहाल कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की संभावना नहीं है और कांग्रेस आलाकमान भी मौजूदा समीकरण बनाए रखने के पक्ष में हैं।

लद्दाख संकट : वांगचुक की पत्नी गीतांजलि ने किया केंद्र से सवाल- क्या भारत वाकई आज़ाद है?

लेह (एजेंसी)। लद्दाख में जारी उथल-पुथल के बीच सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने गुरुवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने लद्दाख की मौजूदा स्थिति की तुलना ब्रिटिश शासन काल से की और गृह मंत्रालय पर पुलिस बल का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है।

गीतांजलि ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि क्या भारत वाकई आज़ाद है? 1857 में 24,000 अंग्रेजों ने महारानी के आदेश पर 300 मिलियन भारतीयों पर अत्याचार करने के लिए 1,35,000 भारतीय सिपाहियों का इस्तेमाल किया था। आज, गृह मंत्रालय के आदेश पर एक दर्जन प्रशासक 2400 लद्दाखी पुलिस का दुरुपयोग करके 3 लाख लद्दाखियों पर अत्याचार कर रहे हैं।

वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद बढ़ा विवाद

सोनम वांगचुक को लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संवैधानिक सुरक्षा की मांग को

लेकर हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद 26 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत मामला दर्ज कर जोधपुर सेंट्रल जेल भेजा गया।

24 सितंबर को हुए प्रदर्शन में पुलिस फायरिंग और झड़पों में चार लोगों की मौत हो गई थी, जिससे स्थिति और अधिक तनावपूर्ण हो गई।

राष्ट्रपति को लिखा पत्र

गीतांजलि अंगमो ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर अपील की कि वे एक आदिवासी होने के नाते लद्दाख के लोगों की भावनाओं को समझें। पत्र की प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को भी भेजी गई है। अंगमो ने अपने पत्र में सोनम वांगचुक को एक शांतिपूर्ण गांधीवादी आंदोलनकारी बताया, जो जलवायु परिवर्तन और आदिवासी इलाकों के विकास के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि वांगचुक को बिना शर्त रिहा किया जाए।

केंद्र पर बढ़ रहा दबाव

लद्दाख में जारी तनाव और वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद केंद्र सरकार पर विपक्षी दलों और स्थानीय संगठनों का दबाव बढ़ रहा है। विपक्ष इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन बता रहा है, जबकि सरकार का कहना है कि वांगचुक की गतिविधियां कानून-व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं। एक प्रकार से यह प्रकरण अब लद्दाख की स्वायत्तता, आदिवासी अधिकारों और लोकतांत्रिक आज़ादी को लेकर एक राष्ट्रीय बहस का रूप लेता दिख रहा है।

संघ केवल सवर्णों की सत्ता बचाने के लिए काम करता है- कांग्रेस नेता उदित राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस को 100 साल पूरे हो गए है। 1925 से अस्तित्व में आए संघ का शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते रोज संघ के सम्मान में एक सिक्का जारी किया है। इस पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता उदित राज ने आलोचना करते हुए कहा है कि संघ सम्मान का हकदार नहीं है। संघ केवल और केवल सवर्णों की सत्ता बचाने के लिए काम करता है। यही वजह है कि आज तक कोई दलित या महिला की संघ की कमान नहीं सौंपी गई है।

उदित राज ने कहा कि इस देश के कल्याण में संघ की कोई भूमिका नहीं रही है। इस संगठन ने सिर्फ सवर्ण सत्ता को बचाने की दिशा में काम किया है। यह संगठन वैसे तो समस्त विश्व में हिंदू समुदाय का हितैषी होने का दावा करता है, लेकिन मैं एक बात स्पष्ट कर देना

चाहता हूं कि यह पूरे हिंदू समुदाय का हित नहीं चाहता है।यह संगठन सिर्फ उच्च जाति लोगों के हितों को ही प्राथमिकता देता है। आप लोगों ने गौर किया होगा कि आज तक इस संगठन का प्रमुख कोई दलित या महिला नहीं रही है। आखिर क्यों हमेशा से ही इस संगठन की कमान एक ब्राह्मण समुदाय से आने वाले व्यक्ति के हाथों में ही रही? मैं समझता हूं कि ये बिल्कुल ठीक नहीं है। मुझे यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि आरएसएस को एक सभ्य समाज में किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। कांग्रेस नेता ने गुरुवार को गांधी जयंती पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक सेवक संघ (आरएसएस) की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता है कि इसका उत्सव पर्व मनाया जाना चाहिए, क्योंकि यह संगठन सम्मान का हकदार नहीं है। उन्होंने कहा कि इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि आरएसएस की विचारधारा की वजह से ही महात्मा गांधी की हत्या की गई थी। उन्होंने कहा कि संघ के 100 वर्ष संपन्न होने पर जो सिक्का जारी किया गया, वह मैं समझता हूं कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का अपमान है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। आज गांधी जी हमारे बीच नहीं हैं, तो उनका अपमान किया जा रहा है। उन्होंने विजयादशमी की बधाई देते हुए कहा कि यह बहुत दुर्भाग्य की बात है कि आज की तारीख में हमारे समाज में इस संगठन को महिमामंडित किया जा रहा है। निश्चित तौर पर इससे महात्मा गांधी की राह पर चलने वाले लोगों का मन दुखी हो रहा होगा।

पीके के एक्शन अवतार से बीजेपी और जेडीयू में चिंता... लोग बता रह 'कजरीवाल मॉडल'

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में रणनीतिकार से नेता बने जन सुराज अभियान के संस्थापक प्रशांत किशोर (पीके) इन दिनों आक्रामक मोड में हैं। उन्होंने खुद को किंगमेकर नहीं बल्कि किंग बनाने की तैयारी में जिस तरह राज्य के बड़े-बड़े नेताओं को भ्रष्टाचार के कटघरे में खड़ा किया है, उससे सियासी हलचल तेज हो गई है।

पीके की रणनीति साफ दिख रही है। पहले आरजेडी और तेजस्वी यादव को निशाने पर लिया, अब उनकी स्टीयरिंग एनडीए के दिग्गज नेताओं की ओर मुड़ चुकी है। जेडीयू के ग्रामीण कार्य मंत्री और नीतीश कुमार के करीबी अशोक चौधरी, भाजपा के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, पूर्व अध्यक्ष संजय जायसवाल और मंत्री मंगल पांडेय पीके के टारगेट पर हैं।

पीके का यह अंदाज काफी हद तक 'केजरीवाल मॉडल' से मेल रखा रहा है। नेताओं पर सबूतों के साथ भ्रष्टाचार के आरोप लगाना और खुद को ईमानदार बताना। इसकारण जेडीयू और भाजपा दोनों बैकफुट पर दिखाई दे रही हैं और पार्टी के भीतर से ही सवाल उठने लगे हैं।

पीके के एकशन मोड से सबसे बड़ा झटका जेडीयू को लगा है। पीके ने आरोप लगाया कि चौधरी और उनके परिवार ने दो साल में 200 करोड़ की जमीन खरीदी। इस पर चौधरी ने मानहानि का नोटिस भेजा, लेकिन पीके और आक्रामक हो गए। नतीजतन, नीतीश कुमार ने भी अपने करीबी मंत्री से दूरी बना ली है।

वहीं भाजपा की मुश्किलें कम नहीं हैं। उपमुख्यमंत्री चौधरी पर हत्या, नाम बदलने और सातवीं फेल होने तक के आरोप लगे हैं। जायसवाल पर मेडिकल कॉलेज पर कब्जे का आरोप है, जबकि स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय पर कोविड काल में भ्रष्टाचार और करोड़ों की संपत्ति खरीदने का आरोप लगाया गया। पीके ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल को भी तेल चोरी में लिप्त बताया। इन आरोपों से भाजपा की ÷ईमानदार राजनीति÷ की छवि पर सवाल उठ खड़े हुए हैं।

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि जिस तरह 90 के दशक में लालू प्रसाद यादव चारा घोटाले में घिरे और नीतीश कुमार को उभरने का मौका मिला, ठीक उसी तरह पीके अब मौजूदा सियासी समीकरणों को बदलने का प्रयास कर रहे हैं। फिलहाल इतना तय है कि बिहार के चुनावी माहौल के केंद्र में पीके आ चुके हैं और उनकी रणनीति ने जेडीयू और भाजपा दोनों के लिए सिरदर्द बढ़ा दिया है।

gargacharya times_public vani.qxd 02-10-2025 23:36 Page 2

राष्ट्र साधना के 100 वर्ष

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

जिस तरह विशाल नदियों के किनारे मानव सभ्यताएं पनपती हैं, उसी तरह संघ के किनारे भी सैकड़ों जीवन पुष्पित-पल्लवित हुए हैं। जैसे एक नदी जिन रास्तों से बहती हैं, उन क्षेत्रों को अपने जल से समृद्ध करती हैं, वैसे ही संघ ने इस देश के हर क्षेत्र, समाज के हर आयाम को स्पर्श किया है। जिस तरह एक नदी कई धाराओं में खुद को प्रकट करती है, संघ की यात्रा भी ऐसी ही है। संघ के अलग-अलग संगठन भी जीवन के हर पक्ष से जुड़कर राष्ट्र की सेवा करते हैं।

100 वर्ष पूर्व विजयदशमी के महापर्व पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना हुई थी। ये हजारों वर्षों से चली आ रही उस परंपरा का पुनर्स्थापन था,जिसमें राष्ट्र चेतना समय-समय पर उस युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए,नए-नए अवतारों में प्रकट होती है। इस युग में संघ उसी अनादि राष्ट्र चेतना का पुण्य अवतार है। ये हमारी पीढ़ी के स्वयंसेवकों का सौभाग्य है कि हमें संघ के शताब्दी वर्ष जैसा महान अवसर देखने मिल रहा है। मैं इस अवसर पर राष्ट्रसेवा के संकल्प को समर्पित कोटि-कोटि स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं देता हूं। मैं संघ के संस्थापक, हम सभी के आदर्श...परम पूज्य डॉक्टर हेडगेवार जी के चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। संघ की 100 वर्षों की इस गौरवमयी यात्रा की स्मृति में भारत सरकार ने विशेष डाक टिकट और स्मृति सिक्के भी जारी किए हैं।

जिस तरह विशाल नदियों के किनारे मानव सभ्यताएं पनपती हैं, उसी तरह संघ के किनारे भी सैकड़ों जीवन पुष्पित-पल्लवित हुए हैं। जैसे एक नदी जिन रास्तों से बहती हैं, उन क्षेत्रों को अपने जल से समृद्ध करती हैं, वैसे ही संघ ने इस देश के हर क्षेत्र, समाज के हर आयाम को स्पर्श किया है। जिस तरह एक नदी कई धाराओं में खुद को प्रकट करती है, संघ की यात्रा भी ऐसी ही है। संघ के अलग-अलग संगठन भी जीवन के हर पक्ष से जुड़कर राष्ट्र की सेवा करते हैं। शिक्षा, कृषि, समाज कल्याण, आदिवासी कल्याण,महिला सशक्तिकरण, समाज जीवन के ऐसे कई क्षेत्रों में संघ निरंतर कार्य करता रहा है। विविध क्षेत्र में काम करने वाले हर संगठन का उद्देश्य एक ही है, भाव एक ही है....राष्ट्र प्रथम

अपने गठन के बाद से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राष्ट्र निर्माण का विराट उद्देश्य लेकर चला। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए संघ ने व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण रास्ता चुना और इस चलने के लिए जो कार्यपद्धति चुनी वो थी नित्य-नियमित चलने वाली शाखाएं। संघ शाखा का मैदान, एक ऐसी प्रेरणा भूमि है, जहां से स्वयंसेवक की अहम् से वयं की यात्रा शुरू होती है। संघ की शाखाएंङ्गव्यक्ति निर्माण की यज्ञवेदी हैं।

राष्ट्र निर्माण का महान उद्देश्य, व्यक्ति निर्माण का स्पष्ट पथ और शाखा जैसी सरल, जीवंत कार्यपद्धति यही संघ की सौ वर्षों की यात्रा का आधार बने। इन्हीं स्तंभों पर खड़े होकर संघ ने लाखों स्वयंसेवकों को गढ़ा, जो विभिन्न क्षेत्रों में देश को आगे बढ़ा रहे हैं।

संघ जब से अस्तित्व में आयाङ्गसंघ के लिए देश की प्राथमिकता ही उसकी अपनी प्राथमिकता रही। आजादी की लड़ाई के समय परम पूज्य डॉक्टर हेडगेवार जी समेत अनेक कार्यकताओं ने स्वतंत्रता आंदोलन में हिस्सा लिया, डॉक्टर साहब कई बार जेल तक गए। आजादी की लड़ाई में कितने ही स्वतन्त्रता सेनानियों को संघ संरक्षण देता रहाङ्गउनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करता रहा। आजादी के बाद भी संघ निरंतर राष्ट्र साधना में लगा रहा। इस यात्रा में संघ के खिलाफ साजिशें भी हुईं, संघ को कुचलने का प्रयास भी हुआ। ऋषितुल्य परम पूज्य गुरु जी को झूठे केस में फंसाया गया। लेकिन संघ के स्वयंसेवकों ने कभी कटुता को स्थान नहीं दिया। क्योंकि वो जानते है, हम समाज से अलग नहीं हैं, समाज हमसे ही तो बना है। समाज के साथ एकात्मता और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति आस्था ने संघ के स्वयंसेवकों को हर संकट में स्थित प्रज्ञ रखा हैङ्गसमाज के प्रति संवेदनशील बनाए रखा है।

प्रारंभ से संघङ्ग राष्ट्रभक्ति और सेवा का पर्याय रहा है। जब विभाजन की पीड़ा ने लाखों परिवारों को बेघर कर दिया, तब स्वयंसेवकों ने शरणार्थियों की सेवा की। हर आपदा में संघ के स्वयंसेवक अपने सीमित संसाधनों के साथ सबसे आगे खड़े रहते रहे। यह केवल राहत नहीं थी, यह राष्ट्र की आत्मा को संबल देने का कार्य था। खुद कष्ट उठाकर दूसरों के दुख हरना...ये हर स्वयंसेवक की पहचान है। आज भी प्राकृतिक आपदा में हर जगह स्वयंसेवक सबसे पहले पहुंचने वालों में से एक रहते हैं।

अपनी 100 वर्षों की इस यात्रा में, संघ ने समाज के अलग-अलग वर्गों में आत्मबोध जगायाङ्गस्वाभिमान जगाया। संघ देश के उन क्षेत्रों में भी कार्य करता रहा है..जो दुर्गम हैंङ्गजहाँ पहुँचना सबसे कठिन है। संघ...दशकों से आदिवासी परंपराओं, आदिवासी रीति-रिवाज, आदिवासी मूल्यों को सहेजने-संवारने में अपना सहयोग देता रहा है...अपना कर्तव्य निभा रहा है। आज सेवा भारती...विद्या भारती, एकल विद्यालय...वनवासी कल्याण आश्रम...आदिवासी समाज के सशक्तिकरण का स्तंभ बनकर उभरे हैं।

समाज में सदियों से घर कर चुकी जो बीमारियाँ हैं, जो ऊंच-नीच की भावना है, जो कुप्रथाएं हैं, ये हिन्दू समाज की बहुत बड़ी चुनौती रही हैं। ये एक ऐसी गंभीर चिंता है, जिस पर संघ लगातार काम करता रहा है। डॉक्टर साहब से लेकर आज तक, संघ की हर महान विभूति ने, हर सर-संघचालक ने भेदभाव और छुआछूत के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। परम पूज्य गुरु जी ने निरंतर ह्लन हिन्दू पतितो भवेत्ह्ल की भावना को आगे बढ़ाया। पूज्य बाला साहब देवरस जी कहते थे- छुआछूत अगर पाप नहीं, तो दुनिया में कोई पाप नहीं! सरसंघचालक रहते हुए पूज्य रज्जू भैया जी और पूज्य सुदर्शन जी ने भी इसी भावना को आगे बढ़ाया। वर्तमान सरसंघचालक आदरणीय मोहन भागवत जी ने भी समरसता के लिए समाज के सामने एक कुआं, एक मंदिर और एक श्मशान का स्पष्ट लक्ष्य रखा है।

जब 100 साल पहले संघ अस्तित्व में आया था तो उस समय की आवश्यकताएं, उस समय के संघर्ष कुछ और थे। लेकिन आज 100 वर्षों बाद जब भारत विकसित होने की तरफ बढ़ रहा है तब आज के समय की चुनौतियां अलग हैं, संघर्ष अलग हैं। दूसरे देशों पर आर्थिक निर्भरता, हमारी एकता को तोड़ने की साजिशें, डेमोग्राफी में बदलाव के षड़यंत्र, हमारी सरकार इन चुनौतियों से तेजी से निपट रही है। मुझे ये खुशी है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी इन चुनौतियों से निपटने के लिए ठोस रोडमैप भी बनाया है।

संघ के पंच परिवर्तन, स्व बोध, सामाजिक समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, नागरिक शिष्टाचार और पर्यावरण ये संकल्प हर स्वयंसेवक के लिए देश के समक्ष उपस्थित चुनौतियों को परास्त करने की बहुत बड़ी प्रेरणा हैं।

स्व बोध की भावना का उद्देश्य गुलामी की मानसिकता से मुक्त होकर अपनी विरासत पर गर्व और स्वदेशी के मूल संकल्प को आगे बढ़ाना है। सामाजिक समरसता के जरिए वंचित को वरीयता देकर सामाजिक न्याय की स्थापना का प्रण है। आज हमारी सामाजिक समरसता को घुसपैठियों के कारण डेमोग्राफी में आ रहे बदलाव से भी बड़ी चुनौती मिल रही है। देश ने भी इससे निपटने के लिए डेमोग्राफी मिशन की घोषणा की है। हमें कुटुम्ब प्रबोधन यानी परिवार संस्कृति और मूल्यों को भी मजबूत बनाना है। नागरिक शिष्टाचार के जरिए नागरिक कर्तव्य का बोध हर देशवासी में भरना है। इन सबके साथ अपने पर्यावरण की रक्षा करते हुये आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करना है।

अपने इन संकल्पों को लेकर संघ अब अगली शताब्दी की यात्रा शुरू कर रहा है। 2047 के विकसित भारत में संघ का हर योगदान, देश की ऊर्जा बढ़ाएगा, देश को प्रेरित करेगा। पुनः प्रत्येक स्वयंसेवक को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। *(आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने पर राष्ट्र साधना के 100 वर्ष शीर्षक से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिखित आलेख)*

संपादकीय

मौत या हत्या

तमिलनाडु. के करूर जिले में एक रैली में भगदड़. मचने से 40 लोगों की मौत हो गई और अनेक घायल हो गए। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई गई है। मरने वालों में 10 बच्चे और 16 महिलाएं शामिल हैं। टीवीके के नेता और अभिनेता विजय ने शनिवार को तमिलनाडु के करूर जिले में रैली की थी। विजय ने भगदड़. में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और सोशल मीड़िया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा की कि हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को 20-20 लाख रुपये का मुआवजा देंगे। घायलों को भी 2 लाख देने का ऐलान किया। हादसा उस समय हुआ जब हजारों समर्थक विजय के संबोधन को सुनने के लिए इकट्ठा थे। कार्यक्रम स्थल पर भीड़. बढ़ती चली गई। इसी पुलिस ने एकाएक लाठीचार्ज कर दिया जिससे भगदड़. मच गई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने घटना को 'गंभीर और चिंताजनक' बताया। करूर नगर पुलिस ने टीवीके के नेताओं के समेत कई लोगों के खिलाफ बीएनएस की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज किया है। भगदड़. के कारणों को लेकर लोगों के अपने-अपने दावे हैं, और स्पष्ट नहीं है कि क्या गड़ब़ड़. हुई; क्या आयोजन स्थल का चयन गलत होने से यह सब हुआ या फिर भीड़. के बेकाबू हो जाने से। कुछ लोगों का दावा है कि सभा स्थल पर भीड़. ने अवरोधक के लिए लगाए गए टिन शेड़ को गिरा दिया और कई लोग पास की फूस की छतों पर चढ. गए जो उनका भार सहन नहीं कर सकीं और गिर गइृ। इस बीच स्थिति को काबू में लाने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया जिससे भीड़. में फंसे बच्चों समेत अन्य लोग समझ नहीं पाए कि हो क्या रहा है। बेशक, यह घटना राजनीतिक आयोजनों में सुरक्षा में चूक की कमी को उजागर करती है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिएएसओपी बनाई जानी चाहिए ताकि रैलियों में किसी तरह की भगदड़. न होने पाए। लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कि देश में पिछले कुछ समय में हुई ऐसी भगदड़ों के बाद भी सबक क्यों नहीं लिया गया? राजनीतिक आयोजनों ही नहीं, बल्कि धार्मिक स्थलों और खेल के मैदानों में भी दर्शकों की भीड़. बेतहाशा बढ़ने पर इस प्रकार के हादसे की आशंका बराबर बनी रहती है। जरूरी है कि भीड़. के कारगर प्रबंधन के लिहाज से भी बंदोबस्ती में ध्यान रखा जाए। एसओपी तैयार किया जाना तो बेहद जरूरी है।

चिंतन-मनन

उत्सव है बुद्धत्व

बुद्धत्व मौलिक रूप से प्रांति है, विद्रोह है, बगावत है। काशी के पंडितों की सभा प्रमाणपत्र थोड़े ही देगी बुद्ध को! बुद्धपुरुष तुम्हें पोप की पदवियों पर नहीं मिलेंगे और न शंकराचायरें की पदवियों पर मिलेंगे। क्योंकि ये तो परंपराएं हैं। और परंपरा में जो आदमी सफल होता है, वह मुर्दा हो तो ही सफल हो पाता है। परंपरा के द्वारा पद पाना सिर्फ मुर्दों के भाग्य में हैं, जीवंत लोगों के नहीं। यह सौभाग्य है जीवितों का और मुर्दों का दुर्भाग्य! इसलिए तुम कैसे पहचानोगे? और पूरी पहचान का तुम विचार ही मत करना। क्योंकि तुम पूरा पहचानोगे तो तुम बुद्ध हो जाओगे और तुम बुद्ध होते तो पहचानने की जरूरत न थी। तुम नहीं हो, इसीलिए तो पहचानने चले हो। इसलिए पूरे-पूरे का खयाल मत करना। छोटा सा टुकड़ा चांदनी का तैर आए तुम्हारे पास, तो बहुत धन्यभाग! अहोभाग! तुम उतने ही पर भरोसा करना। उस चांदनी के टुकड़े को पकड़ कर अगर बढ़ते रहे, चलते रहे, तो किसी दिन पूरे चांद के भी मालिक हो जाओगे। किसी दिन पूरा आकाश भी तुम्हारा हो जाएगा। तुम्हारा है; लेकिन अभी तुम्हें पहुंचना नहीं आया, चलना नहीं आया। अभी तुम घुटने के बल चलते हुए छोटे बच्चे की भांति हो। अभी तुम्हें चलने का अभ्यास करना है। तो संत उदास नहीं होंगे। बुद्धपुरुष उदास नहीं होंगे। जिनको तुम देखते हो मंदिरों-मस्जिदों में बैठे गुरु-गंभीर लोग, लंबे चेहरों वाले लोग, बुद्धपुरुष वैसे नहीं होंगे। बुद्धपुरुष तो उत्सव है। बुद्धपुरुष तो ऐसा है जिसमें अस्तित्व के कमल खिल गए। बुद्धपुरुष गंभीर नहीं। बुद्धपुरुष के पास तो मृदुहास मिलेगा। हल्की-हल्की हंसी। एक मुस्कुराहट। एक स्मित। एक उत्सव। एक आनंदभाव। तो तुम्हारी आंसुओं से भरी आंखों और कारागृह में दबे चित्त के पास अगर तुम्हें कभी कोई एक स्मित, एक हास, एक उत्सव की झलक भी आ जाए, तो छोड़ा मत उन चरणों को। उन्हीं के सहारे तुम परममुक्ति और स्वातंत्र्य के आकाश तक पहुंच जाओगे। अब तक तो तुम्हारी पहचान पतझड़ से थी। तुम्हारा जीवन राग आंसुओं और रुदन से भरा था। तुमने जीवन का कोई और अहोभाव का क्षण जाना नहीं था। नरक ही नरक जाना था। जिस क्षण किसी व्यक्ति के पास तुम्हें लगे- हवा का झोंका आया- स्वच्छ, ताजा, मलयाचल से चलकर, पहाड़ों से उतर कर तुम्हारी घाटियों में, तुम्हारे अंधेरे में- हवा का ऐसा झोंका जिसके पास अनुभव में हो जाए, समझना बुद्धत्व करीब है। कुछ घटा है।

दशहरा: विविधताओं में एकता का सांस्कृतिक उत्सव

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष आश्विन शुक्ल दशमी को 'विजयादशमी' पर्व के रूप में मनाया जाता है, जिसे दशहरा भी कहा जाता है। इस वर्ष उदया तिथि के अनुसार दशहरा 2 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। समस्त भारत में दशहरा भगवान श्रीराम द्वारा लंकापति रावण के वध के रूप में अर्थात बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में तथा आदि शक्ति दुर्गा द्वारा महाबलशाली राक्षसों महिषासुर व चण्ड-मुण्ड का वध किए जाने के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने रावण पर विजय पाने के लिए इसी दिन प्रस्थान किया था। इतिहास में कई ऐसे उदाहरण हैं, जिनसे पता चलता है कि हिन्दू राजा अक्सर इसी दिन विजय के लिए प्रस्थान किया करते थे। इसी कारण इस पर्व को विजय के लिए प्रस्थान का दिन भी कहा जाता है और इसे क्षत्रियों का त्यौहार भी माना गया है। इस दिन अपराजिता देवी की पूजा भी होती है। मान्यता है कि सर्वप्रथम श्रीराम ने समुद्र तट पर शारदीय नवरात्रि पूजा का प्रारंभ किया था और तत्पश्चात दसवें दिन लंका विजय के लिए प्रस्थान करते हुए विजय प्राप्त की थी। तभी से दशहरे को असत्य पर सत्य तथा अधर्म पर धर्म की जीत के पर्व के रूप में मनाया जा रहा है।

दो शब्दों दश तथा हरा से मिलकर बना है दशहरा। दश का अर्थ है दस तथा हरा का अर्थ है ले जाना। इस प्रकार दशहरे का मूल अर्थ है दस अवगुणों या बुराईयों को ले जाना यानी इस अवसर पर अपने भीतर के दस अवगुणों को खत्म करने का संकल्प लेना। दरअसल हर इंसान के भीतर रावण रूपी अनेक बुराईयां मौजूद होती हैं और सभी पर एक बार में विजय पाना संभव भी नहीं है, इसलिए दशहरे पर ऐसी ही कुछ बुराईयों का नाश करने का संकल्प लेकर इस पर्व की सार्थकता सुनिश्चित की जा सकती है। दशहरे को रावण पर राम की विजय अर्थात आसुरी शक्तियों पर सात्विक शक्तियों की विजय तथा अन्याय पर न्याय की, बुराई पर अच्छाई की, असत्य पर सत्य की, दानवता पर मानवता की, अधर्म पर धर्म की, पाप पर पुण्य की और घृणा पर प्रेम की जीत के रूप में मनाया जाता है। दशहरे का धार्मिक के साथ सांस्कृतिक महत्व भी कम नहीं है। यह पर्व देश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय एकता का पर्व है। सही अर्थों में यह पर्व अपने भीतर छिपे दुगुर्णों रूपी रावण को मारकर तमाम अवगुणों पर विजय प्राप्त करने का शुभकाल है।

दशहरे के उत्सव का संबंध नवरात्रों से जोड़कर देखा जाता रहा है। शक्ति की उपायना का यह पर्व सनातन काल से ही शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक नौ तिथि, नौ नक्षत्र और नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ मनाया जाता है। माना जाता है कि नवरात्रों में देवी की शक्ति से दसों दिशाएं प्रभावित होती हैं और देवी दुर्गा की कृपा से ही दसों दिशाओं पर विजय प्राप्त होती है, इसलिए भी नवरात्रों के बाद आने वाली दशमी को ह्यविजयादशमीह्ल कहा जाता है। नवरात्रों के नौ दिनों में हम देवी के नौ रूपों की पूजा करते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हमें यह भी समझना चाहिए कि हमारे समाज में सभी नारियां दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी, पार्वती या काली का ही रूप हैं, इसलिए इन पर्वों की सार्थकता सही मायनों में तभी सिद्ध हो सकती है, जब हम अपने समाज में देवी स्वरूपा नारी को उचित मान-सम्मान दें, उसे गर्भ में ही मौत की नींद सुलाने से बचाएं, शिक्षित करके उन्हें उनका हक दिलाएं, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाएं और सम्मानित जीवन जीने का अधिकार प्रदान करें। शारदीय नवरात्रों का अहम अंग बनकर प्रतिवर्ष दुर्गोत्सव को पूर्णता प्रदान करता बुराई पर अच्छाई तथा असत्य पर सत्य की जीत को परिभाषित करता यह पावन पर्व हमें मानवीय मूल्यों के संरक्षण में सर्वत्र विजयी होने का संदेश देता है। मान्यता है कि आदि शक्ति दुर्गा ने दशहरे के ही दिन महाबलशाली असुर सम्राट महिषासुर का वध किया था। जब महिषासुर के अत्याचारों से भूलोक और देवलोक त्राहि-त्राहि कर उठे थे, तब आदि शक्ति मां दुर्गा ने 9 दिनों तक महिषासुर के साथ बहुत भयंकर युद्ध किया था और दसवें दिन उसका वध करते हुए उस पर विजय हासिल की थी। इन्हीं 9 दिनों को दुर्गा पूजा (नवरात्र) के रूप में एवं शक्ति संचय के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है और महिषासुर पर आदि शक्ति मां दुर्गा की विजय वाले दसवें दिन को विजयादशमी के रूप में मनाया जाता है। श्राद्धों के समाप्ति वाले दिन मिट्टी के किसी बर्तन में मिट्टी में जौ बोए जाने की परम्परा बहुत से क्षेत्रों में देखने को मिलती है। दशहरे के दिन तक जौ उगकर काफी बड़े हो जाते हैं, जिन्हें ह्यज्वारेह्ल कहा जाता है। मिट्टी के जिस बर्तन में जौ बोए जाते हैं, उसे स्त्री के गर्भ का प्रतीक माना गया है और ज्वारों को उसकी संतान। दशहरे के दिन लड़कियां अपने भाईयों की पगड़ी अथवा सिर पर ज्वारे रखती हैं और भाई उन्हें कोई उपहार देते हैं। सही मायनों में इस पर्व की सार्थकता तभी सुनिश्चित हो सकती है, जब हम इस अवसर पर आत्मचिंतन करते हुए अपने भीतर की बुराईयों रूपी रावण पर ध्यान केन्द्रित करते हुए उनका विनाश करने का प्रयास करें।

गांधी और गांधी विचार को कुचलने की कुचेष्टाएं कब तक?

ललित गर्ग

लंदन के प्रसिद्ध टैविस्टॉक स्क्वायर में महात्मा गांधी की 57 साल पुरानी कांस्य की प्रतिमा पर हुआ हमला केवल एक मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने की घटना भर नहीं है, बल्कि यह गांधी के अस्तित्व, उनके विचार और भारत की आत्मा पर आघात है। गांधी प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करते हुए काले रंग से लिखा है, 'गांधी- मोदी, हिंदुस्तानी टेररिस्ट...।' वहां एक तिरंगे का भी अपमान किया गया है और उसपर भी 'टेररिस्ट' लिखा हुआ है। जिस समय यह हमला हुआ, वह भी बेहद प्रतीकात्मक है, अंतरराष्ट्रीय गांधी जयंती यानी अहिंसा दिवस से महज तीन दिन पहले। यह समय का ऐसा चयन है जो यह दशार्ता है कि अहिंसा के विचार और गांधी के व्यक्तित्व को मिटाने की एक सुनियोजित विकृत मानसिकता एवं साजिश है। गांधी की प्रतिमा महज धातु का ढांचा नहीं, बल्कि उन मूल्यों का जीवंत प्रतीक है जिन्होंने न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया को नई दृष्टि दी, नई दिशा दी एवं शांतिपूर्ण अहिंसक जीवनशैली दी है। इस पर आघात करना इस बात का प्रमाण है कि हिंसा की प्रवृत्तियां, आतंक की मानसिकता एवं नफरत-द्वेष की विध्वंक शक्तियां अब भी गांधी के विचारों से डरती हैं और उसे क्षत-विक्षत एवं ध्वस्त करने के षडयंत्र रचती रहती है, पर महात्मा गांधी भारत के अकेले ऐसे महापुरुष हैं जिन्हें कोई गोली या गाली नहीं मार सकती। गांधी की राजनीति व धर्म का आधार सत्ता नहीं, सेवा था, वसुधैव कुटुम्बकम् था। जनता को भयमुक्त व वास्तविक आजादी दिलाना उनका लक्ष्य था। वे सम्पूर्ण मानवता की अमर धरोहर हैं। उन्होंने दुनिया को अहिंसा का सूत्र देकर शांतिपूर्ण विश्व-संरचना की। दलितों के उद्धार और उनकी प्रतिष्ठा के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन लगा दिया था। उनके जीवन की विशेषता कथनी और करनी में अंतर नहीं होना था।

महात्मा गांधी की प्रतिमा पर अज्ञात लोगों ने जो हमला किया और आपत्तिजनक नारे लिखे। भारतीय उच्चायोग ने इसे अहिंसा की विरासत पर हमला बताया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस जांच में जुटी है। ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने घटना को दुखद बताते हुए कहा कि गांधी की शिक्षाएं हमें सदा एकजुट करती रहेंगी। गांधी के व्यक्तित्व एवं विचारों को आहत करने की यह घटना केवल ब्रिटेन के अस्तित्व एवं अस्मिता तक सीमित नहीं रहती, बल्कि भारत की गरिमा और उसकी सांस्कृतिक उपस्थिति को भी चुनौती देती है। जब किसी राष्ट्र के सार्वभौमिक प्रतीक पर हमला होता है, तो वह उस राष्ट्र के स्वाभिमान और उसके विचारों पर हमला माना जाता है। गांधी केवल भारत के नायक नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के नैतिक मार्गदर्शक हैं। उनका स्मारक क्षतिग्रस्त करना मानवता की उस चेतना को धूमिल करने का प्रयास है जो संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और शांति पर आधारित है। ऐसे समय में जब दुनिया युद्ध, आतंक और कट्टरता से त्रस्त है, गांधी का विचार और भी प्रासंगिक हो जाता है। ऐसे विचार को कुचलने की चेष्टा न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चुनौती है। समीक्षात्मक दृष्टि से देखा जाए तो यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर क्यों अहिंसा जैसे सार्वभौमिक मूल्य आज के दौर में असहनीय प्रतीत होते हैं? क्यों कुछ समूह इतिहास को मिटाने और संवाद की जगह हिंसा को स्थापित करने पर आमादा हैं? यह केवल अतीत की स्मृति पर हमला नहीं है, बल्कि भविष्य की दिशा पर भी सवाल खड़ा करता है। मूर्तियां टूटीं तो उन्हें ठीक किया जा सकता है, लेकिन यदि विचारों को खंडित करने का यह सिलसिला जारी रहा तो यह मानवता की आत्मा के लिए घातक सिद्ध होगा।

समय-समय पर शरारती एवं असामाजिक तत्व देश एवं दुनिया में भारत की महान् विभूतियों- गांधी-मोदी के दर्शन व उनकी कार्य-पद्धतियों पर कीचड़ उछालते रहे हैं और उन्हें गालियां देकर गौरवान्वित होते रहे हैं। ताजा गांधी प्रतिमा को तोड़ने की घटना किसी साधारण शरारत या स्थानीय असंतोष का परिणाम नहीं है, बल्कि यह उस गहरी हिंसक, आतंकी और विकृत मानसिकता का प्रतीक है, जो दुनिया में अहिंसा की आवाज को दबाना चाहती है। यह घटना केवल एक प्रतिमा को खंडित करने की नहीं, बल्कि महात्मा गांधी के विचारों पर आहत करने की साजिश है। गांधी महज एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक दर्शन हैं। उनके सत्य और अहिंसा के सिद्धांत विश्व राजनीति, समाज और मानवता के लिए अब भी सबसे बड़ी प्रेरणा बने हुए हैं। इसीलिए हिंसक मानसिकताएं बार-बार इन मूल्यों को मूक बनाने या कुचलने का प्रयास करती हैं। गांधी प्रतिमा पर हमला वस्तुतः उसी मानसिकता की पुनरावृत्ति है, जिसने उनकी हत्या की थी। आज यह मानसिकता कभी धार्मिक उग्रवाद, कभी नस्लीय भेदभाव, कभी आतंकवाद और कभी आर्थिक साम्राज्यवाद का रूप धारण करके सामने आती है। यह घटना भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए गंभीर चेतावनी है कि यदि अहिंसा और सहअस्तित्व की आवाज को चुप करा दिया गया, तो मानव सभ्यता हिंसा, आतंक और विनाश के अंधकार में जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते वर्षों में जिस तरह शांति, वैश्विक सहयोग और अहिंसक संवाद की परंपरा को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित करने का प्रयास किया है, वह गांधी दर्शन की ही आधुनिक अभिव्यक्ति है। अंतरराष्ट्रीय संघर्षों, जलवायु संकटों, आतंकवादी क्रुरताओं और युद्ध की विभीषिकाओं से जूझती दुनिया में भारत की यह भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे में गांधी प्रतिमा पर हमला, दरअसल इस शांति अभियान को ठेस पहुँचाने का संगठित प्रयास है। यह केवल भारत को नहीं, बल्कि उन सभी देशों और समुदायों को चुनौती है, जो अहिंसा को सभ्यता का मूल मंत्र मानते हैं। आज यह जरूरी है कि हम इस हिंसक और आतंकवादी मानसिकता को करारा जवाब दें। यह जवाब केवल प्रतिवाद या आक्रोश से नहीं, बल्कि गांधी के विचारों को और अधिक दृढ़ता से जीकर और फैलाकर देना होगा। जब-जब गांधी प्रतिमा पर चोट की गई है, तब-तब गांधी और बड़े होकर खड़े हुए हैं। कभी-कभी प्रशंसा नहीं ऐसी गालियां गांधी को ज्यादा पूजनीय बनाती रही हैं। जिस प्रकार गांधी ने कहा था-'आप मुझे मार सकते हैं, मेरे शरीर को नष्ट कर सकते हैं, पर मेरे विचारों को समाप्त नहीं कर सकते'-यह सत्य आज भी उतना ही प्रासंगिक है। दरअसल, अहिंसा को कुचलने की हर कोशिश अहिंसा को और अधिक शक्तिशाली बना देती है। यह हमला गांधी की अमरता का प्रमाण है। हमें इस अवसर को केवल निंदा तक सीमित न रखकर, गांधी के सत्य, प्रेम और सहिष्णुता के संदेश को और व्यापक स्तर पर प्रसारित करना चाहिए। तभी आतंकवादी मानसिकता को वास्तविक और स्थायी जवाब मिलेगा।

गांधी को कितने सालों से कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है। जीते जी और मरने के बाद गांधी ने कम गालियां नहीं खाईं। गोडसे ने गोली से उनके शरीर को मारा पर आज तो उनके विचारों को बार-बार मारा जा रहा है। महात्मा के शिष्यों ने, बापू के बेटों ने, संत के अनुयायियों ने और गांधी की पार्टी वालों ने उनको बार-बार बेचा है, उनसे कमाया है, उनके नाम से वोट मांगे हैं, सत्ता प्राप्त की है, सुबह-शाम धोखा दिया है और उनकी चादर से अपने दाग छिपाये हैं। लेकिन बहुत हो गया, अब यह आवश्यक है कि इस घटना का विरोध केवल भावनात्मक या औपचारिक स्तर पर न होकर ठोस, नैतिक और प्रभावी स्वरूप में हो। आज गांधी को खोजने की जरूरत मूर्तियों में नहीं, बल्कि अपने जीवन और आचरण में है। यही इस घटना से निकला सबसे बड़ा संदेश है कि अहिंसा की रक्षा केवल स्मारकों से नहीं बल्कि व्यवहार से होगी। गांधी की प्रतिमा का क्षरण क्षणिक है, किंतु उनके विचारों की हत्या यदि हम होने देंगे तो यह सम्पूर्ण मानवता की हार होगी।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक:- डॉ विवेक गर्गाचार्य ने वत्स ओप्सेट, मुद्दा हाउस सी-ब्लाक बारात घर के सामने चौड़ा रघुनाथपुर सेक्टर 22, 009 शांति अपार्टमेंट्स, डैंपियर नगर मथुरा 281001 से प्रकाशित
ऑफिस:- 009 शान्ति अपार्टमेंट्स डैंपियर नगर मथुरा, संपादक:- डॉ विवेक गर्गाचार्य फोन:- 0565- 356 9854, 9045782250, Email:- gargacharytimes@gmail.com

gargacharya times_public vani.qxd 02-10-2025 23:36 Page 3

जिला स्तरीय शांति समिति बैठक आयोजित

धौलपुर। आगामी करवा चौथ, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भाई दूज सहित अन्य त्योहारों एवं पर्वों को देखते हुए जिले में सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने हेतु जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक का आयोजन जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी की अध्यक्षता में किया गया। बैठक के दौरान जिला कलेक्टर ने कहा कि जिले में शांति, सौहार्द एवं सद्भाव बनाए रखना हम सभी का साझा दायित्व है। इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने कहा कि धार्मिक आयोजन के दौरान कोई भी व्यक्ति साम्प्रदायिक सदभावना को ठेस पहुंचाने का कार्य करता है तो उसकी जानकारी पुलिस तक पहुंचाए। कानून पर विश्वास करें। कोई भी व्यक्ति या संस्था इंटरनेट तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से किसी प्रकार का धार्मिक उन्माद, जातिगत द्वेष या दुष्प्रचार नहीं करें। बैठक के दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर हरिराम मीना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार, उपखंड अधिकारी धौलपुर कर्मवीर सिंह सहित शांति समिति के सदस्य मौजूद रहे।

हाइवे के दोनों ओर निर्मित नालों को खुलवाकर करें सफाई- जिला कलेक्टर

धौलपुर। जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी ने किया सफाई व्यवस्था का निरीक्षण, एनएचएआई अधिकारियों को दिए निर्देश जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी ने बुधवार को हाईवे पर जलभराव की समस्या का जायजा लेकर अधिकारियों को मौके पर बुला कर सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। दरअसल हाइवे के किनारे जलभराव से आमजन को काफी परेशानियां हो रही थी। इसी के अंतर्गत जिला कलेक्टर खुद मौके पर पहुंचे तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को साथ में लेकर मौका स्थिति देखकर तत्काल प्रभाव से सही करने के निर्देश दिए। मौका निरीक्षण के दौरान पाया गया कि पीएचईडी द्वारा पानी फिल्टर के दौरान बची हुई सिल्ट और पानी को नाले में छोड़ दिया जाता था। जो की धीरे-धीरे करके नाले में जमा हो गई और नाला पूरी तरह से चौक कर दिया जिस कारण बरसात का पानी सड़कों पर बहने लगा। उन्होंने निरीक्षण के एनएचएआई के अधिकारियों को उनके द्वारा हाईवे के दोनों निर्मित नालों को खुलवा कर उनकी सफाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान कार्यवाहक नगरपरिषद आयुक्त गुमान सिंह, सहित एनएचएआई के अधिकारी मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस पर प्रमुख चिकित्सा अधिकारी ने रामश्रय वार्ड में वृद्धों को फल किए वितरित

धौलपुर। अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस के अवसर पर धौलपुर के नवनियुक्त प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. वी.डी. व्यास ने जिला अस्पताल परिसर स्थित रामश्रय वार्ड का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने वृद्धजनों से आत्मीय संवाद किया। उनका हालचाल जाना और उन्हें फल वितरित कर शुभकामनाएं दीं। डॉ. व्यास ने वृद्धजनों को संबोधित करते हुए कहा कि वृद्धजन हमारे परिवार और समाज की जड़ों के समान हैं। जिस प्रकार वृक्ष अपनी शक्ति जड़ों से लेता है, उसी प्रकार नई पीढ़ी को भी अपने बड़ों के अनुभव और आशीर्वाद से जीवन की दिशा मिलती है। जिला चिकित्सालय धौलपुर में राज्य सरकार द्वारा रामाश्रय वार्ड चलाया जा रहा है जिसमें 20 बेड की क्षमता है तथा इस वार्ड में समस्त दवाइयां व चिकित्सा संबंध सभी जांच निशुल्क की जा रही है वही उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर चेतराम मीणा ने अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर मरीज को उनके अधिकारों का अधिकतम उपयोग करने तथा राजकीय चिकित्सालय में उपलब्ध सुविधाओं का अधिक से अधिक उपयोग करने की सलाह दी।

कार्तिक नियम सेवा महोत्सव का आज से हुआ शुभारंभ

वृंदावन । नगर के सप्त देवालयों में से प्रमुख ठाकुर राधा दामोदर के सेवायत आचार्य कृष्ण बलराम गोस्वामी महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी कार्तिक मास में ठाकुर राधा दामोदर मंदिर में कार्तिक नियम सेवा महोत्सव दर्शन का आयोजन किया जाएगा। मंदिर की मां गुसाई आचार्या तरूलता गोस्वामी के सानिध्य में कार्तिक मास नियम सेवा महोत्सव के अंतर्गत मंदिर परिसर में अनेकों धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। यह उत्सव पापाकुंश एकादशी से प्रारंभ होगा। जिसमें ठाकुर राधा दामोदर लाल अनेकों रूप धारण कर भक्तों को दर्शन देंगे। जिसमें ठाकुर राधा दामोदर लाल कभी मनिहारी वेश, नर्तकी वेश, मयूर वेश, श्यामा सखी, माखन चोरी, नाईन लीला और शरद रास महोत्सव का विशेष उत्सव मनाया जायेगा। वही कार्तिक नियम सेवा महोत्सव देवोत्थान एकादशी तक मनाया जाएगा। देवोत्थान एकादशी की संध्या कालीन बेला तुलसी शालिग्राम विवाह का आयोजन किया जाएगा।

विजय दशमी में क्षत्रिय संगठनों द्वारा किया गया शस्त्र पूजन का आयोजन

वृंदावन। वृन्दावन के परिक्रमा मार्ग स्थित बर्फ फैक्ट्री के सामने राधा कृष्ण धाम में मथुरा जिले के समस्त क्षत्रिय संगठनो के तत्वावधान में विजय दशमी के पर्व पर शस्त्र पूजन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें ब्राह्मणों ने मंत्रोच्चारण के साथ शस्त्रों की पूजा अर्चना कराई। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम ने लंकापति रावण से असत्य पर सत्य की विजय प्राप्त कर अपने शस्त्रों का पूजन किया था इसके साथ ही भगवान श्री राम ने अपनी व अपनी सेना की विजय का परचम फहराया था वही क्षत्रिय वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप ने भी हल्दी घाटी का युद्ध जीतने के बाद विजय पताका फहराने के साथ ही शस्त्रों का पूजन किया था। तभी से क्षत्रिय समाज प्रति वर्ष विजय दशमी पर शस्त्र पूजन की परंपरा निभाता चला आ रहा है। जिसमें वृन्दावन क्षत्रिय महासभा के संयोजक जितेंद्र सिंह राणा ने मथुरा जिले के सभी क्षत्रियों व क्षत्रिय संगठनो को एक साथ एक मंच पर शस्त्र पूजन के लिए आवाहन किया जिसमें जिले के अधिकतर क्षत्रिय समाज के लोगों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और इस कार्यक्रम की सराहना की वृंदावन क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष धर्मेंद्र पाल सिंह ने कहा कि शस्त्र आत्मरक्षा, अन्याय और शोषण के विरुद्ध जंग का प्रतीक है। शस्त्रों के भरोसे ही धर्म और देश की रक्षा की जा सकती है। विजय दशमी पर शस्त्र पूजन करना केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि यह हमारी सुरक्षा और शक्ति का प्रतीक है. यह पूजा हमें आत्मविश्वास, साहस, और दुश्मनों पर विजय प्राप्त करने की शक्ति प्रदान करती इस पूजा से परिवार व समाज की समृद्धि और सुरक्षा भी सुनिश्चित होती है. अतः दशहरे के दिन शस्त्र पूजन करना न केवल परंपरा है, बल्कि यह हमें बुराई पर अच्छाई की जीत की याद दिलाता है और जीवन में संघर्षों का सामना करने के लिए प्रेरित करता है इस अवसर पर हरिबल्लभ सिंह, धर्मेंद्र पाल सिंह, उदय सिंह, दिनेश सिंह,विजय पाल सिंह, वीरेंद्र सिसोदिया,कुँवर हरेन्द्र पाल सिंह प्रमोद सिसोदिया, लेखराज सिसोदिया, भाव सिंह, श्याम सिंह राधा रमण सिंह, नवीन सिंह के साथ-साथ काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे

एसडीएम को क्षेत्र में बिना एसएमएस के हार्वेस्टर कंबाइन मशीन चलती मिली,जलती हुई मिली पराली।

अमित अग्रवाल। बृहस्पतिवार को एसडीम छाता वैभव गुप्ता के द्वारा अकबरपुर चौमुंहा क्षेत्र में अचानक किए गए दौरे के दौरान बिना एसएमएस के कंबाइन मशीन चलती व खेतों में पराली जलती हुई मिली। इसके बाद लेखपाल को पराली जलाने पर कार्रवाई के निर्देश दिए,केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की शक्ति के बाद जुर्माना को भी बढ़ाया है ,उसके बाद भी किसान पराली जलाने से नहीं रुक रहे हैं। एसडीएम छाता वैभव गुप्ता ने बताया कि आज मेरे द्वारा चौमुंहा, अकबरपुर क्षेत्र का दौरा किया गया , चौमुंहा में बिना एसएमएस के धान के खेतों में हार्वेस्टर कंबाइन मशीन चलती हुई मिली, अकबरपुर में एक किसान के खेत में पराली जल रही थी,किसान द्वारा पराली जलाने पर जुर्माना भी वसूला जाएगा। इस दौरान टीम में केडी चौकी इंचार्ज रोहित उज्जवल पुलिस फोर्स भी साथ में रहा ।

बाइक सवार लुटेरों से मुठभेड़, एक बदमाश गोली लगने से घायल,

जिला संवाददाता सर्वेश कुमार गर्गाचार्य टाइम्स दैनिक समाचार पत्र बुलंदशहर जनपद बुलन्दशहर में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत देर रात थाना कोतवाली देहात पुलिस और मिशन शक्ति महिला पुलिस टीम की अडौली नहर के पास शातिर लुटेरों से मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया, जिसे गिरफ्तार कर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में कॉम्बिंग कर रही है। गिरफ्तार बदमाश की पहचान पकड़ा गया बदमाश शादाब पुत्र युसुफ निवासी मौहल्ला बजाबयान बरादरी थाना कोतवाली देहात के रूप में हुई है। उसके कब्जे से 315 बोर का तमंचा, कारतूस, टीवीएस रोनिन बाइक (क्क-13-ष्ठक्क-2739) और लूटे हुए 3 मोबाइल फोन बरामद किए गए।

`महात्मा गांधी जी की 156वीं और लाल बहादुर शास्त्री जी की 120वीं जयंती पूरे देश और जनपद में भी भव्यतम रूप से मनाया जा रहा है,

रिपोर्ट अरविन्द कुमार फिरोजाबाद जनपद फिरोजाबाद कलेक्ट्रेट प्रागण में महात्मा गाँधी जी की 156 वी जयंती और लालबहादुर शास्त्री की 120 वी जयंती पूरे देश मे भी गॉधी और शात्री विचारो को आधुनिक जीवनी पीढी से परिचय कराया गया . भारत के आमजन पर ही नहीं अपितु विश्व के मानस पटल पर भी इन महान व्यक्तितवों का गहरा प्रभाव रहा, जनपद में मुख्य कार्यक्रम जिलाधिकारी रमेश रंजन की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में आयोजित किया गया, इस अवसर पर बोलते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि महात्मा गांधी ने हमेशा जो भी कहा उसको आत्मसात किया, उन्होंने सभी वर्गों को एक मंच पर लाकर विदेशी सत्ता के विरुद्ध जो अलख जगाई, वह अपने आप में उस समय विशिष्ट था, क्योंकि वर्गीकृत समाज को एक मंच पर लाना गांधी जैसे महान व्यक्तित्व के द्वारा ही संभव था, स्वतंत्रता के दौरान उन्हें कहीं भी ऐसा लगा कि उनकी सोच और नैतिक मूल्यों से यह आंदोलन इतर जा रहा है, तो तुरंत उन्होंने अपने को इससे अलग कर लिया। गांधी जी ने लोगों की पीड़ा को आत्मसात किया, मूलभूत चीजों से अपने को जोड़ा, यही कारण है की बड़ी संख्या में लोग उनसे जुड़े गांधी ने अस्पृश्यता जैसे सामाजिक कोढ को समाप्त कर लोगों को मानवता का संदेश दिया और हर तबके को इस आंदोलन से संबंध कर दिया, जीवन में गांधी ने कभी भी अपनी नैतिकता और सिद्धांतों के साथ समझौता नहीं किया और अपने इस सूत्र वाक्य पर सदैव कायम रहे की जीत तभी सार्थक है, जब उसकी प्राप्ति नैतिकता के साथ की जाए, उन्होंने सदैव सत्य को अपने अनुसार परिभाषित न कर समाज और राष्ट्र के हितों के अनुसार परिभाषित किया, गांधी ने स्वदेशी के माध्यम से आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक स्वाभिमान का जो मंत्र दिया, आज भी उसकी प्रासंगिकता बनी हुई है, हमारे प्रधानमंत्री जी स्वदेशी के विचारों को हर भारतीय से आत्मसात करने की बात कर रहे हैं। जिलाधिकारी ने लाल बहादुर शास्त्री के विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता यह थी, उनकी सादगी और शालीनता, उन्होंने कहा कि इंसान का स्वाभाविक और शालीन रहना अत्यंत कठिन है, उन्होंने विषम परिस्थितियों से निकलकर हरित क्रांति का नारा दिया और इस बात को सिद्ध कर दिया कि जब अपनी सोच बड़ी हो तो उसका परिणाम भी बड़ा ही निकलता है, इस कार्यक्रम की शुरुआत जिलाधिकारी एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों के द्वारा इन दोनों महापुरुषों के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रारंभ हुआ, इस अवसर पर डीपीएस स्कूल के आये बच्चों ने राम धुन गाकर लोगों को मंत्र मुक्त कर दिया, इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी विशु राजा, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे मोहनलाल गुप्ता, अपर जिलाधिकारी न्यायिक संगीता गौतम ने भी गांधी जी के और शास्त्री जी के विचार पर प्रकाश डाला, जिलाधिकारी ने इस अवसर पर वाल्मीकि समाज एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को शॉल उड़ाकर सम्मानित किया, तथा डीपीएस स्कूल के बच्चों को भी पुरस्कृत किया।

मिशन शक्ति पुलिस टीम द्वारा ऑपरेशन मुस्कान के अंतर्गत आवेदिका की पुत्री को 24 घण्टे के अन्दर सकुशल बरामद कर परिजनों को सुपुर्द किया गया ।

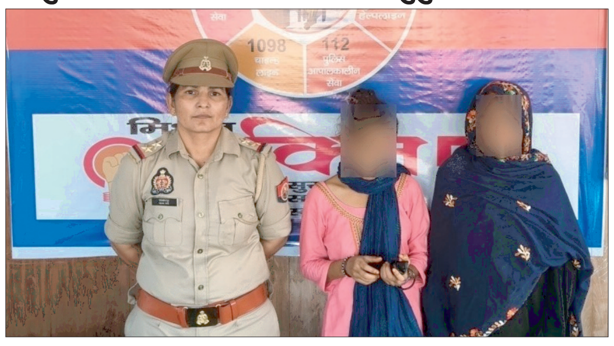

रिपोर्ट अरविन्द कुमार फिरोजाबाद। दिनाँक 01.10.2025 को आवेदिका द्वारा थाना रसूलपुर पर अपनी करीब 25 वर्षीय पुत्री घर से बिना बताए अचानक कहीं चले जाने के सम्बन्ध में सूचना दी गयी थी । आवेदिका की पुत्री की सकुशल बरामदगी हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी नगर के कुशल नेतृत्व में थाना रसूलपुर मिशन शक्ति टीम द्वारा सीसीटीवी कैमरों का निरीक्षण करते हुए प्रमुख स्थानों जैसे बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन पर व्यापक सर्च अभियान चलाया गया । दिनाँक 02.10.2025 को थाना रसूलपुर मिशन शक्ति टीम द्वारा 24 घण्टे के अन्दर आवेदिका की पुत्री को सकुशल बरामद किया गया है । पुत्री को सकुशल पाकर परिजनों द्वारा फिरोजाबाद पुलिस को धन्यवाद देते हुए आभार प्रकट किया ।

मिशन शक्ति फेज-05 "सशक्त नारी, समृद्ध प्रदेश" अभियान

रिपोर्ट अरविन्द कुमार फिरोजाबाद । उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रदेश में महिलाओं / बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु "मिशन शक्ति" अभियान फेज-05 के विशेष अभियान के तहत किया जा रहा है जागरुक । जनपद फिरोजाबाद के समस्त राजपत्रित अधिकारी एवं समस्त थाना प्रभारी व समस्त चौकी प्रभारियों द्वारा थाना क्षेत्रों में रैली / संगोष्ठी आदि के माध्यम से किया जा रहा है जागरुक । उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रदेश में महिलाओं / बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु "मिशन शक्ति" फेज-05 के विशेष अभियान क्रम में आज दिनांक 01-10-2025 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद श्री सौरभ दीक्षित के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर / ग्रामीण के नेतृत्व में जनपद के समस्त थाना प्रभारी व चौकी प्रभारियों द्वारा थाना क्षेत्रों के अंतर्गत स्कूलों, कॉलेजों एवं विभिन्न संस्थानों में रैली, संगोष्ठी, नुक्कड़ नाटक आदि माध्यमों से छात्र-छात्राओं, महिलाओं व बालिकाओं को मिशन शक्ति अभियान फेज 05 के तहत सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु किया जा रहा है जागरुक इसी क्रम में थाना लाइनपार के छारबाग , रामनगर , थाना बसईमौ0पुर के कबीरपुरा , थाना दक्षिण के आईटीआई वाली गली , थाना फरिहा के अहमदपुर, थाना उत्तर के जैन नगर , थाना पचोखरा के कृषक इंटर कॉलेज ,थाना जसराना के अकबरपुर कुतुकपुर ,थाना मक्खनपुर के इंदूमई , जिजोली , थाना नारखी के राजपुरा ,थाना अरांव के नगला खंदारी , थाना मटसैना के बरामई , ग्राम डैरा बंजारा , थाना खैरगढ के नगला भवानी , कईया खान,थाना नगला सिंघी के ग्राम बनकट, ग्राम धीरपुरा , थाना टूण्डला के मौ0पुर ,थाना नगला खंगर के ग्राम भदान ,थाना नसीरपुर के फतेहपुर करखा ,थाना नारखी के ग्राम जौधरी, ग्राम नयांवास थाना शिकोहाबाद के ग्राम बौझिया, थाना रसूलपुर के कुन्ता देवी मैरिज होम ,थाना पचोखरा के ग्राम छिकाऊ ,थाना रजावली के ग्राम रजावली , ग्राम उत्तम गढी , थाना सिरसागंज के ग्राम रुधावली , थाना टूण्डला के मौ0 शिव नगर ,थाना एका के ग्राम तेजपुर ,थाना रामगढ के प्रेमनगर ,थाना टूण्डला के कच्चा टूण्डला आदि में महिलाओं / बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु "मिशन शक्ति" अभियान फेज-05 के विशेष अभियान के तहत किया जा रहा है जागरुक । विभिन्न हैल्पलाइन नम्बरः- पुलिस -112 फायर -101 एम्बुलेंस - 102/108

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद द्वारा दोनों चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्चन कर दी गई सलामी

रिपोर्ट अरविन्द कुमार फिरोजाबाद। पुलिस द्वारा आज दिनांक 02.10.2025 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व स्वतंत्र भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री श्री लालबहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई । पुलिस लाइन परिसर में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री सौरभ दीक्षित द्वारा दोनों महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्चन कर उनके आदर्शों का स्मरण किया गया । इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद ने अपने संबोधन में कहा, ऽमहात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह के बल पर स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया और पूरी दुनिया के लिए एक प्रेरणा बने । वहीं, लाल बहादुर शास्त्री जी ने %जय जवान, जय किसान% के नारे के साथ देश की सेवा की और सादगीपूर्ण जीवन के माध्यम से नेतृत्व का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया ।ऽ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद द्वारा बताया गया कि महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जी के आदर्शों का पालन करें । उन्होंने कहा, ऽइन महान नेताओं के आदर्श हमारे लिए आज भी प्रासंगिक हैं । पुलिसकर्मियों को भी सत्यनिष्ठा, अनुशासन, और सेवा भावना के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए, साथ ही दोनों महापुरुषों द्वारा संस्थापित किए गए मानवीय आदर्शों एवं राष्ट्र प्रथम की भावना का स्वयं के अन्तर्मन एवं कार्यस्थल पर उतारने को कहा गया । तत्पश्चात वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री सौरभ दीक्षित द्वारा उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्य, अहिंसा एवं कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई । महोदय द्वारा निरीक्षक प्रेमशंकर पाण्डेय, निरीक्षक कोमल सिंह, उपनिरीक्षक मो0 अकरम एवं आरक्षी विजय को महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की शिक्षाओं पर अपने विचार व्यक्त करने के लिये 1000-1000 रुपये नगद पुरुष्कार प्रदान किया गया । तत्पश्चात वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद द्वारा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को कम्बल वितरित किए गए साथ ही उपस्थित समस्त पुलिसकर्मियों को मिष्ठान वितरित किया गया । इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, एएसपी/क्षेत्राधिकारी जसराना, क्षेत्राधिकारी यातायात, प्रतिसार निरीक्षक श्री विक्रम एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

थाना एका पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त समीर को अवैध असलहा सहित किया गया गिरफ्तार ।

रिपोर्ट अरविन्द कुमार फिरोजाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद फिरोजाबाद के निर्देशन में अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निकट पर्यवेक्षण एवं सहायक पुलिस अधीक्षक /क्षेत्राधिकारी जसराना के कुशल नेतृत्व में थाना एका पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर एक अभियुक्त समीर पुत्र जौली को गोपालपुर भट्टे के सामने रोड से 01 तमंचा 315 बोर, 01 जिन्दा कारतूस 315 बोर व 1 मिस्ड जिन्दा कारतूस 315 बोर सहित गिरफ्तार किया गया है । गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर थाना एका पर मु0अ0सं0 262/25 धारा 3/25 आयुध अधिनियम पंजीकृत किया गया है । अग्रिम विधिक कार्यवाही कर अभियुक्त को मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है । **नाम व पता गिरफ्तार अभियुक्त** - समीर पुत्र जौली निवासी दरगाह के पीछे माल गोदाम रोड कोतवाली नगर जनपद एटा ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने किया पथ संचलन

रिपोर्ट,,सतीश तरकर फराह। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष व विजयादशमी कार्यक्रम के उपलक्ष में फरह खण्ड के दौलतपुर मंडल के दीनदयाल धाम में पथ संचालन का आयोजन किया गया कार्यक्रम में पथ संचलन के बाद शस्त्र पूजन भी किया गया जिसमें मुख्य वक्ता डॉ संजय जी सह विभाग कार्यवाह कार्यक्रम अध्यक्ष केके शुक्ला जी विंग कमांडर, जिन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना से लेकर शताब्दी वर्ष तक की साड़ी कार्य योजना का विस्तार से वर्णन किया किस अंग ने किस-किस तरह राष्ट्रीय और समाज की सेवा में कार्य किया वह पांच परिवर्तन के माध्यम से किस तरह से समाज को जागरुक कर रहा है वह स्वयंसेवकों को किस तरह से समाज और राष्ट्र के लिए कार्य करना चाहिए इन मुख्य बातों को लेकर प्रकाश डाला,कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्री सोनपाल जी निदेशक दीनदयाल धाम, श्री आरेंद्र जी प्रांत संयोजक ग्राम विकास, नरेंद्र पाठक जी प्रबंधक विद्यालय, लोकेश्वर प्रताप जी प्रधानाचार्य, महिपाल जी, सत्य प्रकाश जी, उमा शंकर जी ,सौरभ जी, सागर जी, रामवीर जी ,सतीश चंद ,रवि शर्मा, देव अग्रवाल जी,विनोद , रविंद्र,पारस, पोहप सिंह भोला चौधरी, रामजीत, नीरज , नरेश कटारा सेकंडों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कार्यक्रम पंच परिवर्तन पर प्रकाश डाला

ससुरालियों पर गर्भवती की हत्या का आरोप, मामला दर्ज।

जिला संवाददाता सर्वेश कुमार गर्गाचार्य टाइम्स दैनिक समाचार पत्र बुलंदशहर जनपद **बुलंदशहर शिकारपुर।** कोतवाली शिकारपुर क्षेत्र के हिरनौट गांव में गर्भवती महिला की ससुरालियों द्वारा अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न किए जाने पर मारपीट कर हत्या किए जाने के आरोप का मामला सामने आया है। मायके वालों द्वारा पति, देवर और सास के खिलाफ नामजद दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया है। रामघाट थाना क्षेत्र के परिहावली गांव निवासी शिवकुमार पुत्र सोहन पाल सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि उन्होंने अपनी बेटी रश्मि (25) की शादी गत 16 फरवरी 2021 को शिकारपुर थाना क्षेत्र के हिरनौट गांव निवासी भूपेंद्र कुमार पुत्र वीर सिंह के साथ की थी। उस समय शादी में लाखों की नकदी और दहेज दिया गया था। आरोपित है कि शादी के बाद से ही पति भूपेंद्र, देवर भोपाल और सास प्रेमवती अतिरिक्त दहेज बतौर पांच लाख रुपए की मांग करने लगे। मांग पूरी न होने पर उसका कई बार शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न किया गया। जिसके बाद 3 लाख और 2 लाख रुपए दो किस्तों में उनके बैंक खातों में ट्रांसफर किए गए। लेकिन, उसके बाद भी उनकी बेटी का उत्पीड़न बंद नहीं हुआ। पुलिस को दी गई तहरीर में ससुराल द्वारा की गई पिटाई से गंभीर चोट आने के कारण मौत होने की बात कही गई है। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए शव को कब्जे में लेकर पीएम को भेज दिया गया है। पता लगा है कि पुलिस ने मृतका रश्मि के पति और देवर को हिरासत में ले लिया है जबकि सास फरार हो गई है। गुरुवार शाम को गमगीन माहौल में मृतिका रश्मि का अंतिम संस्कार किया गया है उधर शिकारपुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक चंदगीराम ने बताया है कि मृतका के पिता की तहरीर के आधार पर पति देवर और सास के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

धू धू कर जला बुराई का रावण, जहांगीराबाद में व्यापारी नेता सोनू पाठक ने किया रावण दहन

जिला संवाददाता सर्वेश कुमार गर्गाचार्य टाइम्स दैनिक समाचार पत्र बुलंदशहर। जनपद बुलंदशहर जहांगीराबाद नगर में विजयदशमी के पर्व पर रावण बाड़े में रावण दहन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्री जनता आदर्श रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गाजियाबाद के प्रमुख उद्यमी व व्यापारी नेता डॉ सोनू पाठक रहे और विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष किशन पाल सिंह लोधी व प्रमुख समाजसेवी जयेश अग्रवाल और लव चड्ढा रहे। विजय दशमी के पर्व पर रावण बाड़े में पहुंचे मुख्य अतिथि सोनू पाठक का कमेटी के संस्थापक रामहरि गोयल, अध्यक्ष नवीन बंसल और पूर्व अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने फूल माला और पगड़ी पहना कर स्वागत किया। इसके बाद भगवान राम द्वारा रावण का वध किये जाने के बाद सोनू पाठक ने रावण के पुतले का दहन किया। आग लगाते ही बुराई का रावण धूं धूं करके जल उठा। हजारों लोगों की भीड़ ने रावण के जलते ही जय श्री राम के नारे लगाए। रावण के पुतले के दहन के बाद व्यापारी नेता सोनू पाठक ने कहा कि आज असत्य पर सत्य की जीत हुई है। हमको अपनी बुराई को खत्म करके अच्छाई के मार्ग पर चलना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन धन्नू राजौरा ने किया। इस दौरान कमेटी के अध्यक्ष नवीन बंसल, पूर्व अध्यक्ष मनोज गुप्ता, हरीश सिसोदिया, गोपाल शास्त्री, मंडल अध्यक्ष कैलाश सैनी, बब्बू भैया, जयभगवान गुप्ता, नवीन गोयल, नीतू पाठक, अंकुर वर्मा, गौरव बंसल, महेश सैनी, राहुल बंसल, सौरभ विरदी, भारत गोयल, मुकेश लोधी, रोहित अग्रवाल, शिवम गुप्ता काली कमेटी अध्यक्ष, सचिन गोयल, के पी सैनी, सुरजीत सैनी समेत सभी पदाधिकारी मौजूद रहे। इस मौके पर कोतवाली प्रभारी संजेश कुमार सिंह, कस्बा चौकी प्रभारी दीपक चाहर, सब इंस्पेक्टर कशिश सक्सेना आदि भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

पुलिस ने जाली करेंसी छापने वाले दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर भेजा जेल।

जिला संवाददाता सर्वेश कुमार गर्गाचार्य टाइम्स दैनिक समाचार पत्र बुलंदशहरे। थाना खुर्जा नगर पुलिस एवं मिशन शक्ति टीम द्वारा चैकिंग के दौरान मुबारिकपुर की ओर रजवाहे की पुलिया के पास से 02 अभियुक्तों को 1,50,000(एक लाख पचास हजार) रुपये व नकली नोट छापने के उपकरण व चोरी की मोटरसाइकिल यूपी-16 बीए -7088 सहित मुबीन पुत्र अल्ला मेहर निवासी सीकरा थाना खुर्जा देहात जनपद बुलन्दशहर अंकित पुत्र विजयपाल सिंह निवासी ग्राम बिचौला थाना खुर्जा देहात को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं बरामदगी के संबंध में थाना खुर्जा नगर पर मुअसं- 913/25 धारा 180/181/317(2) बीएनएस पंजीकृत कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजे गए है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में पंकज राय प्रभारी निरीक्षक थाना खुर्जा नगर राजेश कुमार प्रभारी मिशन शक्ति टीम थाना खुर्जा नगर उ0नि0 सौरभ कुमार यादव,उ0नि0 सुमित कुमार पाण्डेय,उ0नि0 आकाशदीप,म0उ0नि0 अंजू बघेल है0का0 जितेन्द्र कुमार,है0का0 रोबिन कुमार,का0 प्रवेश बैंसला,का0 श्यामू कुमार,म0का0 सरिता आदि शामिल रहे।

नवांगत अगौता थाना प्रभारी बने अतुल कुमार चौहान संभाला कार्यभार

जिला संवाददाता सर्वेश कुमार गर्गाचार्य टाइम्स दैनिक समाचार पत्र बुलंदशहर जनपद बुलंदशहर अगौता थाना प्रभारी बने अतुल कुमार चौहान जिन्होंने बुधवार देर शाम को संभाला कार्यभार अतुल कुमार चौहान गुलावठी थाने में अति रिक्त निरीक्षक के पद पर तैनात थे एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने अब अगौता थाने की नई जिम्मेदारी सौंपी है। अगौता थाना प्रभारी निरीक्षक यंग बहादुर सिंह को यहां से हटाकर रामघाट थाने की जिम्मेदारी दी गई है। चार्ज संभालने के बाद अतुल कुमार चौहान ने अपराधियों को दिया पैगाम अपराधी अपराध छोड़े अथवा थाना क्षेत्र किसी भी कीमत पर गैर कानूनी कार्य नहीं होगा बर्दाश्त फरियादी अपनी फरियाद लेकर स्वयं मुझ से मिले पीड़ित फरियादी के लिए थाने के दरवाजे 24घंटे खुले हैं। थाना क्षेत्र में यदि कोई व्यक्ति गैर कानूनी कार्य कर रहा है तो उसकी सूचना थाने में दे सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गुप्त रखी जाएगी। पीड़ित लोगों की समस्या सुनकर थाने में ही निस्तारण कराया जाएगा थाना क्षेत्र की जनता को इधर उधर भटकने की जरूरत नहीं है सीधे मेरे ऑफिस में आकर अपनी समस्या बताए अब अपराधियों से सख्ती से निपटेगी पुलिस अगौता थाना पुलिस 24घंटे जनता की सेवा में रहेगी सदैव तत्पर।

थाना मक्खनपुर मिशन शक्ति टीम द्वारा 01 अभियुक्त को 01 अवैध चाकू सहित किया गया गिरफ्तार ।

रिपोर्ट . अरविन्द कुमार फिरोजाबाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद द्वारा अपराध व अपराधियों पर अंकुश लगाये जाने हेतु जनपद में चलाये जा रहे सघन चैकिंग अभियान के अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के पर्यवेक्षण में तथा क्षेत्राधिकारी शिकोहाबाद के कुशल नेतृत्व में थाना मक्खनपुर मिशन शक्ति टीम द्वारा 01 अभियुक्त अजीत पुत्र वीरेन्द्र सिंह निवासी ग्राम मिल्किया थाना नबाबगंज जिला फरूर्खाबाद को 01 नाजायज चाकू सहित गिरफ्तार किया गया है । बरामदगी के सम्बन्ध में अभियुक्त अजीत उपरोक्त के विरुद्ध थाना हाजा पर मु0अ0सं0 272/2025 धारा 4/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया है । अभियुक्त अजीत उपरोक्त को मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है । **नाम पता गिरफ्तार शुदा अभियुक्त** - 1. अजीत पुत्र वीरेन्द्र सिह निवासी ग्राम मिल्किया थाना नबाबगंज जिला फरूर्खाबाद ।

थाना खैरगढ पुलिस टीम द्वारा 01 अभियुक्त को 20 फट्टा देशी शराब सहित किया गया गिरफ्तार ।

रिपोर्ट अरविन्द कुमार फिरोजाबाद । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद द्वारा जनपद में अवैध शराब की बिक्री के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण फिरोजाबाद के पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी शिकोहाबाद के निकट नेतृत्व में थाना खैरगढ पुलिस टीम द्वारा मुखविर की सूचना पर 01 अभियुक्त राजेन्द्र सिंह पुत्र मेघ सिंह निवासी डूण्डपुरा थाना खैरगढ जिला फिरोजाबाद को 20 फट्टा देशी शराब के साथ एसजीएम तिराहे से नगला नत्थे जाने वाला कच्चा रास्ता थाना खैरगढ से गिरफ्तार किया गया है । गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना हाजा पर मु0अ0स0 158/2025 धारा आबकारी अधि0 पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

gargacharya times_public vani.qxd 02-10-2025 23:36 Page 4

भारतीय अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर रचा इतिहास

ब्रिसबेन (एजेंसी)। भारतीय अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में करारी शिकस्त देकर अपनी ताकत का लोहा मनवाया है। ब्रिसबेन में खेले गए दो मैचों की यूथ टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में भारत ने पारी और 58 रन से धमाकेदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। वनडे सीरीज में कंगारुओं का सूपड़ा साफ करने के बाद टेस्ट सीरीज की शुरुआत भी भारतीय युवा खिलाड़ियों ने शानदार अंदाज में की। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और महज 243 रन पर सिमट गई। दीपेश देववर्धन ने कहर बरपाते हुए 5 विकेट अपने नाम किए जबकि किशन कुमार ने 3 बल्लेबाजों को चलता किया। इसके बाद भारतीय बल्लेबाजों ने मैच को पूरी तरह अपने कब्जे में कर लिया।

वैभव सूर्यवंशी ने तूफानी अंदाज में शतक ठोकते हुए सभी का ध्यान खींच लिया। उन्होंने सिर्फ 86 गेंदों में 9 चौके और 8 छक्कों की मदद से सेंचुरी पूरी की और 131 की स्ट्राइक रेट से रन बनाते हुए 131 रनों की लाजवाब पारी खेली। उनके साथ वेदांत त्रिवेदी ने भी जिम्मेदारी दिखाते हुए 140 रनों की पारी खेली। दोनों की बल्लेबाजी के दम पर भारत ने पहली पारी में 428 रन बनाकर विशाल स्कोर खड़ा कर लिया।

पहली पारी के आधार पर भारत को 185 रन की बढ़त मिली और दबाव में आई मेजबान टीम दूसरी पारी में पूरी तरह बिखर गई। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज 127 रन ही जोड़ पाए और भारतीय गेंदबाजों ने एक बार फिर अपना जलवा दिखाया। दीपेश ने दूसरी पारी में भी 16 रन देकर 3 विकेट झटके और मैच में कुल 8 विकेट अपने नाम किए। किशन कुमार ने भी 2 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया। इस तरह भारतीय अंडर-19 टीम ने मेजबान को हर पहलू में मात देकर सीरीज में बढ़त बना ली और एक बार फिर यह साबित किया कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य सुरक्षित हाथों में है।

दक्षिण अफ्रीका की नजर पहली विश्व कप ट्रॉफी पर, इंग्लैंड शुरुआती लय हासिल करने की कोशिश में

गुवाहाटी (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीम शुक्रवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगी तो उसकी कोशिश पिछले कुछ वर्षों की प्रभावशाली प्रदर्शन को जारी रखने के साथ खिताब के सपने को साकार करने के लिए अच्छी शुरुआत करने की होगी। दक्षिण अफ्रीका ने पिछले दो वनडे विश्व कप में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया है और हाल के दोनों टी20 विश्व कप में उपविजेता रही है।

दक्षिण अफ्रीका की टीम पिछले कुछ महीनों में इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और पाकिस्तान जैसे देशों को हराने के आत्मविश्वास से लबरेज होकर इस विश्व कप उतर रही हैं। टीम की बल्लेबाजी की कमान शानदार लय में चल रही लौरा वोलवार्ट और ताजमिन बिट्स संभालेंगी जबकि दिग्गज मारिजन कप्प गेंद और बल्ले दोनों से असरदार रहीं हैं। अनुभवी सूने लूस, क्लो ट्रायन और युवा खिलाड़ी नाडीन डे क्लार्क और नंदुमिसो शांगेसे टीम में मजबूत विकल्प पेश करते हैं।

टीम की वोलवार्ट और ब्रिट्स की सलामी जोड़ी पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता चिंता का विषय हो सकती है। भारत और कोलंबो की परिस्थितियां स्पिन गेंदबाजों के मुफीद होंगी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के लिए यह एक कमजोर कड़ी मानी जा रही है। नॉनकुलेको म्लाबा स्पिन आक्रमण की अगुआई करेंगी और उन पर बड़ी जिम्मेदारी होगी। लूस, ट्रायन और शांगेसे में शानदार खिलाड़ी है लेकिन उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी दिखी है।

इंग्लैंड की टीम इस समय बदलाव के दौर से गुजर रही है और उनका हालिया प्रदर्शन भी मजबूत नहीं रहा है। भारत के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में 1-2 की हार ने उनकी कई कमजोरियों को उजागर किया। इस श्रृंखला में टीम की गेंदबाजी असरहीन दिखी और बल्लेबाजी पूरी तरह नेट सिवर-ब्रंट पर निर्भर रही।

टीम दबाव में बिखरती दिखीं ऐसे उसकी कोशिश टूर्नामेंट की शुरुआत से ही लय पकड़ने की होगी। हीदर नाइट और डैनी वायट-हॉज की वापसी से बल्लेबाजी क्रम में स्थिरता आई है जबकि एमी जोन्स, टैमी ब्यूमोंट, और सोफिया डंकली जैसी बल्लेबाजों को भारतीय पिचें रास आती है। इंग्लैंड का सबसे बड़ा हथियार है उसकी स्पिन गेंदबाजी है। विश्व नंबर एक सोफी एक्लेस्टोन, सारा ग्लेन, चार्ली डीन, और शानदार लय में चल रही लिंसी स्मिथ की चौकड़ी टीम को खतरनाक बनाती है। लॉरेन बेल, लॉरेन फाइलर, और एम एम अरलॉट तेज गेंदबाजी में मोर्चा संभालेंगी।

टीमें

इंग्लैंड – नेट सिवर-ब्रंट (कप्तान), एम अरलॉट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, सारा ग्लेन, एमी जोन्स, हीथर नाइट, एम्मा लैम्ब, लिन्से स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज।

दक्षिण अफ्रीका – लौरा वोलवार्ट (कप्तान), अयाबोंगा खाका, क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लर्क, मारिजन कप्प, ताजमिन ब्रिट्स, सिनालो जाफ्ता, नॉनकुलुलेको म्लाबा, एनेरी डर्कसन, एनेके बॉश, मसाबाता क्लास, सुने लुस, काराबो मेसो, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शांगासे।

अपोलो टायर्स के साथ नई जर्सी में उतरी टीम इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में आज से एक नए दौर की शुरुआत हो गई है। वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ का पहला मुकाबला अहमदाबाद में खेला जा रहा है, जहां टीम इंडिया नई जर्सी में नजर आई। इस जर्सी पर अब अपोलो टायर्स का लोगो चमक रहा है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने अपोलो टायर्स के साथ 579 करोड़ की डील की है, जो मार्च 2028 तक जारी रहेगी। इस डील के तहत अगले ढाई साल तक टीम इंडिया की जर्सी पर अपोलो टायर्स स्पॉन्सर रहेगा। यह बदलाव ड्रीम-11 के बीच में स्पॉन्सरशिप छोड़ने के बाद हुआ है, क्योंकि देश में फेंटेसी बेटिंग एप पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

वहीं मैच की बात करें तो शुरुआत में वेस्टइंडीज के कप्तान रोस्टन चेज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने बताया कि टीम दो तेज गेंदबाज और तीन स्पिनरों के साथ मैदान पर उतरी है। खास बात यह रही कि नीतीश कुमार रेड्डी की टेस्ट टीम में वापसी हुई है। वहीं, वेस्टइंडीज की टीम दो स्पिनर और दो तेज गेंदबाजों के कॉम्बिनेशन के साथ खेल रही है।

यह मुकाबला भारतीय क्रिकेट के लिहाज से ऐतिहासिक भी है। यह पहला टेस्ट है जो रविचंद्रन अश्विन, विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों के संन्यास के बाद घरेलू मैदान पर खेला जा रहा है। पिछली बार भारत ने इन खिलाड़ियों के बिना नवंबर में घरेलू सीरीज़ में हिस्सा लिया था। अहमदाबाद का यह टेस्ट इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि इसे भारतीय क्रिकेट के नए युग की शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है, जहां नई कप्तानी, नई जर्सी और नई सोच के साथ टीम आगे बढ़ रही है। अब क्रिकेट प्रेमियों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि युवा खिलाड़ियों से सजी टीम इंडिया कैसी शुरुआत करती है और क्या वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत के साथ इस नए युग का आगाज़ धमाकेदार ढंग से होता है।

शिखर धवन ने खोले विराट से दोस्ती के कई राज

– गुस्से से जुड़ी यादों से मजबूत बंधन तक

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया में भाईचारे और दोस्ती के कई किस्से लोकप्रिय हैं, लेकिन इन सब में विराट कोहली और शिखर धवन का बंधन हमेशा ही खास माना जाता है। मैदान पर मस्ती और हंसी-मजाक करने वाले दोनों खिलाड़ी कभी-कभी तीखे मोड़ भी झेल चुके हैं। हाल ही में शिखर धवन ने एक पॉडकास्ट में खुलासा किया कि उनके और कोहली के बीच कभी-कभी गुस्से की स्थिति बन गई थी, जो दर्शकों को जानकर हैरान कर सकती है। धवन ने बताया कि यह झगड़ा टीम इंडिया के वार्म-अप सेशन के दौरान फुटबॉल खेलते समय हुआ। उनका कंधा विराट के कंधे से टकरा गया और दोनों के बीच थोड़ी देर के लिए गुस्से का माहौल बन गया। उन्होंने कहा कि क्रिकेटर स्वभाव से ही आक्रामक होते हैं और कभी-कभी छोटी-सी घटना भी भावनाओं को उबाल देती है। इस घटना के बाद टीम ने वार्म-अप में फुटबॉल खेलना ही बंद कर दिया, क्योंकि अक्सर खिलाड़ी भिड़ जाते थे और मैदान पर तनाव

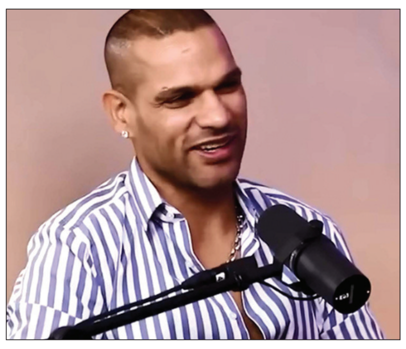

बढ़ जाता था।

धवन ने एक और किस्सा साझा करते हुए कहा कि जब दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान विराट ने उन्हें रन आउट किया। उस समय उनकी आईपीएल नीलामी भी उम्मीद के मुताबिक नहीं हुई थी, जिससे उनका गुस्सा और बढ़ गया। धवन ने बताया कि उन्होंने खूब गालियां दी और अपना गुस्सा ड्रेसिंग रूम में निकाल दिया। हालांकि दोनों जानते थे कि यह जानबूझकर नहीं किया गया था और इसे खेल का हिस्सा माना गया।

धवन ने स्पष्ट किया कि इन झगड़ों का उनके दोस्ती पर कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने कहा कि ऐसे झगड़े खेल का हिस्सा हैं और असल में दोनों एक-दूसरे को अच्छी तरह समझते हैं। मैदान पर हुए छोटे-मोटे विवाद ने उनकी दोस्ती को और मजबूत बनाया। यह साबित करता है कि क्रिकेट में रिश्तों की अहमियत और भावनाओं की गहराई कितनी बड़ी होती है।

शिखर धवन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके है, जबकि विराट कोहली अब केवल वनडे क्रिकेट खेलेंगे। दोनों की जोड़ी ने भारतीय क्रिकेट को कई यादगार लम्हे दिए हैं, चाहे वह आईसीसी टूर्नामेंट हों या आईपीएल के रोमांचक मुकाबले। मैदान पर गुस्से और झगड़े के बावजूद दोनों का बंधन मजबूत रहा और यह उनके फैंस के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहेगा। इस दोस्ती की कहानी दिखाती है कि क्रिकेट सिर्फ खेल नहीं, बल्कि भावनाओं और आपसी समझ का भी खेल है।

'भारत को हराना है तो साजिश रचनी पड़ेगी', भारत-पाक मैच से पहले पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने कसा तंज

स्पोर्ट्स डेस्क। एशिया कप 2025 के फाइनल के बाद एक और रोमांचक भारत-पाकिस्तान मुकाबले के लिए मंच तैयार है। महिला विश्व कप 2025 शुरू हो चुका है और दोनों चिर-प्रतिद्वंद्वी टीमें एक बार फिर बड़े मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयार हैं। 5 अक्टूबर को भारतीय महिला टीम पाकिस्तान महिला टीम से भिड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है और रोमांच फिर से आसमान छू रहा है। मैच से पहले पूर्व भारतीय बल्लेबाज रीमा मल्होत्रा के ग्रीन वीमेन पर कटाक्ष ने इस प्रतिद्वंद्विता को और भी रोमांचक बना दिया।

हाल ही में सीमा पार का तनाव क्रिकेट के मैदान पर भी छाया रहा क्योंकि पूरे क्रिकेट जगत ने एशिया कप 2025 के बड़े मंच पर भारत-पाकिस्तान के बीच नाटकीय मुकाबलों को देखा। एशिया कप 2025 के फाइनल में भारतीय पुरुष टीम ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया, भारतीय महिला टीम कमान संभालने के लिए तैयार है। अब, दोनों चिर प्रतिद्वंद्वी टीमें 5 अक्टूबर को महिला विश्व कप में एक-दूसरे से भिड़ेंगी।

पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान महिलाओं के अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ आंकड़े हैरान करने वाले रहे हैं क्योंकि उन्होंने अभी तक भारतीय महिलाओं के खिलाफ अपनी पहली एकदिवसीय जीत दर्ज नहीं की है। जैसे-जैसे यह हाई-वोल्टेज मुकाबला नजदीक आ रहा है, उत्साह बढ़ता जा रहा है। मैच से पहले पूर्व भारतीय महिला क्रिकेटर रीमा मल्होत्रा ??ने स्टार स्पोर्ट्स के साथ बातचीत के दौरान पड़ोसियों पर कटाक्ष करके इस प्रतिद्वंद्विता में तड़का लगा दिया।

रीमा ने कहा, 'भारत ने 11 में से 11 मैच जीते हैं। 5 तारीख को आप बोलेंगे 12 में से 12 मैच भी भारत ने जीते हैं। मैंने एक कहानी बताई थी ना, 'क्यों पड़े हो चक्कर में,

कोई नहीं है टक्कर में?' पाकिस्तान टक्कर में नहीं हो सकता।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर पाकिस्तान टीम को देखेंगे 1 या 2 मैच विनर नजर आएंगे। भारतीय टीम को देखेंगे तो टॉप 5 विकेट गिराने के बाद भी, जिस तरह से मैच जीता है, मैच विनर्स की संख्या नजर आती है। मुझे लगता है कि पाकिस्तान को अगर भारत को हराना है तो साजिश रचनी पड़ेगी। भारत होने नहीं देगी।

आरसीबी को खरीद सकती है पूनावाला की डियाजियो

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र 2025 की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मालिकाना अधिकार बदल सकता है। अगले सत्र से पहले आरसीबी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु यानी आरसीबी को डियाजियो पीएलसी खरीद सकती है। डियाजियो सीरीज इंस्टीटयूट के सीईओ अदार पूनावाला के समूह से जुड़ी है। आधिकारिक तौर पर अभी इस बारे में हालांकि किसी की भी ओर से कोई बयान नहीं आया है। अभी ये भी पक्का नहीं है कि डियाजियो पीएलसी आरसीबी में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेचने पर विचार कर रही है या नहीं। डियाजियो पीएलसी मूल रुप से यूनाइटेड स्पिरिट्स की कंपनी है। एक रिपोर्ट के अनुसार आरसीबी को खरीदने के लिए अन्य इच्छुक पक्षों के अलावा पूनावाला सबसे अधिक उत्साहित हैं। आरसीबी का मूल्यांकन लगभग 2 बिलियन डॉलर में करने की उम्मीद कर रही है। यहां तक ??कि व्यावसायिक मूल्य के मामले में भी, आरसीबी इस वर्ष शीर्ष स्थान पर थी। इससे पहले फरवरी में टोरेंट समूह ने अपनी होल्डिंग कंपनी टोरेंट इन्वेस्टमेंट्स के जरिये निजी इक्विटी फर्म सीवीसी कैपिटल पार्टनर्स से गुजरात टाइटन्स (जीटी) में 67 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी थी। इस सौदे का मूल्य लगभग 5,000 करोड़ रुपये था, जिसमें जीटी का मूल्यांकन लगभग 7,453 करोड़ रुपये था। हालांकि, आरसीबी कीमत साढ़े 17 हजार करोड़ के आसपास है। इस तरह यह आईपीएल का अब तक का सबसे बड़ा सौदा हो सकता है।

मुलर 35वां खिताब जीतकर जर्मनी के सबसे सफल खिलाड़ी बने

बर्लिन (एजेंसी)। वैंकूवर व्हाइटकैप्स के स्ट्राइकर थॉमस मुलर ने कहा कि अपने करियर का 35वां खिताब जीतने के बाद से उनके फोन की घंटी बजती ही रही है, जिससे वह जर्मन फुटबॉल इतिहास के सबसे सफल खिलाड़ी बन गए हैं। दोस्तों, पूर्व साथियों और रिश्तेदारों ने 36 वर्षीय इस खिलाड़ी को बधाई देने के लिए फोन किए, जिन्होंने बायर्न म्यूनिख के अपने पूर्व साथी टोनी क्रूस (34 खिताब जीतने वाले) को पीछे छोड़ दिया। दोनों ने 2014 फीफा विश्व कप साथ मिलकर जीता था।

मुलर को सबसे हालिया उपलब्धि कैनेडियन चैंपियनशिप के साथ मिली, जब व्हाइटकैप्स ने फाइनल में वैंकूवर एफसी को 4-2 से हराकर कॉनकाकाफ चैंपियंस लीग में जगह पक्की की। उन्होंने अपने करियर का 300वां गोल भी किया, जिसमें उन्होंने अपनी टीम के लिए दूसरा गोल पेनल्टी में बदला। इसके बाद, उन्होंने सुनहरे '300' से सजा एक

छोटा सा केक भेंट करके इस उपलब्धि का जश्न मनाया। 13 सितंबर को अपने जन्मदिन के कुछ ही हफ्ते बाद, मुलर ने मज़ाक में कहा कि अपने माता-पिता से मिलने के दौरान, 'मैंने उनसे कहा था, यह मैच का दिन है, जन्मदिन का नहीं।'

अपने रिकॉर्ड जीत के बावजूद मुलर ने कहा कि वह खुद को 'खिताब संग्रहकर्ता' नहीं मानते। 'तुलना करना बेमानी है। कुछ ने चैंपियंस लीग ज़्यादा बार जीती है, तो कुछ ने ज़्यादा राष्ट्रीय खिताब।' उन्होंने क्रूस के छह चैंपियंस लीग ख़िताबों और उनके दो ख़िताबों का ज़िक्र करते हुए कहा, 'मैं मैदान पर भावनाओं के लिए खेलता हूं, खिताबों के लिए नहीं। मुझे इस बात की कद्र है कि हमने साबित कर दिया कि हम कनाडा की सर्वश्रेष्ठ टीम हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'आंकड़े ज़्यादा मायने नहीं रखते, मैं अपनी विरासत को बेहतर बनाने के लिए नहीं खेलता। मैं मैदान पर होने के आनंद के लिए खेलता हूँ। मुझे बस ख़िताबों का हम्स्टर कह लीजिए।' मुलर 2025 की गर्मियों में बायर्न छोड़कर म्यूनिख के बाहर अपने पहले क्लब में शामिल हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि पूर्व साथियों के संदेशों ने उन्हें 'इसका आनंद लेने और गोल करने' के लिए प्रेरित किया। और मैंने ऐसा ही किया। व्हाइटकैप्स के कोच जेस्पर सोरेनसेन ने इस फॉरवर्ड की उपलब्धि की प्रशंसा करते हुए इसे 'किसी एक खिलाड़ी के लिए अद्वितीय' बताया। 2026 तक एमएलएस टीम के साथ अनुबंधित मुलर ने वादा किया कि उनका करियर अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, 'मैं हर मिनट का पूरा लाभ उठाने के लिए प्रतिबद्ध हूँ। और शायद कुछ और पदक भी जीत सकूं।'

ईवा लिस को हराकर कोको गाफ चीन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची

बीजिंग। गत चैंपियन कोको गाफ ने बृहस्पतिवार को ईवा लिस को 6-3, 6-4 से हराकर लगातार तीसरे साल चीन ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अमेरिका की दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को बीजिंग में अपनी सर्विस पर परेशानी हुई और उन्होंने ब्रेक-पॉइंट के सात मौके गंवाए। लेकिन अपने करियर का पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीतने की कोशिश कर रही जर्मनी की खिलाड़ी लिस उनमें से केवल तीन को ही भुना पाईं। लिस को फ्रेंच ओपन चैंपियन के खिलाफ पांच बार अपनी सर्विस गंवाना भारी पड़ा। गाफ के सामने सेमीफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा या विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज जैसमिन पाओलिनी की चुनौती होगी।

दिलीप ट्रॉफी खेलने का लाभ एशिया कप में मिला : कुलदीप

मुम्बई। एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने कहा है कि घरेलू क्रिकेट खेलने का लाभ उन्हें मिला था। कुलदीप के अनुसार एशिया कप से पहले उन्होंने दिलीप ट्रॉफी खेली थी जिससे उन्हें लय मिल गयी थी। इसी कारण वह एशिया कप में बेहतर प्रदर्शन कर पाये। कुलदीप ने फाइनल में चार विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इससे पहले उन्हें इंग्लैंड दौरे पर एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिला था। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने एशिया कप में सबसे अधिक कुल 17 विकेट लिए थे। बीसीसीआई द्वारा जारी एक वीडियो में रिंकू सिंह से बातचीत के दौरान कुलदीप ने कहा कि उनके लिए लय पाना बेहद जरूरी था और इसके लिए उन्होंने दिलीप ट्रॉफी में काफी गेंदबाजी की। कुलदीप ने कहा, जब आप लंबे समय तक क्रिकेट नहीं खेलते तो लय जरूरी हो जाती है। मेरे लिए यही अहम था और मैंने दिलीप ट्रॉफी का पहला मैच खेला जिसमें मैंने काफी गेंदबाजी की। इसी कारण मेरी गेंदबाजी पहले से ही अच्छी चल रही थी। कुलदीप ने बताया कि टीम में उनकी जिम्मेदारी बची के ओवरों में रनों पर अंकुश लगाने के साथ ही विकेट लेना था। उन्हें खुशी है कि वह अपना काम कर पाये। कुलदीप ने कहा कि उनके पास कोई तय लक्ष्य नहीं है और उनका प्रयास रहता है कि जब भी अवसर मिले। अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।

अश्विन आईएलटी20 नीलामी में अनसोल्ड, अब बीबीएल में सिडनी थंडर से जुड़ेंगे

नई दिल्ली। इंटरनेशनल लीग टी20 (आईएलटी20) से एक खबर क्रिकेट प्रेमियों के लिए चौंकाने वाली आ रही हैं। इस लीग की नीलामी में भारत के अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को कोई खरीदार नहीं मिला। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले अश्विन ने अपनी बेस प्राइस 1,20,000 अमेरिकी डॉलर रखी थी, लेकिन उन्हें नीलामी में कोई बोली नहीं लगी और वे अनसोल्ड रह गए। यह खबर जरुर भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए चौंकाने वाली रही, क्योंकि उन्हें

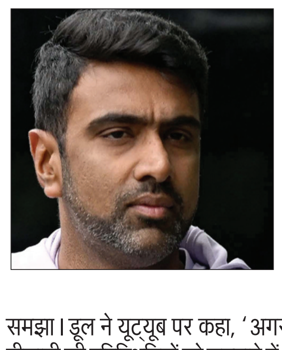

आईएलटी20 के चौथे एडिशन के प्रमुख आकर्षणों में से एक माना जा रहा था। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज साइमन डूल ने इस मामले पर टिप्पणी करते हुए कहा कि 39 साल के अश्विन ने आखिरी समय में नीलामी से अपना नाम वापस ले लिया। यही मुख्य कारण था कि उनके लिए किसी ने बोली नहीं लगाई। डूल ने कहा कि यदि अश्विन उपलब्ध होते, तो कई टीमें उनके लिए बोली लगातीं। उन्होंने अश्विन की आलोचना करते हुए कहा कि महान स्पिनर ने स्थिति को सही से नहीं समझा। डूल ने यूट्यूब पर कहा, 'अगर उन्होंने खुद को बाहर कर लिया, तो उन्होंने नीलामी की परिस्थितियों को समझने में गलती की। उनके लिए बोली लगती और टीवी व्यूअरशिप में भी खासकर भारत में बढ़ोतरी होती।' अश्विन ने अभी तक आईएलटी20 नीलामी में अपने अनसोल्ड रहने या नाम वापस लेने पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। अगस्त 2025 में उन्होंने आईपीएल से संन्यास लेते हुए कहा था कि अब वे वैश्विक ञ20 लीगों में खेलना चाहते हैं। इस बीच, अश्विन ने बिग बैश लीग (बीबीएल) के अगले एडिशन के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम सिडनी थंडर के साथ साइन किया है। थंडर ने घोषणा की कि अश्विन जनवरी 2026 में टीम में शामिल होंगे। अश्विन ने इस बारे में कहा कि थंडर ने उनकी भूमिका को लेकर स्पष्टता दी और उन्होंने नेतृत्व टीम के साथ अपनी भूमिका पर पूरी तरह सहमति जताई। उन्होंने कहा, 'मुझे डेव वार्नर के खेल का तरीका पसंद है और जब आपका नेता आपकी मानसिकता को साझा करता है, तो प्रदर्शन बेहतर होता है। मैं थंडर नेशन के लिए प्रदर्शन करने का इंतजार नहीं कर सकता।'

जोमैटो डिलीवरी बॉय से विश्व चैंपियन तक: संदीप सरगर ने भारत को दिलाया स्वर्ण, रिंकू-सुंदर ने दी प्रेरणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चल रही विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में मंगलवार का दिन भारत के लिए एक और ऐतिहासिक रहा। महाराष्ट्र के संदीप संजय सरगर ने भाला फेंक स्न44 वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर तिरंगा लहराया और देश को गर्व महसूस कराया।

रिंकू और सुंदर से मिली प्रेरणा

सोमवार को ही रिंकू और सुंदर सिंह गुर्जर ने स्न46 वर्ग में स्वर्ण और रजत पदक जीते थे। सरगर ने कहा कि उस ऐतिहासिक पल को देखकर उन्हें भी आत्मविश्वास और प्रेरणा मिली। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'मैं कल यहां माहौल को समझने आया था। भीड़, प्रोत्साहन और जोश–सबने मुझे ताकत दी। और आज उसी ने मुझे जीत दिलाई।'

बारिश, ठंड और दबाव... फिर भी स्वर्ण

दिल्ली की दोपहर में अचानक हुई भारी बारिश और गिरी हुई तापमान ने एथलीटों को चुनौती दी। लेकिन सरगर ने इसे पार करते हुए अपने पांचवें प्रयास में 62.82 मीटर का शानदार थ्रो फेंका। हालांकि वे पहले ही 62.68 मीटर के थ्रो से बढ़त बना चुके थे, लेकिन उनका बेस्ट थ्रो दर्शकों के लिए जश्न का कारण बन गया। राजस्थान के संदीप चौधरी ने भी कड़ी टक्कर दी और 62.67 मीटर तक पहुँच गए, लेकिन सरगर ने उन्हें पछाड़ते हुए स्वर्ण पर कब्जा किया।

'गर्म मौसम में और बेहतर करता'

SAI सोनीपत में प्रशिक्षण लेने वाले और ञ्हक्र-कोर एथलीट सरगर ने माना कि मौसम ने उनके प्रदर्शन को थोड़ा प्रभावित किया। उन्होंने कहा, 'बारिश और ठंडे मौसम ने मुझे मुश्किल दी। गर्म मौसम में मैं और भी अच्छा कर सकता था। फिर भी, अपने देश के लिए पदक जीतना शानदार एहसास है।'

डिलीवरी बॉय से चैंपियन तक का सफर

आज जिस एथलीट को पूरा भारत सलाम कर रहा है, कभी वही सरगर पुणे में ज़ोमैटो डिलीवरी बॉय का काम किया करते थे। परिवार या दोस्त स्टेडियम में मौजूद नहीं थे, फिर भी उन्होंने अकेले दम पर स्वर्ण झटक लिया। उन्होंने भावुक होकर कहा, 'स्टैंड में मेरा कोई नहीं था, लेकिन मैंने खुद को और देश को प्रेरणा मानकर खेला। पदक जीतकर सपने पूरे हुए हैं।'

भारत का तीसरा स्वर्ण, सफर जारी

सरगर का यह पदक भारत का इस

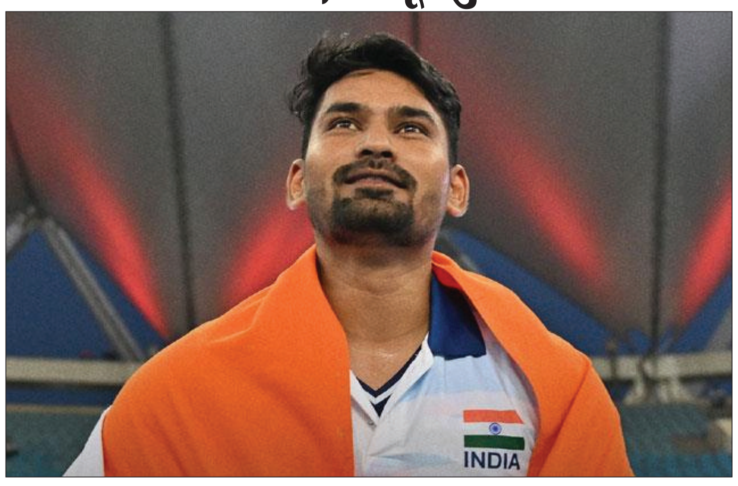

चैंपियनशिप में तीसरा स्वर्ण पदक रहा। इसके तुरंत बाद सुमित ने F64 वर्ग में चौथा स्थान हासिल किया। भारत के पैरालिंपिक दल के लिए यह लगातार सफलता साबित कर रही है कि मेहनत और जुनून के आगे कोई चुनौती बड़ी नहीं होती।

gargacharya times_public vani.qxd 02-10-2025 23:36 Page 5

आयुर्वेद से भगाएं ऑस्टियोआर्थराइटिस

आयुर्वेद में ऑस्टियोआर्थराइटिस को संधिवात के रूप में जाना जाता है, जो जोड़ों का विकार है। इसका मतलब है कि हमारे शरीर के निचले हिस्से की हड्डियों को सपोर्ट देने वाले सुरक्षात्मक कार्टिलेज और कोमल ऊतकों का किसी कारणवश टूटना शुरू होना है।

इस हालत में किसी भी गतिविधि के बाद या आराम की लंबी अवधि के बाद जोड़ों का लचीलापन कम हो जाता है और वो सख्त हो जाते हैं और दर्ददायक बनते हैं।

ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए एलोपैथिक उपचार के अलावा, कुछ आयुर्वेदिक इलाज भी उपलब्ध हैं। आयुर्वेद कहता है कि शरीर में तीन जीव-ऊर्जा या दोष होते हैं, जो हमारे शरीर के विभिन्न कार्यों को नियंत्रित करते हैं। वात, कफ और पित्त यह उनके नाम हैं। जब एक व्यक्ति किसी भी प्रकार की बीमारी से ग्रस्त होता है, तब यह इन दोषों में असंतुलन की वजह से होता है।

ऑस्टियोआर्थराइटिस वात दोष में एक असंतुलन के कारण होता है और इसलिए ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए आयुर्वेदिक इलाज में इस दोष को संतुलित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिससे व्यक्ति को दर्द से राहत मिलने में आसानी होती है।

ये हैं जड़ीबूटी

- **गुग्गुल** : ऊतकों को मजबूत बनाता है।
- **त्रिफला** : विषैले तत्वों को शरीर से साफ करना।
- **अश्वगंधा** : शरीर और मन को आराम और तंत्रिका तंत्र को उत्तेजना देना।
- **कॅस्टर (एरंडी)** : इस तेल को दर्द होने वाले क्षेत्र में लगाने के साथ ही इसका सेवन भी लिया जा सकता है, क्योंकि यह एक प्रभावी औषधि है।
- **बाला** : शरीर में रक्त परिसंचरण को बढ़ाने के लिए, दर्द को कम करने के लिए, नसों को ठीक करता है एवं शरीर में ऊतकों का विकास होता है।
- **शालाकी** : अपने सूजन विरोधी गुणों के लिए और शरीर की हड्डियों के करीब के ऊतकों की मरम्मत करने में सक्षम होने के गुण के लिए उपयोगी है।

रोजाना खाएं अदरक मिलेंगे अनगिनत फायदे

अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं।

अदरक एक भारतीय मसाला है जो हर घर में रोजाना इस्तेमाल होता है। अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं। आज हम उन्हीं फायदों के बारे में बताएंगे। चलिए जानते है एक टुकड़ा अदरक रोजाना खाने से शरीर को किस प्रकार फायदा मिलता है।

जी मिचलाना

जी मिचलना और उल्टी की समस्या को रोकने के लिए अदरक औषधि की तरह का काम करता है। 1 चम्मच अदरक के जूस में 1 चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इसको हर दो घंटे बाद पीएं। जल्द ही राहत मिलेगी।

गठिया दर्द में राहत

अदरक में एंटी-इन्फ्लॉमेट्री प्रॉपर्टीज होती है जो जोड़ों के दर्द को खत्म करने में सहायक है। अदरक को खाने से या इसका लेप लगाने से भी दर्द खत्म होता है। इसका लेप बनाने के लिए अदरक को अच्छे से पीस लें। उसमें हल्दी मिला लें। इस पेस्ट को दिन में दो बार लगाएं। कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

मासिक धर्म में फायदेमंद

कुछ महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान बहुत दर्द होती है। ऐसे में अदरक की चाय काफी फायदा पहुंचाती है। इसलिए दिन में 2 बार अदरक की चाय पीएं। इससे दर्द कम होगा।

सर्दी- जुकाम और फ्लू

सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसी समस्या से बचने के लिए नियमित रूप से अदरक का सेवन करें। यह शरीर को गर्म रखता है जिससे पसीना अधिक आता है और शरीर गर्म बना रहता है।

माइग्रेन का इलाज

जिन लोगों को माइग्रेन की समस्या है उनके लिए अदरक रामबाण है। जब भी माइग्रेन का अटैक आए, तब अदरक की चाय बना कर पीएं। इसको पीने से माइग्रेन में होने वाले दर्द और उल्टी से काफी हद तक राहत मिलेगी।

दिल को रखता है स्वस्थ

अदरक कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने, ब्लड प्रेशर को ठीक रखने, खून को जमने से रोकने का काम करता है। इससे दिल संबंधित बीमारियां भी नहीं होती है। इसलिए अपनी डाइट में अदरक को शामिल करें।

पाचन तंत्र मजबूत

अदरक पेट फूलने, कब्ज, गैस, एसीडिटी जैसी समस्याओं को ठीक रखने में भी सहायक है। जिन लोगों को पेट से संबंधित समस्याएं रहती है वह रोजान सुबह खाली पेट अदरक का सेवन करें।

मोर्निंग सिकनेस

मोर्निंग सिकनेस की समस्या अधिकतर गर्भवती महिलाओं को होती है। रोजाना सुबह अदरक के 1 टुकड़े को चबा कर खाएं। कुछ दिनों तक अदरक खाने से मोर्निंग सिकनेस की समस्या दूर हो जाएगी।

ऊर्जा करें प्रदान

अदरक खाने से शरीर गर्म तो रहता ही है साथ ही उसे एनर्जी भी मिलती है। रोजाना सुबह अदरक वाली चाय पीने से शरीर में चुस्ती- फुर्ती बनी रहेगी।

अनुलोम विलोम से स्वच्छ व निरोग रहती हैं नाड़ियां

अनुलोम का अर्थ होता है सीधा और विलोम का अर्थ है उल्टा। यहां पर सीधा का अर्थ है नासिका या नाक का दाहिना छिद्र और उल्टा का अर्थ है- नाक का बायां छिद्र। अर्थात अनुलोम-विलोम प्राणायाम में नाक के दाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो बायीं नाक के छिद्र से सांस बाहर निकालते है।

यदि नाक के बाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो नाक के दाहिने छिद्र से सांस को बाहर निकालते हैं। अनुलोम-विलोम प्राणायाम को कुछ योगीगण 'नाड़ी शोधक प्राणायाम' भी कहते हैं। उनके अनुसार इसके नियमित अभ्यास से शरीर की समस्त नाड़ियों का शोधन होता है यानी वे स्वच्छ व निरोग बनी रहती हैं। इस प्राणायाम के अभ्यासी को वृद्धावस्था में भी गठिया, जोड़ों का दर्द व सूजन आदि शिकायतें नहीं होतीं।

प्राणायाम की विधि

- अपनी सुविधानुसार पद्मासन, सिद्धासन, स्वस्तिकासन अथवा सुखासन में बैठ जाएं। दाहिने हाथ के अंगूठे से नासिका के दाएं छिद्र को बंद कर लें और नासिका के बाएं छिद्र से 4 तक की गिनती में सांस को भरें और फिर बायीं नासिका को अंगूठे के बगल वाली दो अंगुलियों से बंद कर दें। तत्पश्चात दाहिनी नासिका से अंगूठे को हटा दें और दायीं नासिका से सांस को बाहर निकालें।
- अब दायीं नासिका से ही सांस को 4 की गिनती तक भरे और दायीं नाक को बंद करके बायीं नासिका खोलकर सांस को 8 की गिनती में बाहर निकालें।
- इस प्राणायाम को 5 से 15 मिनट तक कर सकते हैं।

सावधानियां

- कमजोर और एनीमिया से पीड़ित रोगी इस प्राणायाम के दौरान सांस भरने और सांस निकालने (रेचक) की गिनती को क्रमश: चार-चार ही रखें। अर्थात चार गिनती में सांस का भरना तो चार गिनती में ही सांस को बाहर निकालना है।
- स्वस्थ रोगी धीरे-धीरे यथाशक्ति पूरक-रेचक की संख्या बढ़ा सकते हैं।
- कुछ लोग समयाभाव के कारण सांस भरने और सांस निकालने का अनुपात 1-2 नहीं रखते। वे बहुत तेजी से और जल्दी-जल्दी सांस भरते और निकालते हैं। इससे वातावरण में व्याप्त धूल, धुआं, जीवाणु और वायरस, सांस नली में पहुंचकर अनेक प्रकार के संक्रमण को पैदा कर सकते हैं।
- अनुलोम-विलोम प्राणायाम करते समय यदि नासिका के सामने आटे जैसी महीन वस्तु रख दी जाए, तो पूरक व रेचक करते समय वह न अंदर जाए और न अपने स्थान से उड़े। अर्थात सांस की गति इतनी सहज होना चाहिए कि इस प्राणायाम को करते समय स्वयं को भी आवाज न सुनाई पड़े।

लाभ

- फेफड़े शक्तिशाली होते हैं।
- सर्दी, जुकाम व दमा की शिकायतों से काफी हद तक बचाव होता है।
- हृदय बलवान होता है। इससे हार्ट अटैक नहीं होता।

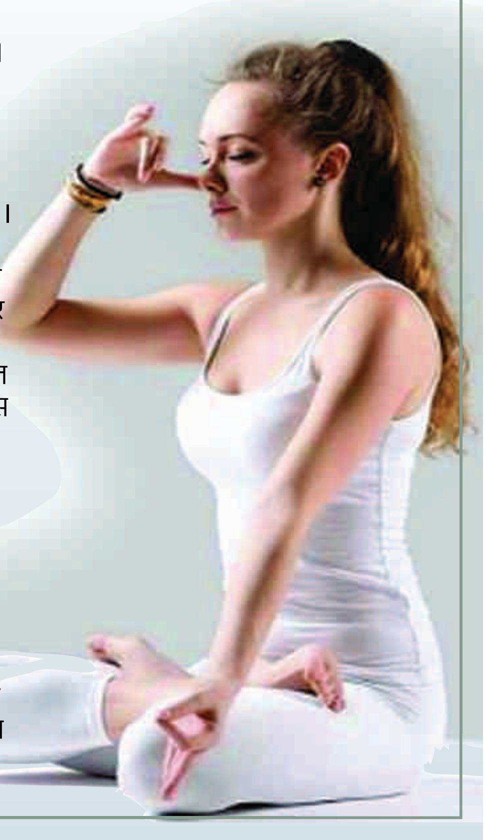

एम्ब्लायोपिया स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है दृष्टि

जिन बच्चों की आंखों की अश्रु नलिकाएं बचपन से ही अवरुद्ध होती हैं। उनकी दृष्टि धुंधली हो सकती है। यदि जन्म के बाद शुरुआती छह से 10 साल के अंदर इसका इलाज न कराया जाए तो दृष्टि स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है। इस बीमारी को एम्ब्लायोपिया या लेजी आई कहते हैं।

तीन साल से कम उम्र के ऐसे बच्चे जिनमें अश्रु नलिकाएं (नैसोलेक्रिमल डक्ट ऑब्सट्रक्शन-एनएलडीओ) अवरुद्ध होती हैं। उनमें एम्ब्लायोपिया बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। इनमें से छह प्रतिशत मरीज ऐसे होते हैं, जिनमें जन्म से ही यह परेशानी होती है।

रखें सावधानी

पेंसिलवेनिया के लैनकास्टर के फैमेली आई ग्रुप के अध्ययनकर्ता नोएल एस. मैटा व डेविड आई. सिलबर्ट का कहना है कि अध्ययन में शामिल 375 बच्चों में से 22 प्रतिशत बच्चों में एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारक थे। सामान्य आबादी में इस बीमारी की आठ गुना की दर से वृद्धि हो रही है।

जन्मजात बीमारी

मैटा का कहना है, हमने एनएलडीओ की जन्मजात परेशानी वाले सभी बच्चों की जांच की बात कही। हमने सावधानीपूर्वक उनमें एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारकों की मौजूदगी का अध्ययन किया।

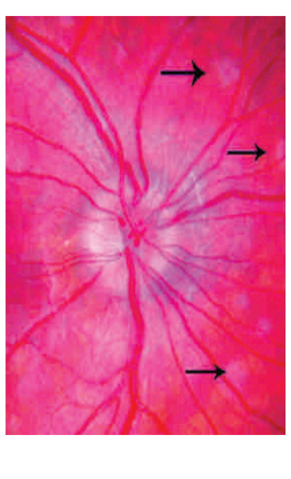

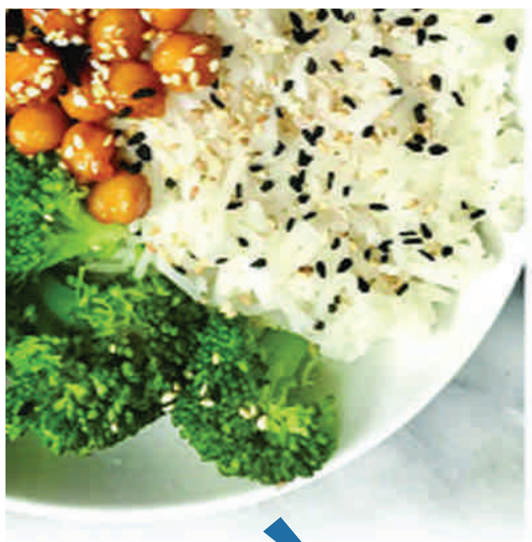

रात के समय कार्बोहाइड्रेड चीजें खाने से बचें

स्वास्थ्य सही है तो शरीर सही है। शरीर सही है तो मन सही है। इसलिए अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। हम आपको बताते हैं, हेल्थ के क्या लेना चाहिए और क्या नहीं।

शाम के पांच बजे के बाद कार्बोहाइड्रेट लेना चाहिए या नहीं? यदि वजन पर नियंत्रण रखना चाहते हैं तो पांच नहीं सात बजे के बाद ऐसी चीजें खाने से बचें, जिनमें कार्बोहाइड्रेड होता है। रात के समय हमेशा ऐसी चीजें ही खाएं, जो आसानी से पच जाएं।

- केला और सेब लौह तत्वों से भरपूर हैं। इसलिए वह कटने के बाद भूरे हो जाते हैं। यह गलतफहमी है। भूरा होने की वजह आयरन नहीं एंजाइम हैं। रंग गहराने के पीछे फलों में मौजूद फिनॉलिक कंपाउंड का ऑक्सीडेशन हैं, ये कंपाउंड हवा में तैरती ऑक्सीजन के संपर्क में आने से रंग बदलते हैं।

लो फैट का दूध लें

- दूध और उससे बने उत्पाद बचपन बीत जाने के बाद उपयोगी नहीं। दूध और दूध से बने उत्पादों में केवल प्रोटीन ही नहीं आवश्यक एमिनो एसिड, फैटी एसिड तथा कैल्शियम के साथ विटामिन ए, डी तथा मैग्नीशियम, फास्फोरस व पोटेशियम भी होता है। दूध अवश्य लें भले ही वह लो फैट हो।
- खाने में डाले गए नमक से ज्यादा नुकसानदेह है, ऊपर से नमक डालना? नमक तैयार खाने में पहले से डाला गया हो या ऊपर से मिलाया गया, उसमें मौजूद सोडियम एक समान होता है।
- आयरन का बेहतर स्रोत होने के कारण पालक ही रक्त की कमी से बचाता है। बहुत सी पत्तेदार सब्जियों में भरपूर आयरन होता है जैसे, ब्रॉक्ली में 40 मि.ग्रा., चौलाई-20 मि.ग्रा., सरसों में 16-3 मि.ग्रा., गाजर की पत्तियों में 18 मि.ग्रा. आयरन होता है, जबकि पालक में 1.1 मि.ग्रा. होता है।
- सूजी अनाज नहीं है? सूजी मैदा का दानेदार रूप है। इसमें पोषक तत्वों की मात्रा पॉलिश चावल और मैदे के समान होती है।

एक अंडा ही रोज खाएं

- शुगर फ्री उत्पाद हेल्दी होते हैं। आमतौर पर लोग अकसर शुगर फ्री उत्पादों को लो कैलोरी मान डायबिटीज और वजन नियंत्रण के लिए उपयोगी समझते हैं, परंतु ये शुगर फ्री उत्पाद अनेक अनदेखे शुगर स्रोतों से युक्त होते हैं। इनका अधिक सेवन स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालता है।
- अंडों में कोलेस्ट्रॉल अधिक होता है, इसलिए इसे नहीं खाना चाहिए। एक अंडे में 215 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, अकेले एक अंडे की जर्दी में 300 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, लेकिन अंडे में अन्य पौष्टिक तत्वों की बहुलता है। हाल ही में हुई रिसर्च से पता चला कि जो लोग एक अंडा प्रतिदिन खाते हैं, उन्हें अंडा न खाने वालों की तुलना में हृदय रोग का खतरा कम होता है।
- उपवास रखने से शरीर के टॉक्सिन बाहर निकलते हैं। उपवास संतुलित भोजन और अधिक कैलोरीज पर नियंत्रण रखता है, लेकिन इस दौरान रिच डाइट, फल, जूस, अधिक मेवे आदि लेने से इसका उलटा भी हो सकता है।

चीनी ज्यादा न खाएं

- चीनी खाने से डायबिटीज होती है। यह सोच कर चीनी न खाने पर डायबिटीज नहीं होगी, गलत है। स्टार्च, फैट, प्रोटीन और चीनी जैसे अधिक कैलोरी वाले खाद्य शरीर में इंसुलिन की मात्रा बढ़ाकर डायबिटीज को जन्म देते हैं। जब शरीर कार्बोहाइड्रेट को पचाने में अक्षम हो, तभी डायबिटीज होती है।
- शहद जैसे प्राकृतिक पदार्थ शुगर का विकल्प हैं। बहुत से लोग सोचते हैं कि ये शुगर फ्री तथा कम कैलोरी वाले प्राकृतिक स्रोत हैं तथा इन्हें रिफाइन भी नहीं किया जाता, इसलिए ये नुकसानदेह नहीं। लेकिन 1 चम्मच शहद में 65 कैलोरी तथा एक चम्मच शुगर में 46 कैलोरी होती है। ग्लाइस्मिक इंडेक्स भी शहद में 87 तथा शुगर में 59 होता है।
- बिना नमक का खाना तेजी से वजन कम करता है। याद रखें कि पहले तो सोडियम के न रहने पर पानी कम होता है न कि फैट। नर्वस सिस्टम सही ढंग से काम करे, इसके लिए भी सोडियम जरूरी होता है। इसका लेवल डिप्रेशन, स्वभाव परिवर्तन और कमजोरी का कारण होता है।
- शुगर मूड को प्रभावित करती है। इंसानी दिमाग ऊर्जा के लिए पूरे तौर पर ब्लड शुगर (ग्लूकोज) पर निर्भर रहता है। इसकी कमी से हाइपोग्लीमिया का दौरा तथा कमजोरी, डिप्रेशन, दिमागी गड़बड़ियां हो सकती हैं।

केला-दूध फायदेमंद

- रात में मेटाबॉलिज्म सिस्टम धीमा होता है। इसलिए भारी नाश्ता करना चाहिए। सुबह का नाश्ता दिन भर की ऊर्जा के लिए बेहद जरूरी है, लेकिन इसके लिए भारी की जरूरत नहीं। आप केले या दूध से भी काम चला सकती हैं।
- मछली खाने के बाद दूध नहीं पीना चाहिए। ऐसा हमेशा नहीं होता। लेकिन कुछ स्थितियों में इसे मान लेना बेहतर होता है।
- बिना शुगर के फलों के जूस प्राकृतिक व शुगर फ्री होते हैं। ये लो कैलोरी जरूर होते हैं, लेकिन इसमें फ्रूकटोस होने के कारण शुगर फ्री नहीं होते।

gargacharya times_public vani.qxd 02-10-2025 23:36 Page 6

केंद्र ने फार्मा-मेडटेक क्षेत्र में पीआरआईपी योजना के तहत उद्योग और स्टार्टअप परियोजनाओं के लिए प्रस्ताव किए आमंत्रित

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने फार्मा-मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान एवं नवाचार संवर्धन (पीआरआईपी) योजना के तहत उद्योग और स्टार्टअप परियोजनाओं के लिए लगभग 11,000 करोड़ रुपए के प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं।

औषधि विभाग ने अपनी पीआरआईपी योजना के तहत अनुसंधान एवं नवाचार परियोजनाओं के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह योजना इस क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और इनोवेशन-संचालित क्षेत्र में बदलने की एक ऐतिहासिक पहल है।

5,000 करोड़ रुपए के स्वीकृत परिव्यय के साथ, इस योजना से नई दवाओं, जटिल जेनेरिक दवाओं, बायोसिमिलर और नए चिकित्सा उपकरणों में लगभग 11,000 करोड़ रुपए के कुल अनुसंधान एवं विकास निवेश वाली लगभग 300 परियोजनाओं को समर्थन देकर फार्मा-मेडटेक इनोवेशन पाइपलाइन को गति मिलने की उम्मीद है।

विभाग ने पहले अधिसूचित योजना में संशोधनों को अधिसूचित किया है और संशोधित दिशानिर्देश जारी किए हैं। संशोधित योजना के तहत, प्रारंभिक चरण की परियोजनाओं के लिए, एमएसएमई और स्टार्टअप 5 करोड़ रुपए तक की सहायता के लिए 9 करोड़ रुपए तक की लागत वाली परियोजनाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं।

बाद के चरण की परियोजनाओं के लिए, उद्योग, एमएसएमई और स्टार्टअप्स की 285 करोड़ रुपए तक की लागत वाली परियोजनाएं 100 करोड़ रुपए तक की सहायता के लिए आवेदन कर सकती हैं।

प्रारंभिक चरण की परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता का पैमाना 1 करोड़ रुपए तक की लागत के लिए 100 प्रतिशत और 1 करोड़ रुपए से अधिक की अतिरिक्त लागत का 50 प्रतिशत है, जो अधिकतम 5 करोड़ रुपए तक सीमित है।

बाद के चरण की परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता का पैमाना परियोजना लागत का 35 प्रतिशत है, जो अधिकतम 100 करोड़ रुपए तक सीमित है।

इसके अलावा, उच्च सार्वजनिक स्वास्थ्य महत्व वाले लेकिन अपेक्षाकृत कम बाजार क्षमता वाले क्षेत्रों में भारत के स्वास्थ्य सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से, संशोधित योजना में प्रावधान है कि बाद के चरण की परियोजनाओं के लिए सहायता 50 प्रतिशत तक हो सकती है, जो अधिकतम 100 करोड़ रुपए तक सीमित है।

ग्राहकों के लिए सुलभ है भारत की 5 सबसे सस्ती कारें

नई दिल्ली

पहले डुअल क्लच ट्रांसमिशन (डीसीटी) सुविधा महंगी कारों तक ही सीमित थी, लेकिन अब आम लोगों के लिए भी यह सुलभ हो गई है। इसकी शुरुआत टाटा अल्ट्रोज डीसीटी करता है।

इसका एक्स-शोरूम प्राइस लगभग रुपए 9.42 लाख है। 1.2 लीटर पेट्रोल इंजन और 6-स्पीड डीसीटी गियरबॉक्स के साथ यह कार 18 केएमपीएल तक का माइलेज देती है। मजबूत बिल्ड और स्मूद राइड के कारण यह सबसे सस्ती डीसीटी कार मानी जाती है।

किआ सोनेट डीसीटी में 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन और 7-स्पीड डीसीटी गियरबॉक्स मिलता है। इसकी कीमत रुपए 11.60 लाख से रुपए 13.65 लाख तक है और यह 18.31 केएमपीएल का माइलेज देती है।

स्टाइलिश डिजाइन और बेहतर टॉर्क इसे एसयूवी प्रेमियों में लोकप्रिय बनाता है। टाटा नेक्सन डीसीटी का एक्स-शोरूम प्राइस रुपए 11.16 लाख है। 1.2 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन के साथ यह कार 17.18 केएमपीएल का माइलेज देती है।

नेक्सन 5-स्टार एनकैप सेफ्टी रेटिंग प्राप्त करने वाली पहली भारतीय एसयूवी है, जो दमदार रोड प्रेजेंस और फीचर्स के साथ आती है। हुंडई वेन्यू डीसीटी 1.0 लीटर टर्बो इंजन और 7-स्पीड डीसीटी से लैस है। इसकी कीमत रुपए 10.93 लाख से शुरू होती है और यह 18.31केएमपीएल तक का माइलेज देती है। प्रीमियम इंटीरियर और आरामदायक राइड इसे कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में पसंदीदा बनाते हैं। हुंडई आई20 एनलाइन डीसीटी में भी 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन और 7-स्पीड डीसीटी गियरबॉक्स है। इसकी कीमत रुपए 10.23 लाख से रुपए 11.60 लाख तक है। कंपनी दावा करती है कि यह 20.2 केएमपीएल तक का माइलेज देती है।

स्पोर्टी लुक, डुअल एग्जॉस्ट और ऑल-ब्लैक इंटीरियर इसे युवाओं में खास बनाते हैं।

मेक इन इंडिया खतरे में 0% GST ने भारतीय नोटबुक उद्योग को किया बर्बाद

शिक्षा को सस्ता करने का फैसला बना अभिशाप, कच्चे माल पर 18% टैक्स और आसियान आयात पर शून्य ड्यूटी से लाखों रोजगार संकट में

मुंबई/इंदौर

एक तरफ भारत सरकार जीएसटी 2.0 सुधारों के तहत आर्थिक विकास का दावा कर रही है, वहीं दूसरी तरफ ऑल इंडिया नोटबुक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ने 0% जीएसटी और आसियान (ASEAN) मुक्त व्यापार समझौते के घातक संयोजन पर कड़ी चिंता जताई है। एसोसिएशन का कहना है कि यह नीति भारतीय नोटबुक उद्योग के लिए विनाशकारी साबित हो रही है और प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया संकल्प के विपरीत है। कर प्रणाली का घातक असंतुलनएसोसिएशन ने सरकार को भेजे पत्र में स्पष्ट किया है कि नोटबुक पर 0त्न जीएसटी और आसियान एफटीए के तहत इंडोनेशिया, थाईलैंड और मलेशिया जैसे देशों से आयातित नोटबुक पर 0% कस्टम ड्यूटी के कारण यह उद्योग अस्तित्व के संकट से जूझ रहा है। ड्यूटी-मुक्त आयात 0% जीएसटी के कारण, इन आयातित उत्पादों पर आईजीएसटी (IGST) भी नहीं लग रहा है, जिससे ये पूरी तरह से ड्यूटी मुक्त होकर भारतीय उत्पादों की तुलना में अत्यधिक सस्ते हो जाते हैं। घरेलू निर्माताओं पर दोहरी मार भारतीय नोटबुक निर्माताओं को अपने कच्चे माल जैसे पेपरबोर्ड, गोंद, तार, पैकेजिंग सामग्री आदि पर 18त्न जीएसटी वहन करना पड़ता है, लेकिन उत्पाद पर 0% जीएसटी होने के कारण उन्हें इसका इनपुट टैक्स केडिट (ITC) नहीं मिलता। लागत में वृद्धि नोटबुक निर्माण में उपयोग होने वाला कोटेड पेपरबोर्ड जिस पर पहले 12% जीएसटी था, अब बढ़कर 18% हो गया है, जिससे घरेलू उत्पादन की लागत और बढ़ गई है। रोजगार और MSME पर सीधा हमला यह उद्योग मुख्यतः श्रम-प्रधान और लघु-स्तरीय (MSME) है, जो ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में लाखों लोगों को रोजगार देता है। इंडोनेशिया जैसे दुनिया के सबसे बड़े पेपर उत्पादक देशों से सस्ते आयात की बाढ़ ने भारतीय उद्योगों के लिए अस्तित्व का संकट पैदा कर दिया है। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि स्थिति नहीं सुधरी तो बड़े पैमाने पर बेरोजगारी, निवेश का नुकसान, और विदेशी मुद्रा पर प्रतिकूल असर पड़ना निश्चित है।

ओएसएम ने दुनिया का पहला बिना ड्राइवर वाला इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर किया लॉन्च

चेयरमैन बोले-अब ऑटोनॉमस व्हीकल कोई सपना नहीं, बल्कि आज की जरूरत

नई दिल्ली

भारतीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सेक्टर में आज इतिहास रच दिया। ओमेगा सीकी मोबिलिटी (ओएसएम) ने दुनिया का पहला ऑटोनॉमस यानी बिना ड्राइवर वाला इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर लॉन्च किया है। इसकी कीमत सिर्फ 4 लाख रुपए से शुरू है। ये व्हीकल अब कमर्शियल इस्तेमाल के लिए तैयार है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओएमएस ने इस थ्री-व्हीलर का नाम 'स्वयंगति' रखा है। इसे ओएसएम के इलेक्ट्रिक प्लेटफॉर्म और एआई-आधारित ऑटोनॉमी सिस्टम पर तैयार किया गया है।

यह शॉर्ट-डिस्टेंस ट्रांसपोर्ट जैसे एयरपोर्ट, स्मार्ट कैंपस, इंडस्ट्रियल पार्क, गेटेड कम्युनिटी और भीड़भाड़ वाले शहरी इलाकों में बिना ड्राइवर के चल सकेगा। वाहन को पहले से मैपिंग करके सेट किया जाता है, ताकि वह तय किए गए रास्ते पर सुरक्षित और सुचारू रूप से चल सके। एक रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक ऑटोनॉमस वाहन बाजार 2030 तक 620 बिलियन डॉलर से ज्यादा का हो जाएगा। ऐसे में 'स्वयंगति' भारत का पहला ऐसा प्रोडक्ट है, जो इस तेजी से बढ़ते ट्रेंड को मैच नहीं, बल्कि लीड करेगा। भारत जैसे देश में जहां ट्रैफिक और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी सबसे बड़ी चुनौती है, वहां यह तकनीक सुरक्षित और किफायती समाधान लेकर आई है।

ओएसएम के फाउंडर और चेयरमैन ने कहा कि स्वयंगति का लॉन्च सिर्फ एक प्रोडक्ट नहीं, बल्कि भारत के ट्रांसपोर्टेशन भविष्य की दिशा तय करने वाला कदम है।

अब ऑटोनॉमस व्हीकल कोई सपना नहीं, बल्कि आज की जरूरत है। यह साबित करता है कि एआई और लिडार जैसी तकनीकें भारत में देश के लिए और सस्ती कीमत पर बनाई जा सकती हैं। ओएसएम के चीफ स्ट्रेटेजी ऑफिसर ने कहा कि हमारा मकसद ऑटोनॉमी को डेमोक्रेटाइज करना है। स्वयंगति ने दिखाया है कि ईवी इंडस्ट्री में इंटेलिजेंट सिस्टम्स को अब रोजमर्रा की मोबिलिटी में लाया जा सकता है। स्वयंगति ने हाल ही में 3 किमी की ऑटोनॉमस रूट टेस्टिंग पूरी की, जिसमें 7 स्टॉप, रीयल-टाइम ऑब्स्टेकल डिटेक्शन और पैसेंजर सेफ्टी शामिल थी।

जीएसटी 2.0 से उत्तर प्रदेश में विकास को मिली रफ्तार, पीतल से लेकर चमड़ा उद्योग को हो रहा फायदा

नई दिल्ली

जीएसटी सुधार ने उत्तर प्रदेश की विविध अर्थव्यवस्था को लक्षित राहत प्रदान की है, जिसमें जीआई-पंजीकृत कालीन, पीतल के बर्तन, जरदोजी, जूते, चीनी मिट्टी के उत्पादन, खेल के सामान और सीमेंट शामिल हैं।

गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि कम कर दरों से परिवारों की सामर्थ्य में सुधार होगा, कारीगरों पर कार्यशील पूंजी का दबाव कम होगा और घरेलू तथा वैश्विक दोनों बाजारों में एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता मजबूत होगी। जीएसटी में टैक्स की दरें कम होने से भदोही के कालीन, मुरादाबाद के पीतल के बर्तन और सहारनपुर के लकड़ी के सामान के 6-7 प्रतिशत सस्ते होने की उम्मीद है, जिससे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और लाखों कारीगरों के रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

भदोही-मिर्जापुर-जौनपुर क्षेत्र भारत के सबसे बड़े हाथ से बुने और बुने हुए कालीन क्लस्टर में से एक है। जीएसटी दर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने के बाद, हाथ बने कालीन सस्ते हो गए हैं। कानपुर-आगरा क्षेत्र में 15 लाख श्रमिकों को रोजगार देने वाले चमड़ा और फुटवियर क्लस्टरों को भी जीएसटी दर में कटौती से लाभ मिलेगा, जिससे एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार होगा और निर्यात में वृद्धि होगी। जीएसटी सुधारों से उत्तर प्रदेश में लकड़ी के खिलौने और शिल्प क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा, जो पारिवारिक कारीगरों द्वारा संचालित है, जिनमें से कई अपने घरों से काम करते हैं। केवल वाराणसी और चित्रकूट के क्लस्टर लगभग 15,000-25,000 कारीगरों को रोजगार देते हैं, जबकि सहारनपुर में लकड़ी के काम और नक्काशी में लगे हजारों कारीगर रहते हैं। रामपुर भी इस पारंपरिक शिल्प नेटवर्क का हिस्सा है। ये क्लस्टर मेलों, धार्मिक खिलौनों और सजावट के माध्यम से मजबूत घरेलू मांग को पूरा करते हैं, और इनसे यूरोप और खाड़ी देशों तक मामूली निर्यात भी होता है। जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से खिलौने और छोटे शिल्प सस्ते होने की उम्मीद है।

इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम से 1.41 लाख लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीदः केंद्र

नई दिल्ली इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (ईसीएमएस) से 1.41 लाख लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। यह योजना बनाते समय की गई परिकल्पना 91,600 से करीब 1.5 गुना है। यह जानकारी केंद्र सरकार की ओर से गुरुवार को दी गई। केंद्र सरकार ने एक आधिकारिक दस्तावेज में कहा कि ईसीएमएस के तहत सरकार को 1.15 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जो तय लक्ष्य 59,350 करोड़ रुपए से करीब दो गुना है। ईसीएमएस के लिए एप्लीकेशन विंडो 30 सितंबर को बंद हो गई है। इस योजना का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम में बड़े निवेश आकर्षित करना, क्षमता विकसित करके घरेलू मूल्य संवर्धन (डीएवी) और भारतीय कंपनियों को ग्लोबल वैल्यू चेन (जीवीसी) के साथ इंटीग्रेट करके एक मजबूत कंपोनेंट इकोसिस्टम विकसित करना है। इस स्कीम में सरकार द्वारा भारतीय मैन्युफैक्चरर्स को विभिन्न श्रेणियों के कंपोनेंट्स और सब-असेंबली के लिए अलग-अलग तरह के प्रोत्साहन प्रदान किए जाएंगे, जिससे वे टेक्नोलॉजिकल क्षमताएं और स्केल को हासिल कर पाएं।

इस साल यूपीआई लेनदेन की संख्या 31 फीसदी बढ़कर 19.63 अरब पहुंची

नई दिल्ली इस साल सितंबर में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन की संख्या 31 फीसदी बढ़कर 19.63 अरब हो गई है। साथ ही इन लेनदेन की वैल्यू सालाना आधार पर 21 फीसदी बढ़कर 24.90 लाख करोड़ पर पहुंच गई। यह जानकारी नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन (एनपीसीआई) ने दी। एनपीसीआई के मुताबिक औसत प्रति दिन लेनदेन की वैल्यू सितंबर में बढ़कर 82,991 करोड़ पर पहुंच गई, जो कि अगस्त में 80,177 करोड़ रुपए थी। सितंबर में प्रति दिन औसत 65.4 करोड़ लेनदेन हुए, जो कि अगस्त में औसत 64.5 करोड़ थे। इससे पहले अगस्त में यूपीआई ने पहली बार 20 अरब मासिक लेनदेन का आंकड़ा पार किया था। 2 अगस्त को रिकॉर्ड 70 करोड़ से ज्यादा लेनदेन हुए थे। इसके अलावा एनपीसीआई ने पर्सन-टू-मर्चेंट (पी2एम) लेनदेन की कुछ श्रेणियों के लिए लिमिट को बढ़ाकर 10 लाख रुपए 24 घंटों के लिए कर दिया है। हालांकि एनपीसीआई ने पर्सन-टू-पर्सन के लिए लिमिट को एक लाख रुपए प्रति दिन पर बरकरार रखा था। अब एक लेनदेन में 5 लाख रुपए तक के क्रेडिट कार्ड बिल का भुगतान यूपीआई के जरिए करने की अनुमति है, हालांकि 24 घंटे की सीमा 6 लाख रुपए तय की गई है। नए फ्रेमवर्क के तहत कैपिटल मार्केट और इंश्योरेंस पेमेंट के लिए प्रति लेनदेन सीमा 2 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दी गई है, जबकि दैनिक सीमा 10 लाख रुपए है। सरकारी ई-मार्केट प्लेस लेनदेन की सीमा 1 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए प्रति लेनदेन कर दी गई है। यात्रा बुकिंग, ऋण चुकौती और ईएमआई संग्रह के लिए प्रति लेनदेन सीमा भी एक लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दी गई है।

स्पेयर टायर हटाना शुरू कर दिया टाटा मोटर्स

नईदिल्ली केंद्रीय मोटर व्हीकल नियमों में बदलाव करके साल 2020 में सरकार ने यह प्रावधान किया था कि पैसेंजर व्हीकल को स्पेयर टायर के साथ बेचने की आवश्यकता नहीं होगी, यदि उसमें ट्यूबलेस टायर, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस) और पंचर रिपेयर किट मौजूद हो। उस समय यह बदलाव थोड़ा असामान्य लगा, लेकिन पांच साल बाद यह प्रथा धीरे-धीरे न सिर्फ प्रीमियम कारों में बल्कि मुख्यधारा की कारों में भी आम हो गई है। यूरोपीय बाजारों में यह वर्षों से चलन में है। टाटा मोटर्स ने अपनी छोटी इलेक्ट्रिक कारों जैसे पंच ईवी और टियागो ईवी के साथ-साथ हैरियर और सफारी पर भी स्पेयर टायर हटाना शुरू कर दिया है। वहीं, मारुति सुजुकी ने फ्रोंक्स और ग्रैंड विटारा के कुछ वैरिएंट से स्पेयर हटाया है। उल्लेखनीय है कि सभी वैरिएंट से स्पेयर टायर हटाने का पहला काम मारुति सुजुकी विक्टोरिस ने किया। कार से स्पेयर टायर हटाने के पीछे कई कारण हैं। सड़कों की स्थिति में सुधार, बेहतर टायर गुणवत्ता, टीपीएमएस और पंचर रिपेयर किट जैसी तकनीक, और टायर रिपेयर की दुकानों की उपलब्धता इसे संभव बना रही हैं। इसके अलावा, स्पेयर टायर हटाने से वाहन का वजन कम होता है, जिससे ईंधन दक्षता बढ़ती है और स्पेस का उपयोग सीएनजी सिलेंडर जैसे विकल्पों के लिए किया जा सकता है। हालांकि, कुछ कार मालिकों को यह बदलाव पसंद नहीं है, क्योंकि स्पेयर टायर लंबे समय से मोटरिंग सुरक्षा का अहम हिस्सा रहा है। फिर भी, बेहतर क्वालिटी के टायर और टीपीएमएस जैसी तकनीकें अब पहले ही प्रेशर में कमी आने की सूचना दे देती हैं।

रियलमी ने दिए संकेत, प्रशंसक की चाहत बढ़ी अब आगे क्या होगा

नई दिल्ली रियलमी ने एक बार फिर प्रशंसकों और तकनीक प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इसने आगामी सहयोग के बारे में बातचीत और अटकलों को जन्म दे दिया है, जिससे प्रशंसक यह जानना चाहते हैं कि आगे क्या होगा। पिछले कुछ सालों में रियलमी ने इनोवेशन को पॉप संस्कृति के साथ मिलाकर, युवा दर्शकों के साथ प्रतिध्वनित होने वाले यादगार अनुभवों का निर्माण करने वाले ब्रांड के रूप में अपनी छवि बनाई है। यह नया संकेत उसी दिशा में आगे बढ़ता है, जो अपनी कहानियों, पौराणिक पात्रों और शक्ति के प्रतिष्ठित प्रतीकों के लिए प्रसिद्ध एक ऐसे यूनिवर्स के साथ साझेदारी का सुझाव देता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वोंग द्वारा साझा किया गया यह वाक्यांश महाकाव्य युद्धों, शक्तिशाली राजवंशों और ऐसी दुनिया की कल्पना को उजागर करता है जहां रणनीति, डिजाइन और नियति एक साथ आते हैं, यह संकेत देता है कि यह सहयोग जितना कल्पनाशील है, उतना ही मनोरंजक भी हो सकता है। रियलमी ने अभी तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है, लेकिन समय और शब्दों के चयन ने प्रशंसकों और मीडिया को अटकलें लगाने पर मजबूर कर दिया है कि यह ब्रांड के अब तक के सबसे महत्वाकांक्षी सहयोगों में से एक हो सकता है। ब्रांड का दृष्टिकोण न केवल तकनीक के प्रति, बल्कि ऐसे अनुभव बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है जो कल्पना को पकड़ें और दुनिया भर के दर्शकों से गहराई से जुड़ें। प्रशंसकों को रियलमी के सोशल चैनलों को बारीकी से फॉलो करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, क्योंकि आने वाले हफ्तों में और भी नए आश्चर्य और संकेत सामने आने की उम्मीद है। यह संभावित सहयोग रियलमी के उस दृष्टिकोण को रेखांकित करता है जिसमें तकनीक को संस्कृति के साथ मिलाकर ऐसे अनुभव प्रदान किए जाते हैं जो अभिनव और अविस्मरणीय दोनों हों।

ईएसआईसी ने अदालती मामलों के निपटारे के लिए नई एमनेस्टी योजना के दिशानिर्देश जारी किए

नई दिल्ली

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने अदालती मामलों के निपटारे और अभियोजन मामलों की वापसी के लिए नई एमनेस्टी योजना 2025 के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस उपाय का उद्देश्य अनुपालन को सरल बनाना और मुकदमेबाजी के बोझ को कम करना है, जिससे व्यापार को आसान बनाया जा सके। एमनेस्टी स्कीम 2025 एक वन-टाइम विवाद समाधान पहल है जिसका उद्देश्य अदालती मामलों के लंबित मामलों को कम करना, ईएसआई अधिनियम के तहत अनुपालन को बढ़ावा देना और व्यापार करने में आसानी को बढ़ाना है।

यह योजना नियोक्ताओं और बीमित व्यक्तियों को अदालतों के बाहर व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से विवादों का निपटारा करने का अवसर प्रदान करती है। यह योजना 1 अक्टूबर से 30 सितंबर, 2026 तक लागू रहेगी। यह योजना बंद और चालू दोनों इकाइयों दोनों के विवादों पर लागू होती है। पांच वर्षों से अधिक समय से बंद इकाइयों के मामले वापस ले लिए जाएंगे, इसमें वे इकाइयां शामिल हैं, जिनके मुकदमे पांच वर्षों से लंबित हैं और जिनका कोई मूल्यांकन नहीं हुआ है। वहीं, पांच वर्षों के अंदर बंद इकाइयों को रिकॉर्ड प्रस्तुत करने होंगे, स्वीकृत बकाया राशि ब्याज सहित चुकानी होगी और वे किसी भी नुकसान के लिए उत्तरदायी नहीं होंगी। चल रही इकाइयां अपने दावों के समर्थन में रिकॉर्ड प्रस्तुत करके भी विवादों का निपटारा कर सकती हैं और उन पर कोई हर्जाना नहीं लगाया जाएगा। हालांकि, ऐसे मामले जिनमें नियोक्ताओं ने ईएसआईसी पोर्टल पर फॉर्म-01 के माध्यम से स्वेच्छा से पंजीकरण कराया है, उन्हें इससे बाहर रखा गया है।

विवाद समाधान के लिए एक व्यावहारिक, पारदर्शी और नियोक्ता-अनुकूल तंत्र प्रदान करके, यह योजना प्रक्रियागत बाधाओं को दूर करती है, लंबे समय से लंबित मामलों को तेजी से निपटाने में मदद करती है और हितधारकों के बीच विश्वास पैदा करती है। बयान में कहा गया है कि इससे नियोक्ताओं के लिए परिचालन संबंधी चुनौतियां कम होंगी, अदालतों पर कानूनी बोझ कम होगा और एक प्रगतिशील एवं उत्तरदायी सामाजिक सुरक्षा संस्थान के रूप में ईएसआईसी की भूमिका और मजबूत होगी।

सरकार ने एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग नियमों को तोड़ने के लिए 25 ऑफशोर क्रिप्टो एक्सचेंज को जारी किए नोटिस

नई दिल्ली

फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ऑफ इंडिया (एफआईयू - आईएनडी) ने 25 ऑफशोर क्रिप्टो एक्सचेंज को एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग नियमों का पालन न करने के लिए नोटिस भेजा है। यह जानकारी वित्त मंत्रालय की ओर से बयान में दी गई। ये नोटिस प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) की धारा 13 के तहत जारी किए गए थे। यह धारा अधिकारियों को जांच शुरू करने, कंपनी के रिकॉर्ड की जांच करने, ग्राहक विवरणों का सत्यापन करने और संदिग्ध लेनदेन पर रिपोर्ट मांगने का अधिकार देती है। नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों पर प्रत्येक उल्लंघन के लिए 1 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। जिन 25 विदेशी कंपनियों को नोटिस जारी किए गए हैं, उनमें सिंगापुर की कॉइनडब्ल्यू, यूके की बीटीसीसी, हांगकांग की चांगेली और अमेरिका की पैक्सफुल शामिल हैं। अन्य कंपनियों में कंबोडिया की हुइओन, अमेरिका और यूके की सीईएक्सडॉटआईओ, ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स की एलबैंक, सेंट लूसिया की प्राइमएक्सबीटी, हांगकांग की कॉइनएक्स, सिंगापुर की रेमीटानो, बोस्टन की पोनोनिएक्स, सेशेल्स की बिटमैक्स और लिकटेंस्टीन की एलसीएक्स शामिल हैं। फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ऑफ इंडिया ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के तहत अलग-अलग नोटिस भी जारी किए हैं, जिनमें पीएमएलए के तहत उचित पंजीकरण के बिना भारत में चल रहे ऐप्स और वेबसाइटों को हटाने का अनुरोध किया गया है। फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ऑफ इंडिया की स्थापना 2004 में की गई थी। यह संदिग्ध वित्तीय लेनदेन के बारे में जानकारी एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने के लिए जिम्मेदार मुख्य एजेंसी है। मौजूदा समय में 50 क्रिप्टो वॉलेट फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ऑफ इंडिया के पास पंजीकृत हैं। हालांकि, कई विदेशी कंपनियां बिना पंजीकरण के भारत में काम कर रही हैं, जिससे वे एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग और काउंटर-फाइनेंशिंग ऑफ टेररिज्म (एएमएल-सीएफटी) ढांचे से बाहर हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि भारतीय यूजर्स को सेवा प्रदान करने वाले सभी क्रिप्टो वॉलेट सर्विस प्रोवाइडर्स (चाहे वे भारत में स्थित हों या विदेश में) को एफआईयू-आईएनडी के साथ पंजीकरण करना होगा।

एनआईटीईएस का आरोप, टीसीएस ने पुणे में 2,500 कर्मचारियों को इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया

नई दिल्ली नैसेंट आईटी एम्प्लॉइज सीनेट (एनआईटीईएस) ने टाटा ग्रुप की आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) पर आरोप लगाया है कि कंपनी पुणे में करीब 2,500 कर्मचारियों को इस्तीफा देने के लिए मजबूर कर रही है। एनआईटीईएस एक फोरम है, जो कि आईटी सेक्टर के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करती है। यह आरोप एनआईटीईएस के अध्यक्ष हरप्रीत सिंह सलूजा द्वारा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लिखे गए पत्र में लगाया गया है, जिसमें प्रभावित कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की गई है। एनआईटीईएस के अनुसार, केंद्रीय श्रम मंत्रालय ने महाराष्ट्र के श्रम सचिव से इस मामले की जांच करने को कहा है। हालांकि, सलूजा ने कहा कि जमीनी स्तर पर स्थिति और भी खराब हो गई है, हाल के हफ्तों में पुणे में हजारों कर्मचारियों को कथित तौर पर अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। एनआईटीईएस ने दावा किया कि इनमें से कई कर्मचारी मध्यम से वरिष्ठ स्तर के पेशेवर हैं, जिन्होंने टीसीएस में 10 से 20 साल बिताए हैं, और ज्यादातर की उम्र 40 साल से अधिक है। एनआईटीईएस ने कहा कि मौजूदा बाजार में नई नौकरियां ढूंढ़ना उनके लिए बेहद मुश्किल है, क्योंकि उनके पास होम लोन, स्कूल की फीस और बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल जैसी वित्तीय जिम्मेदारियां हैं।

चालू वित्त वर्ष में आरबीआई से नीतिगत दर में एक और कटौती की उम्मीदः रिपोर्ट

नई दिल्ली क्रिसिल की एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी दरों में कटौती और कच्चे तेल की कम कीमतों के कारण इस वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति चिंता का मुख्य विषय नहीं है । रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व (फेड) द्वारा दरों में कटौती की शुरुआत ने आरबीआई के लिए दरों में कटौती की गुंजाइश बढ़ा दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि फेड ने सितंबर में नीतिगत दरों में 25 आधार अंकों की कटौती की थी। एसएंडपी ग्लोबल को उम्मीद है कि कैलेंडर वर्ष 2025 के बाकी बचे समय में 25 आधार अंकों की दो और कटौती की जाएगी और हमें चालू वित्त वर्ष में आरबीआई द्वारा एक और दर कटौती की उम्मीद है। जीएसटी सुधार से मुद्रास्फीति में राहत मिलने की संभावना है, जो इस बात पर निर्भर करेगा कि उत्पादक इस कटौती का लाभ उपभोक्ता कीमतों पर कब डालते हैं। खाद्य और गैर-खाद्य वस्तुओं की एक विस्तृत श्रृंखला पर जीएसटी में कटौती की गई है, जिससे मुद्रास्फीति में महत्वपूर्ण कमी आने की संभावना है।प्रमुख खरीफ फसल उत्पादक राज्यों में अत्यधिक बारिश के कारण खाद्य मुद्रास्फीति को जोखिम का सामना करना पड़ सकता है। इसके बावजूद, पर्याप्त जलाशय स्तर रबी उत्पादन के लिए अच्छा संकेत हैं।

gargacharya times_public vani.qxd 02-10-2025 23:36 Page 7

सुब्रत रॉय के रिश्तेदार पीछे के गेट से भागे, अफसरों को अल्टीमेटम

एजेंसी

लखनऊ। सहारा के कर्मचारी धरने पर बैठ गए हैं। सहारा शहर के सातों गेटों पर अंदर से ताला जड़ दिया है। वेल्डिंग करके गेटों को पूरी तरह से बंद कर दिया है। बिजली-पानी रोक दिया है। किसी को सहारा शहर में आने-जाने नहीं दे रहे हैं। सहारा प्रबंधन के खिलाफ इक्कठा होकर नारेबाजी कर रहे हैं। मौके पर पहुंची पुलिस से कर्मचारियों की तीखी बहस हुई। इस दौरान कर्मचारियों ने कहा कि सहारा प्रबंधन पूरी तरह से शून्य हो गया है। सुब्रत रॉय के रिश्तेदार पीछे के गेट से भाग गए हैं। जब तक हमारी मांग और मुद्दों को नहीं सुना जाएगा, तब तक यहां पर कोई गेट नहीं खुलेगा। हमारा बकाया पैसा दिया जाए। हमारी सैलरी दी जाए। समस्या का समाधान कराया जाए। सहारा कर्मचारियों का प्रदर्शन जारी है। अधिकारियों से बातचीत के बाद 3 कर्मचारी सहारा प्रबंधन से बात करने के लिए सहारा शहर परिसर में स्थित ऑफिस गए हैं। कर्मचारी महेंद्र ने बताया- पिछले तीन सालों से सैलरी नहीं मिली। टोकन अमाउंट दिया गया। अब नहीं मालूम कल से हम कहां जाएंगे, क्या करेंगे? सहारा ग्रुप पर निवेशकों के 24,030 करोड़ रुपए बकाया है, जिसे ग्रुप की प्रॉपर्टी बेचकर जुटाए पैसे से चुकाया जाएगा।

महात्मा गांधी की 156वीं जयंती, पीएम मोदी राज घाट पहुंचे

पुष्पांजलि अर्पित की; विजय घाट पर पूर्व ढट शास्त्री को 121वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी

एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर में गुरुवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 156वीं जयंती मनाई जा रही है। आज भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 121वीं जयंती भी है। पीएम मोदी ने दिल्ली के राज घाट पर गांधी और विजय घाट पर शास्त्री को श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी राज घाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने शास्त्री को विजय घाट पर पुष्पांजलि दी। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन भी पूर्व प्रधानमंत्री शास्त्री को विजय घाट पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे। महात्मा गांधी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 में गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। उन्हें सत्य और अहिंसा का आदर्श माना जाता है। उनकी जयंती को संयुक्त राष्ट्र ने अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में भी मान्यता दी है। वहीं, लाल बहादुर शास्त्री को उनके जय जवान, जय किसान के नारे के लिए याद किया जाता है। उनका जन्म 2 अक्टूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के दीनदयाल उपाध्याय नगर (तब मुगलसराय) मुगलसराय में हुआ था। पीएम ने लाल बहादुर शास्त्री को याद करते हुए पर लिखा- लाल बहादुर शास्त्री एक असाधारण राजनेता थे जिनकी ईमानदारी, विनम्रता और दृढ़ संकल्प ने चुनौतीपूर्ण समय में भी भारत को सशक्त बनाया। 'जय जवान जय किसान' के उनके आह्वान ने देश के लोगों में देशभक्ति की भावना जगाई। वे हमें एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए निरंतर प्रेरित करते रहते हैं। पीएम मोदी ने गांधी जयंती पर पर पोस्ट में लिखा- गांधी जयंती, प्रिय बापू के असाधारण जीवन को श्रद्धांजलि देने का दिन है, जिनके आदर्शों ने मानव इतिहास की दिशा बदल दी। उन्होंने दिखाया कि कैसे साहस और सादगी बड़े बदलाव के औजार बन सकते हैं। वे लोगों को सशक्त बनाने के लिए सेवा और करुणा की शक्ति को जरूरी साधन मानते थे। हम एक विकसित भारत के निर्माण के अपने अभियान में उनके बताए मार्ग पर चलते रहेंगे। वहीं, बुधवार शाम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महात्मा गांधी की 156वीं जयंती के मौके पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और सभी नागरिकों से गांधी के सपनों का भारत बनाने का कहा। राष्ट्रपति ने कहा कि गांधीजी ने सत्य, अहिंसा, शांति और सहिष्णुता का संदेश दिया। उन्होंने छुआछूत, अशिक्षा, नशा और अन्य सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उन्होंने समाज के कमजोर वर्गों को हमेशा समर्थन और ताकत दी। राष्ट्रपति ने देशवासियों से आग्रह किया कि गांधीजी के मार्ग पर चलें, देश की सेवा करें और स्वच्छ, सक्षम, सशक्त और समृद्ध भारत बनाने का संकल्प लें। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि गांधीजी ने चक्र और श्रम की गरिमा के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत का संदेश दिया। उनका जीवन और आदर्श आज भी सभी के लिए प्रेरणा हैं।

आरएसएस प्रमुख भागवत बोले: निर्भरता मजबूरी न बने

पहलगाम हमले से दोस्त-दुश्मनों का पता चला, सुरक्षा के लिए सतर्क और ताकतवर बनना होगा

(एजेंसी)

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा, 'पहलगाम हमले में आतंकियों ने धर्म पूछकर हिंदुओं की हत्या की। हमारी सरकार और सेना ने इसका जवाब दिया। इस घटना से हमें दोस्त और दुश्मन का पता चला।' उन्होंने कहा कि हमें अंतरराष्ट्रीय संबंधों में समझ रखनी होगी। पहलगाम घटना हमें सिखा गई कि भले ही हम सभी के साथ दोस्ती का भाव रखते हैं और रखेंगे, लेकिन हमें अपनी सुरक्षा के प्रति और अधिक सजग, समर्थ रहना पड़ेगा। आरएसएस प्रमुख ने यह बात गुरुवार को नागपुर में विजयादशमी पर संगठन के शताब्दी समारोह में कही। उन्होंने 41 मिनट के भाषण में समाज में आ रहे बदलाव, सरकारों का रवैया, लोगों में बेचैनी, पड़ोसी देशों में उथल-पुथल, अमेरिकी टैरिफ का जिक्र किया। इससे पहले भागवत ने ष्फ्ऱ के संस्थापक डॉ हेडगेवार को श्रद्धांजलि दी। शस्त्र पूजन किया। इस कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. रामनाथ कोविंद मुख्य अतिथि थे। आज पूरी दुनिया में अराजकता का माहौल है। ऐसे समय में पूरी दुनिया भारत की तरफ देखती है। आशा की किरण ये है कि देश की युवा पीढ़ी में अपने देश और संस्कृति के प्रति प्रेम बढ़ा है। समाज खुद को सक्षम महसूस करता है और सरकार की पहल से खुद ही समस्याओं का निदान करने की कोशिश कर रहा है। बुद्धिजीवियों में भी अपने देश की भलाई के लिए चिंतन बढ़ रहा है।' अमेरिका ने जो नई टैरिफ नीति अपनाई उसकी मार सभी पर पड़ रही है। इसलिए दुनिया में आपसी संबंध बनाने पड़ते हैं। आप अकेले नहीं जी सकते, लेकिन ये निर्भरता मजबूरी में न बदल जाए। इसलिए हमको इसको मजबूरी न बनाते हुए आत्मनिर्भर होना पड़ेगा। प्राकृतिक उथल-पुथल के बाद पड़ोसी देशों में भी उथल-पुथल देखने को मिल रही है। कभी-कभी होता है प्रशासन जनता को ध्यान में रखकर नीति नहीं बनाता, उनमें असंतोष होता है, लेकिन उसका इस तरह से सामने आना ठीक नहीं है। इतनी हिंसा सही नहीं है। लोकतांत्रिक तरीके से बदलाव आता है। हिंसक परिवर्तनों से उद्देश्य नहीं मिलता, बल्कि अराजकता की स्थिति में बाहर की ताकतों को खेल-खेलना का मौका मिल जाता है। पड़ोसी देशों में ऐसा होना हमारे लिए चिंता का विषय है, क्योंकि वे पहले हमारे लोग ही थे। परिस्थिति ऐसी है कि सुख सुविधा बढ़ी, राष्ट्र पास आए,आर्थिक लेने देन के जरिए पास आए। मनुष्य जीवन में जंग और कलह चल रहे हैं अब परिवारों में भी टूटन आ रही है।ष्फ्ऱ प्रमुख ने कहा, शाखा से स्वंयसेवकों में राष्ट्र के प्रति भक्ति का निर्माण होता है। किसी भी देश को ऐसा होना हो तो समाज में एकता चाहिए। हमारा देश विविधताओं का देश है। बीच के काल में आक्रमण हुए विदेश भारत आ गए। यहां के लोगों ने उनके पंत को स्वीकार किया,अंग्रेज चले गए, लेकिन कुछ परंपराएं यहां रह गईं। अब हम उन परंपराओं का सम्मान कर रहे हैं। हम उन्हें पराया नहीं मानते। हम दुनिया की सभी परंपराओं का स्वागत करते हैं। आज अपने देश में इन विविधताओं को भेद में बदलने की कोशिश चल रही है।

सड़क पर शव रख हंगामा, कफन फटा

लखनऊ। डालीगंज चौराहे पर एक तेज रफ्तार डंपर ने बुधवार रात स्कूटी सवार देवर-भाभी को रौंद दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। नाराज परिजनों ने गुरुवार को हैदरगंज चौराहे पर शव रखकर प्रदर्शन किया। परिजन 50 लाख मुआवजा और एक सरकारी नौकरी की मांग कर रहे थे। इस दौरान उनकी पुलिस से झड़प हो गई। परिजनों का आरोप है कि पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने उनकी वाजिब मांगों को अनसुना किया। पुलिस जबरन शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाने लगी। इस दौरान लोगों को चोट आई। परिजन शव को लेकर चौराहे पर बैठे हुए हैं। परिजन करीब एक बजे पोस्टमॉर्टम हाउस से शव लेकर बाजारखाला स्थित पुराना जोशी टोला घर पहुंचे। यहां पुलिस की निगरानी में शवों को अंतिम यात्रा के लिए तैयार किया गया। यहां से परिजन शव लेकर निकले और करीब 3 बजे हैदरगंज चौराहे पर पहुंचे।

संभल में बुलडोजर देख लोग खुद तोड़ने लगे मस्जिद

4 घंटे में मैरिज हॉल गिराया गया, ओवैसी बोले: बहुत जुल्म हो रहा

एजेंसी

संभल। तालाब की जमीन पर बने मैरिज हॉल पर गुरुवार को 4 घंटे तक 4 बुलडोजर चले। सुबह साढ़े 11 बजे शुरू हुआ एक्शन दोपहर साढ़े 3 बजे तक चलता रहा। इस दौरान अवैध रूप से बने मैरिज हॉल को गिरा दिया गया। हालांकि, मैरिज हॉल का गेट नहीं तोड़ा गया। वहीं, बुलडोजर देखकर स्थानीय लोगों ने डीएम राजेंद्र पेंसिया से मस्जिद तोड़ने के लिए 4 दिन की मोहलत मांगी। डीएम की परमिशन मिलते ही हॉल के बगल में बनी मस्जिद को लोगों ने खुद तोड़ना शुरू कर दिया। मौके पर डीएम राजेंद्र पेंसिया और एसपी कृष्ण विश्नोई मौजूद हैं। इसके अलावा करीब 200 पुलिसकर्मी और पीएसी जवान तैनात हैं। ड्रोन से भी निगरानी की जा रही है। मामला संभल मुख्यालय से 30 किमी दूर राया बुजुर्ग गांव का है। प्रशासन का दावा है, मस्जिद और मैरिज हॉल तालाब की जमीन पर बने हैं। मस्जिद 550 वर्गफीट और मैरिज हॉल 30 हजार वर्गफीट में बना है। वहीं, बुलडोजर एक्शन को लेकर असदुद्दीन ओवैसी ने पर पोस्ट किया।

उन्होंने कहा- बुलडोजर से बहुत जुल्म किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस का पालन नहीं किया जा रहा। तहसीलदार धीरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मस्जिद और मैरिज हॉल को 10 साल पहले बनाया गया था। गांव के ही मिंजार नाम के एक व्यक्ति ने इनका निर्माण करवाया था। वह मस्जिद का मौलाना भी है। जिले में अवैध अतिक्रमण को लेकर जो सर्वे किया जा रहा है, उसमें ही इस मस्जिद और मैरिज हॉल का पता चला था।गांव में रहने वाले अतहर ने बताया- ये मैरिज हॉल 60-70 लाख की लागत से बना था। यहां पूरे गांव के गरीब परिवारों के बेटे-बेटियों की शादी होती थी। अब गरीब कहां शादी करेंगे? बुलडोजर एक्शन को देख लोग रो रहे हैं, किसी के घर में खाना नहीं बना। हम लोगों ने प्रशासन से कहीं और जमीन देने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन हमारी नहीं सुनी गई। यहां धारा- 144 लगाकर हम लोगों को आने से रोक दिया गया था। अब थोड़ी छूट दी गई है, तो हम लोग मलबा हटाने आए हैं।

आगरा में प्रतिमा विसर्जन कर रहे 7 लड़के डूबे: 2 की मौत

4 लापता, परिवार की महिलाएं-बच्चियां मां दुर्गा को पकड़कर रो रहीं

संवाददाता

आगरा। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान बड़ा हादसा हो गया। प्रतिमा विसर्जित करने नदी में उतरे 7 लड़के डूब गए। मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना पर खेरागढ़ थाना प्रभारी मदन सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मदन सिंह ने वर्दी उतारकर नदी में छलांग लगा दी। भोला नाम के युवक को नदी से बाहर निकाला गया है। हालांकि उसकी हालत बेहद गंभीर है। 2 युवकों का शव और निकाला गया है। 4 अभी भी लापता हैं। घाट पर परिवार की महिलाएं-लड़कियां मां दुर्गा की प्रतिमा पकड़कर रो रही हैं। हाथ जोड़कर मां से सलामती की प्रार्थना कर रही हैं। घटना खेरागढ़ थाना क्षेत्र की डूंगरवाला उंटगन नदी की है। डीसीपी वेस्ट अतुल शर्मा और चेयरमैन सुधीर गर्ग भी घटना स्थल पर पहुंचे। डीएम अरविंद मलप्पा बंगारी भी घटनास्थल पर आ गए हैं। उन्होंने रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी ली। युवकों की तलाश में गोताखोरों को लगाया गया था, लेकिन गोताखोरों को कामयाबी न मिलने के बाद अब एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम को बुलाया गया है। टीम का इंतजार हो रहा है। हादसा दोपहर करीब ढाई बजे हुआ। खेरागढ़ के डूंगरवाला उंटगन नदी में बड़ी संख्या में लोग दुर्गा प्रतिमा का विसर्जन करने आए थे। महिलाएं नदी किनारे रुक गईं, लेकिन युवक प्रतिमा को लेकर नदी के अंदर चले गए। तभी अचानक नदी में 7 लड़के डूबने लगे। कुछ युवक प्रतिमा को छोड़कर बाहर आ गए। लेकिन, 6 युवक नदी के तेज बहाव में बह गए। लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन युवक तेज बहाव में दूर निकल गए। मौके पर हाहाकार मच गया। पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। एक युवक भोला को निकाल लिया गया है। उसकी हालत गंभीर है। लापता लोगों में सचिन महावीर (15) पुत्र रामवीर सिंह, ओके (18) पुत्र किशन सिंह, भगवती (20) पुत्र मुरारीलाल, हरेश (20) पुत्र यादव, गगन (17) और ओमपाल (19) शामिल रहे। इनमें से दो की लाश बरामद कर ली गई है। अभी भी 4 युवक लापता है। सभी युवक कुसियापुर गांव के रहने वाले है। लड़के जिस प्रतिमा का विसर्जन करने आए थे। वो नदी के बीच में छोड़ दी गई। हादसे के बाद युवकों के परिजन प्रतिमा के सामने हाथ जोड़कर सलामती के लिए प्रार्थना करते रहे। पुलिस ने उन लोगों को नदी से बाहर निकाला है। ग्रामीणों ने रेस्क्यू में देरी का आरोप लगाते हुए रोड जाम कर दिया है। ग्रामीणों ने दो जगह पर जाम लगाया। अभी भी जाम लगा हुआ है। लोकल स्तर पर लगाए गए गोताखोरों को कामयाबी न मिलने के बाद अब एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम को बुलाया गया है। टीम का इंतजार हो रहा है। मौके पर डीएम, डीसीपी समेत अन्य अधिकारी मौजूद हैं। डीसीपी वेस्ट अतुल शर्मा ने बताया- पुलिस ने विसर्जन स्थल उंटगन नदी पुल के नीचे बनाया था। यह लोग सबसे पहले दुर्गा प्रतिमा लेकर वहां पहुंचे थे। लेकिन पुलिस ने बीच नदी में जाने को मना कर दिया। जिससे वह कैला देवी जाने को कहकर लौट गए और रास्ते में ही डूंगर वाला गांव स्थित नदी किनारे विसर्जन करने पहुंचे थे।

दिल्ली के कई इलाकों में बारिश से बदला मौसम, नोएडा में झमाझम बरस रहे बदरा

संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली समेत एनसीआर में गुरुवार शाम को अचानक से मौसम बदल गया। सुबह से ही आसमान में हल्के बादल छाए हुए थे। दोपहर होते-होते दिल्ली के कई इलाकों में हल्की बारिश हुई। वहीं शाम को अचानक से दिल्ली, नोएडा में झमाझम बारिश शुरू हो गई। बारिश का असर दुर्गा मां के विसर्जन स्थलों पर भी दिख रखा है। बारिश को लेकर मौसम विभाग ने पहले ही चेतावनी जारी कर दी थी। राजधानी में 4 अक्तूबर से नया तीव्र पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित करेगा। मौसम विभाग की मानें तो इसका उत्तर-पश्चिम भारत के विभिन्न इलाकों पर तगड़ा असर नजर आएगा। मौसम विभाग का कहना है कि पूर्वोत्तर अरब सागर और समीपवर्ती सौराष्ट्र तट पर बने निम्न दबाव के क्षेत्र से जुड़े साइक्लोनिक सकुर्लेशन से एक ट्रफ पूर्वी राजस्थान होते हुए दक्षिण-पश्चिम यूपी तक बनी है। इसका मैदानी इलाकों पर भी असर देखा जा रहा है। मौसम विभाग ने 6 और 7 अक्तूबर को दिल्ली में मौसम खराब रहने का पूवार्नुमान जारी किया है। इस दौरान आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। दिल्ली एनसीआर में 6 और 7 अक्तूबर को विभिन्न स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना जताई गई है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे से लेकर 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक की स्पीड से तेज हवाएं चलने का अनुमान है।

चेन्नई पुलिस ने आरएसएस स्वयंसेवकों को हिरासत में लिया

चेन्नई। तमिलनाडु में चेन्नई के पोरुर में पुलिस ने गुरुवार को आरएसएस के 39 स्वयंसेवकों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने आरोप लगाया कि इन्होंने बिना अनुमति सरकारी स्कूल के मैदान पर शाखा लगाई। भाजपा ने पुलिस कार्रवाई की निंदा की और कहा कि इन्हें बिना शर्त रिहा किया जाना चाहिए। स्वयंसेवकों ने ष्फ्ऱ शताब्दी वर्ष के मौके पर यह कार्यक्रम किया था। पुलिस ने कहा- आरएसएस के 39 स्वयंसेवकों इसलिए हिरासत में लिया गया क्योंकि उन्होंने बिना पूर्व अनुमति के अय्यप्पनथंगल सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गुरु पूजा और विशेष शाखा लगाई। पुलिस ने कहा सरकारी स्कूल परिसर में कार्यक्रम करना नियमों का उल्लंघन है क्योंकि इसकी कोई मंजूरी नहीं ली गई थी।बाद में स्वयंसेवकों को बसों में भरकर पास के सामुदायिक हॉल में ले जाया गया। बीजेपी नेता तमिलिसाई सुंदरराजन ने घटना पर कहा, पुलिस ने विजयादशमी के दिन ष्फ्ऱ स्वयंसेवकों को गिरफ्तार किया। स्वयंसेवकों को तुरंत रिहा किया जाना चाहिए क्योंकि आज आरएसएस का शताब्दी वर्ष है जो उनके लिए एक शुभ दिन है।

राजनाथ सिंह ने एल-70 एयर डिफेंस गन की पूजा की

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इसने पाकिस्तानी ड्रोन गिराए थे, एक मिनट में 300 गोले दागती है

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को दशहरे पर भुज में एक मिलिट्री बेस का दौरा किया। यहां L-70 गन डिफेंस सिस्टम समेत शस्त्र पूजा से पहले सैनिकों को संबोधित किया। इस गन का इस्तेमाल ऑपरेशन सिंदूर में किया गया था। एल-70 गन एक मिनट में 300 गोले दागती है। 3,500 मीटर तक टारगेट कर सकती है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराने में छ-70 सिस्टम ने अहम भूमिका निभाई थी। इस दौरान राजनाथ सिंह ने सर क्रीक इलाके में सीमा विवाद को लेकर पाकिस्तान को चेतावनी दी। रक्षा मंत्री ने कहा- आजादी के 78 साल बाद भी सर क्रीक में सीमा को लेकर विवाद खड़ा किया जाता है। भारत ने कई बार बातचीत के जरिए इसे सुलझाने की कोशिश की है, लेकिन पाकिस्तान की नीयत में खोट है, उसकी नीयत साफ नहीं है। रक्षा मंत्री ने कहा- जिस तरह से हाल में पाकिस्तान ने सर क्रीक से सटे इलाकों में अपना मिलिट्री इन्फ्रास्ट्रक्चर बढ़ाया है, वह उसकी नीयत बताता है। अगर सर क्रीक क्षेत्र में पाकिस्तान की ओर से कोई हिमाकत की गई, तो उसे ऐसा करारा जवाब मिलेगा कि इतिहास और भूगोल दोनों बदल जाएंगे। रक्षा मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान लेह से सर क्रीक तक, भारत के डिफेंस सिस्टम में सेंध लगाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सका। वहीं, भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तानी एयर डिफेंस सिस्टम को पूरी तरह से बेनकाब कर दिया। उन्होंने कहा- भारत की सेना ने दुनिया को यह संदेश दिया कि वह जब चाहे और जहां चाहे पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचा सकती है। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर में अपने सभी मकसद को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। हालांकि सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ उसकी लड़ाई जारी रहेगी। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारी आर्म्ड फोर्सेस ने दिखा दिया कि भारत की संप्रभुता को चुनौती देने वाली ताकतें चाहे जहां भी छिपी हों, हम उन्हें ढूंढकर उनका खात्मा करने की शक्ति रखते हैं। दुनिया की कोई भी ताकत अगर हमारी संप्रभुता को चुनौती देती है तो भारत चुप नहीं बैठेगा।रक्षा मंत्री ने शस्त्र पूजा का महत्व बताते हुए कहा- शस्त्रों के प्रति समर्पण, असुर शक्तियों पर दैवी शक्ति की विजय की महानता को दशार्ता है। इसलिए जब हम किसी शस्त्र की पूजा करते हैं, तो हम इस शक्ति का इस्तेमाल केवल धर्म और न्याय की रक्षा के लिए करने का संकल्प भी लेते हैं। उन्होंने कहा- भगवान राम ने जब रावण से युद्ध किया तो उनका मकसद जीतना नहीं था। वे धर्म की स्थापना करना चाहते थे। शस्त्रों की पूजा इस बात का प्रतीक है कि भारत न सिर्फ शस्त्रों की पूजा करता है, बल्कि समय आने पर उनका इस्तेमाल करना भी जानता है।

gargacharya times_public vani.qxd 02-10-2025 23:36 Page 8

सिनेमा के बारे में मुझे उन्होंने ही सबकुछ सिखाया, संजय लीला भंसाली की तारीफ में बोले रणबीर

अभिनेता रणबीर कपूर ने साल 2007 में संजय लीला भंसाली की फिल्म सावरिया से डेब्यू किया था। अब वे भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए रणबीर कपूर करीब 18 साल बाद संजय लीला भंसाली के साथ काम कर रहे हैं। लाइव सैशन में की रणबीर ने फैंस से बात न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक रणबीर कपूर ने संजय लीला भंसाली की तारीफ करते हुए कहा कि अभिनय के बारे में वे जो कुछ भी जानते हैं, वह भंसाली ने ही उन्हें सिखाया है। दरअसल, रणबीर कपूर ने 28 सितंबर को अपने जन्मदिन के अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ लाइव सैशन आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने अपने को-एक्टर्स और निर्देशक भंसाली के बारे में बात की।

अगले साल रिलीज होगी लव एंड वॉर

फिल्म लव एंड वॉर 20 मार्च, 2026 को रिलीज होगी। इसमें रणबीर के अलावा आलिया भट्ट और विक्की कौशल भी नजर आएंगे। फिल्म लव एंड वॉर के निर्देशन की कमान संजय लीला भंसाली ने संभाली है। रणबीर ने कहा, इस फिल्म में मेरे दो पसंदीदा हैं। एक, विक्की कौशल। इसके अलावा मेरी सुपर टैलेंटिड वाइफ आलिया भट्ट।

भंसाली को बताया उस्ताद

रणबीर ने आगे कहा, इस फिल्म का निर्देशन वह शख्स कर रहे हैं, जिन्होंने मुझे सिनेमा के बारे में सबकुछ सिखाया। अभिनय के बारे में मैं जो कुछ भी जानता हूं, वह उन्हीं की देन है और उस समय वे एक उस्ताद थे। मैं उनके साथ 18 साल बाद काम कर रहा हूं। आज वे और भी बड़े उस्ताद हैं। इसलिए मैं इस सहयोग से बहुत खुश हूं। बता दें कि इस फिल्म में रणबीर पहली बार विक्की कौशल के साथ काम कर रहे हैं।

सनी संसारी की तुलसी कुमारी में सान्या मल्होत्रा का बोल्ड नया अवतार!

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा अपनी आगामी फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में अपने नए बोल्ड अवतार से सोशल मीडिया पर धूम मचा रही हैं। अपनी बहुमुखी भूमिकाओं के लिए जानी जाने वाली, सान्या ने एक निडर और फ्रेश लुक लेकर आ रही है जो फिल्म के जीवंत और बेबाक मूड को पूरी तरह कॉम्प्लिमेंट करता है। यह नया अवतार पहले से ही ट्रेंड कर रहा है। फैंस उनके आत्मविश्वास, ग्लैमर और स्वैग की खूब तारीफ कर रहे हैं। चाहे वो उनका स्टाइलिश बीचवियर हो या कैमरे के सामने उनका बेबाक अंदाज़ – सान्या का यह नया लुक वाकई में विज़ुअल ट्रीट है। जिसने फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी को इस सीज़न की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक बना दिया है। 'मिसेज़' में अपने गहराई से भरे अभिनय से दिल जीतने के बाद, सान्या इस समय अपने करियर के सबसे यादगार साल का आनंद ले रही हैं। उनकी अनोखी और सामाजिक व्यंग्य पर बनी फिल्म 'कटहल- अ जैकफरूट मिस्ट्री' को हाल ही में सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का पुरस्कार मिला है, जो यह साबित करता है कि सान्या न सिर्फ अलग और दमदार सिनेमा की पैरोकार हैं, बल्कि लगातार अपनी कला से दर्शकों को चौंका रही हैं। इस पोस्ट में सान्या एक शानदार नीली बिकिनी पहने नज़र आ रही है, और अभिनेत्री के प्रशंसक और फ़ॉलोअर्स उनके आत्मविश्वास से भरे बदलाव की चर्चा कर रहे हैं। वरुण धवन, जान्हवी कपूर और रोहित सराफ के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए, सान्या का नया सिज़लिंग लुक उनके अब तक के पिछले स्टाइल से बिल्कुल अलग बदलाव दिखाता है, जो उनके व्यक्तित्व का एक ग्लैमरस और बिंदास रूप दर्शाता है।

पब्लिसिटी में दम लगा रहे वरुण और जाह्नवी

फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' को हिट कराने के लिए वरुण धवन, जाह्नवी कपूर, सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ जमकर मेहनत कर रहे हैं। अब रोहित सराफ ने वरुण धवन, जाह्नवी कपूर और सान्या मल्होत्रा को टैग कर वीडियो पोस्ट की है, जिसमें पांचों स्टार्स लग्जरी कार की सवारी कर रहे हैं और कार में भी मस्ती करने का मौका नहीं गंवा रहे। वीडियो में सभी लोग अपने ही फिल्म के गाने बिजुरिया पर गजब के एक्सप्रेशन के साथ डांस कर रहे हैं लेकिन सारी लाइमलाइट मनीष पॉल लूट लेते हैं, क्योंकि वीडियो के आखिर में भी एक्टर कॉमेडी ही कर रहे हैं।

बीते रविवार से ही फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है

फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, लेकिन फिल्म के लिए फिल्मी गुरुवार मुश्किल रहेगा, क्योंकि इसी तारीख को ऋषभ शेट्टी अभिनीत कांतारा- चैप्टर 1 भी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ये एक पैन इंडिया फिल्म है और कई भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म लगभग 125 करोड़ के बजट के साथ बनी है, जबकि 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का बजट लगभग 60 करोड़ है। अब देखना होगा कि पहले दिन कौन सी फिल्म दर्शकों का दिल जीतेगी और बड़ी कमाई करेगी। वर्क फ्रंट की बात करें तो वरुण धवन और जान्हवी कपूर की ये साथ में दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों को बवाल में देखा गया था। फिल्म ने औसत कमाई की थी लेकिन ओटीटी पर फिल्म को अच्छा रिस्पांस मिला था।

फिल्म भागवत में जितेंद्र संग अरशद वारसी लगाएंगे तड़का

बॉलीवुड एक्टर अरशद वारसी अब एक बार फिर से नए अवतार में देंगे। पहले वह जॉली एलएलबी 2 में वकील और फिर बैड्स ऑफ बॉलीवुड में अंडरवर्ल्ड डॉन गफूर के किरदार में दिखाई दिए। और अब वह पुलिस के रोल में नजर आने वाले हैं। वह पंचायत के सचिव जी यानी जितेंद्र कुमार के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करेंगे। दोनों एकसाथ पहली बार स्क्रीन पर दिखेंगे। उनकी मूवी भागवतका पहला पोस्टर शनिवार, 27 सितंबर को जारी किया गया। इस क्राइम-थ्रिलर मूवी का पोस्टर शेयर करते हुए जी5 ने सोशल मीडिया पर लिखा, और हमें लगा था कि 2025 के सारे ट्विस्ट खत्म हो गए हैं, लेकिन सबसे बड़ा ट्विस्ट आ गया है, भागवत आपके होश उड़ा देने आ रही है।

सच्ची घटना से प्रेरित है फिल्म भागवत

फिल्म भागवत सस्पेंस और जबरदस्त ड्रामा से भरपूर होगी। इसमें इंस्पेक्टर विश्वास भागवत (अरशद वारसी) की कहानी है, जो एक गुमशुदा महिला की तलाश के केस की जांच करता है। लेकिन यह जांच जल्द ही धोखे, रहस्यों और संभावित तस्करी के एक अंधेरे और पेचीदा जाल में उलझ जाती है। इस सीरीज में जितेंद्र कुमार एक प्रोफेसर के रोल में दिखाई देंगे। बताया जा रहा है कि इस फिल्म की कहानी एक सच्ची घटना से प्रेरित है। जी5 की हिंदी बिजनेस हेड कावेरी दास ने इसके बारे में बात करते हुए कहा, भागवत एक रोमांचक थ्रिलर है, जो भावनात्मक गहराई और सस्पेंस का शानदार मिश्रण पेश करता है। अरशद वारसी ने अपने किरदार को बहुत बारीकी और गहराई से निभाया है। वहीं, जितेंद्र कुमार एक आकर्षक और अनूठे अंदाज में दर्शकों को चकित करते हैं। सबके साथ आने से यह सिनेमाई भव्यता, साहसिक कहानी और प्रभावशाली अभिनय का संगम बन गया है। अपनी अनोखी शैली और रचनात्मक दृष्टिकोण के साथ, भागवत इस साल की सबसे मनोरंजक और प्रभावी फिल्मों में से एक है।

ओटीटी पर आएगी फिल्म भागवत

इस फिल्म को अक्षय शेरे डायरेक्ट कर रहे हैं। इसका निर्माण जियो स्टूडियोज, बावेजा स्टूडियोज और डॉग एन बोन पिक्चर्स ने मिलकर किया है। यह फिल्म जल्द ही ज़ी5 पर रिलीज की जाएगी। इसकी रिलीज डेट अभी तय नहीं हुई है।

नवरात्रि खुद को खोजने का पर्व, देवी हमारी हर सांस में हैं

बॉलीवुड अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने नवरात्रि को खुद को खोजने का पर्व बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर माता की चौकी का एक वीडियो शेयर किया है। इसे शेयर करते हुए उन्होंने बताया है कि नवरात्रि का पर्व उनके लिए क्या मायने रखता है।

तमन्ना भाटिया ने अपनी इस पोस्ट में लिखा, नवरात्रि केवल भक्ति की नौ रातें नहीं हैं, बल्कि यह खुद में लौटने, खुद को खोजने के नौ मौके भी हैं। हर शाम हमें याद दिलाती है कि देवी केवल मंदिरों या त्योहारों में ही नहीं, बल्कि हमारी हर सांस में हैं। उन्होंने आगे लिखा, दुर्गा हमें उन लड़ाइयों का सामना करने की हिम्मत देती हैं, जिनसे हम कतराते रहे हैं। लक्ष्मी हमें प्रचुरता को अपनाना सिखाती हैं-न सिर्फ धन की, बल्कि प्रेम, करुणा और अवसरों की भी। सरस्वती हमें सत्य बोलने और अनिश्चितता में बुद्धिमानी से निर्णय लेने क... हैं। काली उन भय, आदतों और पुरानी कथाओं को भस्म कर देती हैं, जो हमें सीमित रखती हैं। 'स्त्री-2' अभिनेत्री ने आगे लिखा, जब हम मां के प्रति समर्पित हो जाते हैं, तो हम जीवन से चमत्कार मिलने का इंतजार करना बंद कर देते हैं और उन्हें अपने कर्मों में ढूंढ़ने लगते हैं। बात यह नहीं है कि हम कितने अनुष्ठान करते हैं, बात यह है कि उन नौ रातों को चुपचाप हमारे खुद को देखने के तरीके को फिर से लिखने दें। इस नवरात्रि हर दीया न केवल उस देवी के लिए जलाएं जिसकी आप पूजा करते हैं, बल्कि उस देवी के लिए भी जो आप पहले से ही हैं। समर्पण करते रहें।

वर्क फ्रंट की बात करें तो तमन्ना भाटिया हाल ही में डायना पेंटी के साथ वेब सीरीज डू यू वाना पार्टनर में नजर आई थीं। इस सीरीज में जावेद जाफरी, नकुल मेहता, श्वेता तिवारी, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह जैसे सितारे भी दिखाई दिए।

भागवत के प्रोड्यूसर हैं हरमन बावेजा

निर्माता हरमन बावेजा ने कहा, बावेजा स्टूडियोज में हमारा प्रयास हमेशा से ऐसी कहानियों पर आधारित रहा है जो साहसिक, प्रासंगिक और भावनात्मक रूप से ध्यान खींचती हों। भागवत इस कमिटमेंट का एक आदर्श उदाहरण है। यह सिर्फ एक थ्रिलर नहीं है- यह मानव स्वभाव के अंधकारमय हिस्से की एक यात्रा है, जहां प्रेम, छल और न्याय का टकराव होता है।

अक्षय कुमार का आमिर खान पर तंज!

ओटीटी के आने से फिल्मों की कमाई पर असर बड़ा है, पिछले काफी वक्त से यह एक बहस का मुद्दा बना हुआ है। अभिनेता आमिर खान का ऐसा मानना है कि थिएटर रिलीज के छह महीने बाद फिल्मों को ओटीटी पर आना चाहिए। उनका मानना है कि आजकल जो 2 महीने या आठ हफ्ते के बाद ही फिल्मों के ओटीटी पर ... पर असर पड़ता है। अब अभिनेता अक्षय कुमार ने आमिर के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए आमिर की बात से असहमति जताई है। साथ ही अक्षय ने आमिर के बयान पर तंज भी कसा है।

तीन महीने का अंतराल ठीक है

एबीपी लाइव के साथ बातचीत के दौरान अक्षय ने इस मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा कि मेरे हिसाब से तीन महीने का फासला ठीक है। छह महीने बहुत लंबा समय है क्योंकि आखिरकार, ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म आपको डिजिटल अधिकारों के लिए भुगतान कर रहा है। उन्हें भी इस सौदे से लाभ मिलना चाहिए। इस पूरी व्यवस्था को महामारी से पहले की स्थिति में वापस जाना चाहिए, जब सिनेमाघर और ओटीटी प्लेटफॉर्म दोनों एक साथ मौजूद थे और अच्छे से साथ-साथ चलते थे।

डिजिटल राइट्स के समय निर्माता ओटीटी प्लेफॉर्म से पैसा ले लेते हैं

इस दौरान अक्षय ने दावा किया कि निर्माताओं, जिनमें वो भी शामिल हैं, को ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना चाहिए। साथ ही अपनी फिल्मों के कंटेंट को लेकर भी सचेत रहना चाहिए। इसी दौरान आमिर के बयान पर इशारों-इशारों में ताना मारते हुए अक्षय ने कहा, 'जब डिजिटल राइट्स की बिक्री की बात आती है, तो निर्माता खुशी-खुशी ओटीटी प्लेटफॉर्म से पैसा ले लेते हैं। लेकिन जब हम चाहते हैं, तो हम आसानी से कह देते हैं कि हमारी फिल्में ओटीटी की वजह से नहीं चल रही हैं। हम यह नहीं सोचते कि शायद हम सही फिल्में नहीं बना रहे हैं।' हालांकि, अक्षय ने यहां आमिर या किसी का भी नाम नहीं लिया। लेकिन यह बयान आमिर के बयान पर प्रतिक्रिया जरूर मालूम पड़ता है।

मुझे फिल्में बनाने के अलावा कुछ नहीं आता

अक्षय ने यह भी स्वीकार किया कि वह अपनी फिल्मों के लिए प्रतिभाओं की तलाश में भी काफी ओटीटी कंटेंट देखते हैं। उनका मानना है कि ओटीटी के आने फिल्म इंडस्ट्री में सभी को फायदा हुआ है। अक्षय ने कहा कि मेरे पास फिल्में बनाने के अलावा कोई और काम नहीं है। चूंकि मैं पढ़ा-लिखा नहीं हूं, इसलिए मैं सिर्फ फिल्में ही बनाता हूं। इसलिए मुझे ओटीटी देखने के लिए काफी समय मिलता है।

ओटीटी पर जल्द फिल्मों के लाने के खिलाफ हैं आमिर

आमिर खान अक्सर ओटीटी को फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर न चलने की एक वजह मानते हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने कहा था कि जब लोगों को फिल्मों के रिलीज के कुछ ही वक्त बाद घर बैठे फिल्म देखने को मिल जाएगी, तो वो क्यों सिनेमाघरों में जाएंगे।

हालांकि, आमिर का ये भी कहना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ नहीं हैं। हाल ही में आमिर ने अपनी फिल्म 'सितारे जमीन पर' को भी थिएटर्स के बाद किसी ओटीटी पर नहीं रिलीज किया। बल्कि उन्होंने यूट्यूब पर फिल्म को पे-पर-व्यू मॉडल के तहत लाया।